हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 11

खेल

आईपीएल 2025 : चेन्नई और हैदराबाद के बीच होगी प्लेऑफ की उम्मीदें जीवंत रखने की जंग

Page 10

देश

पहलगाम हमले पर बोले मौलाना रशीद महली, सरकार के फैसले सही...

कृष्ण पक्ष, उत्तर भाद्रपद, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • शुक्रवार • 25 अप्रैल 2025 • वर्ष 27 • अंक 134 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 98,240	₹ 1,00,900

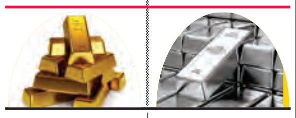

आज का इतिहास

2010 : भारतीय नौसेना ने पुराने हो चुके चेतक हेलीकाप्टरों की जगह नए लाइट यूटिलिटी हेलीकाप्टर (एलयूएच) ख़रीदने की प्रक्रिया शुरू की।

2013 : ब्रिटेन ने सोमालिया में अपना दूतावास 22 वर्षा के अंतराल के बाद पुनः खोला।

न्यूज बाइट्स

पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सभी वीजा सेवाएं बंद

नई दिल्ली (ए।)। सरकार ने जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति द्वारा लिए गए निर्णयों के क्रम में पाकिस्तानी नागरिकों को वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए सभी मौजूदा वैध वीजा 27 अप्रैल से रद्द कर दिए गए हैं। हालांकि, पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल तक वैध होंगे। वर्तमान में भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को संशोधित समयसीमा के हिसाब से वीजा की समाप्ति से पहले भारत छोड़ना होगा।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में 'भरतमुनि दीर्घा' का उद्घाटन

नई दिल्ली (ए।) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में बुधवार को कला-जगत के मुखौटों की स्थायी दीर्घा का उद्घाटन हुआ। इस दीर्घा का नाम 'भरतमुनि दीर्घा' रखा गया है, जिसमें विभिन्न आकार और रंगों के मुखौटे प्रदर्शित किए गए हैं। यह दीर्घा केंद्र के 'कंजर्वेशन और ऑर्काइव डिविजन' की ओर से प्रारंभ की गई है। उद्घाटन समारोह में संस्थान के सदस्य सचिव प्रो। सच्चिदानंद जोशी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस मौके पर डॉ। जोशी ने कहा, "दीर्घा में रखे गए मुखौटे विभिन्न स्थानों की संस्कृति और कला का प्रतीक हैं।" इस मौके पर 'कंजर्वेशन और ऑर्काइव डिविजन' के अध्यक्ष प्रो। अचल पंड्या, डॉ। प्रियंका मिश्रा (निदेशक, प्रशासन), प्रो। प्रतापानंद झा (डीन, अकादमिक), प्रो। सुधीर लाल (अध्यक्ष, कला कोश विभाग) और मीडिया नियंत्रक अनुराग पुनेठा भी उपस्थित थे।

नड्डा ने की राष्ट्रीय खसरा-रूबेला उन्मूलन अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली (ए।) केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को देश में विश्व टीकाकरण सप्ताह के पहले दिन 'राष्ट्रीय शून्य खसरा-रूबेला उन्मूलन अभियान 2025-26' की शुरुआत की। इस अवसर पर श्री नड्डा ने कहा कि यह अभियान 2026 तक खसरा और रूबेला को खत्म करने के भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए बहुभाषी पोस्टर, रेडियो जिंगल, एमआर उन्मूलन और आधिकारिक यू-विन फिल्म जारी की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मधुबनी में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर करीब 13480 करोड़ रुपए की योजनाओं की दी सौगात, मधुबनी की सभा से पीएम ने कहा

विकसित भारत के लिए बिहार का विकास जरूरी

• पीएम ने कहा कि बिहार में विकास हो ये हम सबका प्रयास है

निज संवाददाता | मधुबनी

मधुबनी में आयोजित राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के विकास और सुरक्षा से संबंधित अहम बातें कही। इस अवसर पर पीएम मोदी ने प्रदेश की चुनौतियों और सरकारी प्रयासों पर विस्तार से विचार रखते हुए, शांति, सुरक्षा और विकास के बीच गहरे संबंध को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति और सुरक्षा तेज विकास के लिए सबसे जरूरी शर्त हैं। उन्होंने आगे जोड़ते हुए कहा कि 'विकसित भारत के लिए विकसित बिहार जरूरी है। उनकी उम्मीद है कि बिहार में होने वाला विकास हर क्षेत्र और हर वर्ग तक पहुंचे। मोदी जी ने विशेष तौर पर यह बात कही कि केंद्र सरकार बिहार में बाढ़ की तबाही को कम करने, किसानों, महिलाओं और युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करने के लिए समर्पण के साथ काम कर रही है।

पंचायतों का महत्व और विकास की दिशा

प्रधानमंत्री ने बताया कि देश में 30,000 पंचायत भवन बनाए गए हैं और इन्हें आवश्यक संसाधन प्रदान कर मजबूत किया गया है। पंचायतों को 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक का फंड उपलब्ध कराया गया है। ग्राम पंचायतों में भूमि विवाद की समस्या को सुलझाने के लिए जमीनों के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। पंचायतों को सामाजिक भागीदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया गया क्योंकि लोकतंत्र में जनभागीदारी से ही शक्ति का सही वितरण होता है।

किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़

प्रधानमंत्री ने पटना एयरपोर्ट के विस्तार और दरभंगा एयरपोर्ट के सुदृढ़ीकरण की घोषणा की। इसके साथ ही, बिहार में रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उनके अनुसार, किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और कोसी क्षेत्र बाढ़ से काफी परेशान रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए सरकार 11000 करोड़ रुपये खर्च करके बागमती, बूढ़ी गंडक, कोसी पर बांध और नहरों के निर्माण का कार्य कर रही है।

महिलाओं का सशक्तिकरण

प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि बिहार देश का पहला राज्य है जहाँ महिलाओं को चुनावों में 50% आरक्षण की सुविधा दी गई है। इस कदम के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विशेष अभिनंदन किया गया। आज बिहार में गरीब, दलित, महादलित और पिछड़े वर्ग की बहन-बेटियां जनप्रतिनिधि बनकर सेवा दे रही हैं। इसी सोच से लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण का कानून भी लागू किया गया है। इससे देश की हर महिला को अधिक प्रतिनिधित्व और आय के नए अवसर मिलेंगे। सरकार ने महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए रोजगार, स्वरोजगार एवं नवीन योजनाएं लागू की हैं। बिहार में चल रहे जीविका दीदी कार्यक्रम से अनेक महिलाओं का जीवन बदल चुका है।

मोदी जी ने बताया कि आज बिहार की स्वयं सहायता समूहों को 1000 करोड़ रुपये की मदद दी गई है जिससे आर्थिक स्वतंत्रता को बल मिलेगा।

बिहार में 4 करोड़ से अधिक बनवाए गए पक्के घर

बीते दशक में बिहार में 4 करोड़ से अधिक पक्के घर बनवाए गए हैं। 57 लाख गरीब परिवारों को पक्के घर मिल चुके हैं और आने वाले वर्षों में 3 करोड़ और पक्के घरों का निर्माण करने की योजना है। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि देशभर के 15 लाख गरीब परिवारों को नए घरों के निर्माण के स्वीकृति पत्र दिए गए हैं, जिनमें बिहार के लाभार्थियों का भी बड़ा हिस्सा शामिल है। गरीब परिवारों को आर्थिक मदद भेजने का प्रबंध किया गया है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में विकास की राह प्रशस्त हो सके।

प्रधानमंत्री ने बताया कि मखाना, जो बिहार की संस्कृति का हिस्सा है, अब देश व दुनिया के लिए एक सुपर फूड के रूप में प्रतिष्ठित हो चुका है। मखाने को जीआई टैग मिल चुका है और मखाना रिसर्च सेंटर को स्पेशल स्टेटस प्रदान किया गया है। मखाना बोर्ड की घोषणा से मखाना किसानों का भाग्य बदलने की उम्मीद जताई गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण दर्शाता है कि बिहार के विकास के लिए केंद्र सरकार निरंतर प्रयासरत है। चाहे वह बाढ़ प्रकोप को कम करना हो, महिलाएं और युवाओं को सशक्त करना हो या ग्रामीण और शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे का विकास करना हो, सरकार हर मोर्चे पर सक्रिय है। मोदी जी का यह स्पष्ट संदेश है कि विकास की नयी रोशनी बिहार में जल्द ही देखने को मिलेगी और हर क्षेत्र में उन्नति सुनिश्चित की जाएगी।

बिहार की पहली नमो भारत ट्रेन शुरू, पीएम ने दिखाई हरी झंडी, सभी कोच जनरल

निज संवाददाता | पटना

देश की दूसरी और बिहार की पहली 'नमो भारत' ट्रेन जयनगर से पटना के बीच चलेगी। 130 किमी/घंटे की रफ्तार होगी। 267 किमी की दूरी साढ़े 5 घंटे में पूरी करेगी। इसके साथ ही बिहार से दूसरी 'अमृत भारत' भी गुरूवार से शुरू हो गई है। यह सहरसा से मुंबई के बीच चलेगी। पीएम मोदी ने दोनों ट्रेनों को वर्चुअल तरीके से हरी झंडी दिखाई। 16 कोच वाली नमो भारत के सभी कोच जनरल हैं। 2000 पैसेंजर की क्षमता है। देश की पहली नमो भारत भुज से अहमदाबाद के बीच चल रही है।

कहां से कहां जाएगी - जय नगर से पटना

किस-किस स्टेशन पर रुकेगी - मधुबनी, सकरी, दरभंगा, समस्तीपुर, बरौनी, मोकामा और पटना

जयनगर से कब खुलेगी- सुबह 5 बजे

पटना कब पहुंचेगी- सुबह 10.30 बजे

पटना से कब खुलेगी- शाम 6.05 बजे

जयनगर कब पहुंचेगी - रात- 11.45 बजे

आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का समय कल्पना से बड़ी मिलेगी सजा : पीएम

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार आए। मधुबनी में मधुबनी में पीएम मोदी की रैली में 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाए गए। इस रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत में सबसे पहले पहलगाम में मारे गए लोगों के लिए कुछ समय के लिए मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में साफ कर दिया है कि जिन आतंकियों ने देश की आत्मा को चोट पहुंचाई है उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम लोगों को जिस बेरहमी से मारा है उससे कोटि-कोटि देशवासी दुखी है। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन घायलों को अभी इलाज चल रहा है वो जल्द स्वस्थ हो इसके लिए भी सरकार प्रयास कर रही है। साथियों इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने अपना भाई खोया तो किसी ने अपना जीवन साथी खोया है। उनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई मराठी था, कोई ओड़िया था, कोई गुजरात था तो कोई यहां बिहार का लाल था। पीएम ने कहा कि पर्यटकों को मारने वाले आतंकियों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा दी जाएगी। पीएम ने कहा कि मैं बिहार की धरती से पूरी दुनिया से कहना चाहता हूं कि इस तरह के हमले से देश के मनोबल को नहीं तोड़ा जा सकता है। आतंकी हमले के बाद अब न्याय दिलाने के लिए भारत सबकुछ करेगा।

आतंकियों पर अपने अंदाज में बरसते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जिन्होंने यह हमला किया है उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। यह सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। पीएम ने कहा कि बिहार की धरती से मैं पूरी दुनिया को कहता हूं कि भारत सभी आतंकियों की पहचान कर उन्हें सजा देगी। भारत की ताकत तो आतंकवाद नहीं तोड़ सकता है। हम इस मामले में न्याय के लिए हर काम करेंगे। जो लोग मानवता में विश्वास करते हैं वो हमारे साथ हैं।

आतंक के खिलाफ पूरा देश एक : नीतीश कुमार

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी अपने संबोधन में आतंकवाद की घटना को निंदनीय बताया और कहा, "पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। पीड़ित परिवारों के साथ हमारी संवेदना है। " उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अपनी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे 2006 में उनकी सरकार ने पंचायती राज कानून में बदलाव कर महिलाओं को 50% आरक्षण दिया और पंचायतों को सशक्त किया।

पीएम ने स्टील सेक्टर को बताया देश की प्रगति का मजबूत आधार

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'इंडिया स्टील 2025' के छठे संस्करण को संबोधित किया। यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मुंबई के बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर में 24 से 26 अप्रैल तक आयोजित हो रहा है। इसका आयोजन केंद्रीय इस्पात मंत्रालय और उद्योग संगठन फिक्की (एफआईसीसीआई) द्वारा किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्टील सेक्टर भारत की प्रगति का आधार है और एक विकसित भारत की मजबूत नींव है। उन्होंने बताया कि जब भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है, तब स्टील सेक्टर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक देश बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा, "हमने नेशनल स्टील पॉलिसी के तहत 2030 तक 300 मिलियन टन स्टील उत्पादन का लक्ष्य तय किया है।" उन्होंने बताया कि आज भारत का स्टील उद्योग आत्मविश्वास से भरपूर है, क्योंकि सरकार द्वारा शुरू की गई 'पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान' जैसी योजनाएं स्टील सेक्टर को मजबूती दे रही हैं। उन्होंने कहा कि पीएम गतिशक्ति योजना के तहत देश की खदानों और स्टील इकाइयों को मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है, जिससे लॉजिस्टिक्स में सुधार हो रहा है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि अब से सरकारी भवनों के निर्माण में 'मेड इन इंडिया' स्टील का उपयोग अनिवार्य होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "सरकारी योजनाएं आज स्टील की सबसे बड़ी उपभोक्ता हैं, खासकर निर्माण और बुनियादी ढांचे में। स्टील कई अन्य उद्योगों की भी मूलभूत आवश्यकता है, इसलिए हमारी स्टील नीति इन क्षेत्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खड़ा कर रही है।" उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत लंबे समय से उच्च गुणवत्ता वाले स्टील के लिए आयात पर निर्भर रहा है, लेकिन अब रक्षा और रणनीतिक क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता जरूरी है।

राज्य एवं केंद्र प्रायोजित मत्स्य योजनाओं की हुई समीक्षा

निज संवाददाता | पटना

निदेशक मत्स्य, बिहार, पटना की अध्यक्षता में गुरूवार को विकास भवन स्थित कार्यालय में राज्य एवं केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान शेखपुरा, वैशाली, बक्सर, नालंदा, लखीसराय एवं जहानाबाद जिलों के जिला मत्स्य पदाधिकारियों के साथ राज्य एवं केंद्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा की गई।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत नया तालाब निर्माण योजना में शेखपुरा में 22.09 हेक्टेयर, वैशाली में 12.57 हेक्टेयर, बक्सर में 3.97 हेक्टेयर, नालंदा में 46.75 हेक्टेयर, लखीसराय में 15.79 हेक्टेयर एवं जहानाबाद में 11.73 हेक्टेयर की उपलब्धि दर्ज की गई है। वहीं, रियरिंग तालाब निर्माण में शेखपुरा 7.641 हेक्टेयर, वैशाली 6.39 हेक्टेयर, नालंदा 10.1 हेक्टेयर, लखीसराय 2.84 हेक्टेयर एवं जहानाबाद 1.52 हेक्टेयर रहा। राज्य योजना के अंतर्गत विशेष सहायता योजना में शेखपुरा 7.00 एकड़, वैशाली 10.15 एकड़, बक्सर 6.29 एकड़, नालंदा 3.97 एकड़, लखीसराय 2.47 एकड़ एवं जहानाबाद 4.12 एकड़ की उपलब्धि प्राप्त की गई। मुख्यमंत्री चैर विकास योजना (सात निश्चय-2) के अंतर्गत शेखपुरा में 5.11 हेक्टेयर तथा वैशाली में सर्वाधिक 109.37 हेक्टेयर तालाब निर्माण कार्य संपन्न हुए हैं। बैठक का मुख्य उद्देश्य योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन करना एवं निर्माण कार्यों को मानसून से पूर्व पूर्ण कराना था, ताकि लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके। निदेशक महोदय ने स्पष्ट निर्देश दिया कि वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 के सभी लंबित कार्य अप्रैल माह के अंत तक पूर्ण कर लिए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की प्राथमिकता के आधार पर जांच कर मत्स्य प्रसार पदाधिकारी एवं मत्स्य विकास पदाधिकारी इन्हें जिला मत्स्य पदाधिकारी को अग्रेतर कार्रवाई हेतु भेजें।

एफसीआई ने अब तक दो हजार से किसानों की गेहूं खरीद

पटना(नि.सं.)। बिहार में गेहूं खरीद अभियान तेज़ी से जारी है और एफसीआई (भारतीय खाद्य निगम) ने गुरुवार तक राज्य के 2000 किसानों से कुल 8535 मीट्रिक टन गेहूं की खरीददारी पूरी कर ली है। यह उपलब्धि कृषि क्षेत्र में किसानों की भागीदारी और सरकारी नीतियों के प्रति उनके भरोसे को दर्शाता है। गुरुवार को एक महत्वपूर्ण पड़ाव उस वक्त पार हुआ, जब पश्चिम चंपारण जिले के मैनाटांड़ क्षेत्र से किसान अनुज कुमार ने एफसीआई बिक्री केंद्र को 62 क्विंटल गेहूं बेचा और इस सीजन के 2000वें किसान के रूप में पहचान बनाए। इस उपलक्ष्य में एफसीआई मोतिहारी के मंडल प्रबंधक रामगोपाल ने अनुज कुमार को सम्मानित किया। इस अवसर पर बिहार एफसीआई के महाप्रबंधक अमित भूषण ने किसानों से सरकारी खरीद केंद्रों पर अधिक से अधिक गेहूं बेचने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे किसान सीधे देश की खाद्य सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा बन सकते हैं।

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक, विपक्ष ने जताया पूरा समर्थन

एजेंसी | नई दिल्ली

पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर आज संसद एनेक्सी भवन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई, जो लगभग दो घंटे तक चली। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत कई राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

बैठक के दौरान सभी नेताओं ने पहलगाम हमले की तीखी निंदा की और हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। बैठक के बाद राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि 'सभी दलों ने इस हमले की निंदा की है और सरकार को किसी भी प्रकार की कार्रवाई के लिए पूरा समर्थन देने की प्रतिबद्धता जताई है।' उन्होंने यह भी घोषणा की कि वे शुक्रवार को कश्मीर के अनंतनाग जाकर घायल लोगों से मिलेंगे। हमले के बाद भारत ने अपनी सैन्य तैयारी को तेज कर दिया है। भारतीय वायुसेना ने 'आक्रमण' नाम से एक युद्धाभ्यास शुरू किया है, जिसमें अंबाला (हरियाणा) और हाशीमारा (पश्चिम बंगाल) की दो राफेल स्क्वॉड्रन भाग ले रही हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य सीमा पर स्थिति को नियंत्रण में रखते हुए दुश्मन को कड़ा संदेश देना है। इसके साथ ही, गुरुवार को भारतीय नौसेना ने आईएनएस सूरत युद्धपोत से सतह से समुद्र पर मार करने वाली मिसाइल

सर्वदलीय बैठक के बाद बोले सांसद

आप के संजय सिंह- सभी दलों ने आतंकी शिविरों को नष्ट करने के लिए सरकार से कार्रवाई की मांग की।

टीएमसी के सुदीप बंद्योपाध्याय- सुरक्षा चूक पर चर्चा की गई, सभी दल आतंकवाद से निपटने में सरकार के साथ हैं।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू- सरकार ने नेताओं को आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। आईबी और गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने नेताओं को चूक के बारे में जानकारी दी। ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सभी दलों ने कहा कि वे सरकार के साथ हैं और आतंकवाद के खिलाफ हैं।

पटना में 27 पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा कैंसिल

पटना (नि.सं.)। पटना जिले में ठहरे 27 पाकिस्तानियों का वीजा रद कर दिया गया है। इन्हें जिले की विदेश शाखा से तय समय सीमा के अंदर अपने मुल्क वापस जाने को कहा गया है। इसके बाद भी यदि वे यहां रुकते हैं तो उन्हें घुसपैठिया मान गिरफ्तार किया जा सकता है। कोर्ट का आदेश मिलने पर उन्हें डिपोर्ट किया जा सकता है। सूत्रों की मानें तो पटना जिला पुलिस की विदेश शाखा ने पाकिस्तान मूल के 27 लोगों का अद्यतन पता स्थानीय थानों को बताया है। सभी पाकिस्तानी नागरिक एक्सटेंशन वीजा पर हैं। इनमें सबसे अधिक सब्जीबाग, समनपुरा और फुलवारीशरीफ मोहल्ले में रिश्तेदारों के घरों पर हैं। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले में 26 सैलानियों की निर्मम हत्या के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को सीसीएस की बैठक हुई थी। इसमें पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद करने का निर्णय लिया गया। साथ ही भारत छोड़ने के लिए उन्हें 72 घंटे की मोहलत दी गई थी। सूत्रों की मानें तो 27 पाकिस्तानी नागरिक एक्सटेंशन वीजा पर पटना में रह रहे थे। ये तीन से सात दिनों के वीजा पर पटना आए थे।

2036 ओलंपिक भारत की तैयारी तेज

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शुरू की दो नई पहल

एजेंसी | नई दिल्ली

केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ। मनसुख मांडविया ने देश के खेल क्षेत्र को मजबूत करने के लिए दो बड़ी पहलों का उद्घाटन किया। इनमें नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च (एनसीएसएसआर) में "रिटर्न टू स्पोर्ट्स सेल" और डिजिलॉकर के जरिए खेल प्रमाणपत्रों की डिजिटल सुविधा शामिल है। इन दोनों कदमों का मकसद 2036 ओलंपिक के लिए भारत को तैयार करना है। मांडविया ने कहा कि सरकार देश के खेल क्षेत्र को तेजी से आगे बढ़ा रही है। डिजिलॉकर के जरिए अब खिलाड़ियों को उनके प्रमाणपत्र डिजिटल रूप में आसानी से मिल सकेंगे। इससे प्रशासनिक काम तेज होगा और खिलाड़ियों को समय पर आर्थिक मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और खेल फेडरेशनों में गड़बड़ी नहीं हो सकेगी। हर फेडरेशन की जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रत्येक खेल फेडरेशन के साथ कॉर्पोरेट साझेदारी की जा रही है, ताकि संसाधनों की कमी न हो और काम की गति बढ़े। इसके अलावा, हर खेल के लिए अलग-अलग ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर बनाए जाएंगे। मांडविया ने कहा, मैंने दुनिया के कई देशों के खेल मॉडल का अध्ययन किया है। अब हम भारत में वैसी व्यवस्था लागू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय कोचिंग और सुविधाएं देना सरकार की जिम्मेदारी है। इसके लिए खिलाड़ी, खेल फेडरेशन और सरकार को एकजुट होकर काम करना होगा। "रिटर्न टू स्पोर्ट्स सेल" का मकसद चोटिल खिलाड़ियों को जल्दी ठीक करने और उन्हें खेल में वापस लाने में मदद करना है। यह सेल खिलाड़ियों की रिकवरी और फिटनेस पर वैज्ञानिक तरीके से काम करेगा। मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत का लक्ष्य 2036 ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करना है। इसके लिए अभी से मजबूत नींव तैयार की जा रही है।

बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड की मध्यमा परीक्षा का रिजल्ट जारी, 86.86 प्रतिशत स्टूडेंट्स हुए सफल

• प्रथम श्रेणी में 4,368, द्वितीय श्रेणी में 6,079 और तृतीय श्रेणी में 1,057 परीक्षार्थी सफल हुए, जबकि 459 परीक्षार्थी असफल घोषित किए गए

निज संवाददाता | पटना

छात्राओं का पास प्रतिशत 87.82% व छात्र का पास प्रतिशत 85.95% रहा संवाददाता, पटना बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित मध्यमा परीक्षा-2025 का परिणाम बुधवार को जारी कर दिया गया। रिजल्ट शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव ने जारी किया। इस मौके पर बोर्ड के सचिव नीरज कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक उपेंद्र कुमार मौजूद थे। बोर्ड के सचिव नीरज कुमार ने बताया कि परीक्षा परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट https://bssbpatna.co पर उपलब्ध है। इस वर्ष कुल 13,245 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 11,504 विद्यार्थी सफल हुए। कुल पास प्रतिशत 86.86% रहा। प्रथम श्रेणी में 4,368, द्वितीय श्रेणी में 6,079 और तृतीय श्रेणी में 1,057 छात्र पास हुए, जबकि 459 परीक्षार्थी असफल रहे। लड़कों की तुलना में लड़कियों ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन किया। कुल 6,849 छात्र परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 5,887 (85.95%) सफल रहे। वहीं, 5,617 छात्राओं में से 4,929 (87.82%) ने सफलता प्राप्त की। बोर्ड सचिव ने बताया कि छात्र अपने रोल कोड और रोल नंबर के माध्यम से वेबसाइट पर अंकपत्र देख सकते हैं। स्कूलों को विद्यार्थियों के मूल अंकपत्र और प्रमाण पत्र 15 दिनों के भीतर उपलब्ध करा दिये जायेंगे। बोर्ड ने परीक्षा परिणाम की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाये रखने के लिए तकनीकी उपायों को और भी मजबूत किया है। सचिव ने कहा कि यदि परीक्षाफल में परीक्षार्थी के नाम, पिता के नाम, माता के नाम, जन्मतिथि, विद्यालय नाम आदि में कोई त्रुटि हो तो संबंधित परीक्षार्थी अपने विद्यालय प्रधानाध्यापक के माध्यम से 15 दिनों के अंदर बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड पटना में आवेदन कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

घरेलू कलह में सल्फास खाकर महिला ने दी जान

बिहारशरीफ। नूरसराय थाना अंतर्गत रसलपुर गांव में मंगलवार को महिला ने सल्फास खाकर खुदकुशी कर ली। महिला की मौत इलाज के दौरान बिहारशरीफ के एक निजी क्लिनिक में हुई। मृतका रंजीत कुमार की 28 वर्षीया पत्नी फूलमंती कुमारी थीं। परिवार ने बताया कि घरेलू कलह में महिला ने घर में रखा सल्फास खा लिया। जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। महिला को इलाज के लिए क्लिनिक में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। लहेरी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि क्लिनिक संचालक से सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार के हवाले कर दिया गया।

घरेलू कलह में सल्फास खाकर महिला ने दी जान

बिहारशरीफ। नूरसराय थाना अंतर्गत रसलपुर गांव में मंगलवार को महिला ने सल्फास खाकर खुदकुशी कर ली। महिला की मौत इलाज के दौरान बिहारशरीफ के एक निजी क्लिनिक में हुई। मृतका रंजीत कुमार की 28 वर्षीया पत्नी फूलमंती कुमारी थीं। परिवार ने बताया कि घरेलू कलह में महिला ने घर में रखा सल्फास खा लिया। जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। महिला को इलाज के लिए क्लिनिक में भर्ती कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। लहेरी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि क्लिनिक संचालक से सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार के हवाले कर दिया गया।

जमीन को कब्जा कर मकान बनाने वाले 100 घरों पर चलेगा बुलडोजर

बिहारशरीफ। रहुई के सोनसा गांव स्थित भिंड पोखर गैरमजरुआ आम जमीन पर बने 100 मकानों पर बुल्डोजर चलाने की तैयारी है। इसके लिए तिथि और समय भी निर्धारित कर दी गई है। हाईकोर्ट के आदेश पर जमीन को अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा है। पंचायत व मौजा सोनसा के थाना नंबर 16 खाता संख्या 198, खेसरा नंबर 1616, रकवा 3.71 ए किस्म जमीन भिंड पोखर गैरमजरुआ आम जमीन के अतिक्रमण का यह मामला है। डीएम द्वारा एक आदेश पत्र भी जारी किया गया है। सीडब्ल्यूजेसी नंबर 13692/2022 सीता राम प्रसाद बनाम बिहार सरकार व अन्य से संबंधित मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया है। 25 व 26 अप्रैल को उस गैर मजरुआ आम जमीन को अतिक्रमणमुक्त किया जाएगा। अग्निशमन व एम्बुलेंस की तैनाती अवैध कब्जा वाले घरों को तोड़ते समय किसी भी प्रकार की घटना हो सकती है। इसलिए उन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए उक्त स्थल पर चार अग्निशमन वाहन के अलावा दो पानी का टैंकर भी मौजूद रहेगा। इसके अलावा मौके पर दो एंबुलेंस भी हर समय तैनात रखने की हिदायत दी गई है।

बिल्डर ने भतीजी के प्रेमी व उसके दोस्त को किया अगवा, 9 गिरफ्तार

राजगीर। राजगीर वासियों की सूचना पर मंगलवार को पुलिस ने कार्रवाई कर दो अपहृत युवकों को मुक्त कराते हुए, 9 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। रिहा हुआ युवक जहानाबाद जिला के रामनगर कुदवनचक निवासी विजय चौधरी का पुत्र विसु कुमार और उसका दोस्त नीतीश कुमार है। विसू जख्मी हालत में था। जिसका इलाज अस्पताल में कराया गया। इसके साथ पुलिस ने दो लग्जरी वाहनों को जब्त कर, बिल्डर संग 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। दरअसल, बिल्डर की भतीजी से विसु का प्रेम-प्रसंग चल रहा था। बिल्डर ने भतीजी पर दबाव दे, प्रेमी को राजगीर बुलाया। जहां विसु अपने दोस्त नीतीश के साथ युवती से मिलने पहुंचा था। उसी दौरान बिल्डर और उसके बाउंसरों ने दोनों को अगवा कर लिया। जांच में खुलासा हुआ कि बिल्डर ने प्रेमी को सबक सिखाने की मंशा से उसे अगवा किया था। डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि राजगीर वासियों की तत्परता से दोनों अपहृतों को मुक्त कराया गया। छबिलापुर मार्ग में होटल ग्लोरी ग्रैंड के पास लग्जरी वाहन में दोनों युवक को रखा गया था। पुलिस के पहुंचने पर दूसरे वाहन पर सवार आरोपित फरार हो गया। जबकि, मौके पर मौजूद वाहन अपहृतों को मुक्त कराया गया। विसु का हाथ पैर बंधा था। उसके साथ मारपीट की गई थी। कान से खून आ रहा था। इस कारण उसका इलाज कराया गया। खुदागंज थाना पुलिस ने भाग रहे एर्टिगा वाहन को सवारों के साथ मेयार मोड़ के पास पकड़ लिया। कुल 9 लोगों को पकड़ा गया। बिल्डर अमित की भतीजी का विसु से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। विसु को सबक सिखाने के लिए बिल्डर ने भतीजी पर दबाव डाल, विसु को राजगीर बुलाया। युवक अपने दोस्त के साथ राजगीर पहुंचा था। उसी दौरान बिल्डर ने अपने बाउंसरों व चालकों के सहयोग से दोनों को अगवा कर लिया। कार्रवाई में थानाध्यक्ष रमण कुमार, खुदागंज थानाध्यक्ष जयप्रकाश पासवान, दारोगा संजीव कुमार, काजल कुमारी, प्रशिक्षु दारोगा भानू प्रताप सिंह समेत अन्य सुरक्षाकर्मी शामिल थे। दो लग्जरी वाहन, 12 मोबाइल और घटना में इस्तेमाल रस्सी बरामद गिरफ्तार आरोपियों में पटना के हरिदासपुर निवासी बिल्डर अमित सिंह, आरा के पड़ौरा निवासी भरत कुमार, चकरही आरा निवासी हरे राम सिंह, मच्छरहट्टा पटना निवासी आदित्य कुमार, पादरी की हवेली पटना निवासी पियुस कुमार, अरियाना नगरनौसा निवासी रौशन कुमार, बाघा टिला पटना निवासी अमर कुमार, पादरी की हवेली पटना निवासी आशीष कुमार और अमन कुमार शामिल हैं। आरोपियों के पास से दो लग्जरी वाहन, 12 मोबाइल और घटना में इस्तेमाल रस्सी बरामद हुई। थानाध्यक्ष के बयान पर आरोपियों पर केस दर्ज किया गया।

बाबा साहेब की जयंती पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

टिकारी। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर 15 दिवसीय विशेष पखवारा शुरू हुआ। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के संरक्षण में यह आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य डॉ. अम्बेडकर के ऐतिहासिक योगदान को याद करना है। साथ ही विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना, संवैधानिक मूल्यों और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना है। पीआरओ मो. मुदस्सीर आलम ने बताया कि यह पखवाड़ा विश्वविद्यालय के एससी/एसटी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, संसदीय कार्य मंत्रालय, युवा मामले और खेल विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, विधिक मामलों का विभाग और संस्कृति मंत्रालय का सहयोग रहा। पखवारे के तहत चाणक्य भवन में "भारत रत्न बाबासाहेब अम्बेडकर का योगदान" विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई। इसमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक, राजनीतिक और संवैधानिक योगदान को रंगों और रेखाओं के माध्यम से चित्रों में दिखाया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. मंगलेश कुमार मंगलम, डॉ. अनुज लुगुन और डॉ. प्रदीप राम ने किया। विजेताओं की घोषणा समापन समारोह में की जाएगी। उन्हें पुरस्कार भी दिए जाएंगे। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. चन्दना सुबा ने किया। यह आयोजन स्कूल ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस के प्रमुख प्रो. अशोक कुमार के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू प्रो. पी. के. मिश्रा, प्रो. एस. पी. श्रीवास्तव, प्रो. प्रदीप कुमार दास, डॉ. सुरेन्द्र कुमार, डॉ. पूनम कुमारी, डॉ. देव नारायण सिंह, डॉ. पल्लवी सिंह, डॉ. अनंत प्रकाश नारायण, मणि प्रताप, डॉ. कुमारी नीतू और डॉ. अनुराग अग्रवाल मौजूद रहे। संचालन रिसर्च स्कॉलर संतोष पाणिग्रही और लॉ की छात्रा साधना पराशर, सुरुचि सुमन, विनेदिता पंकज, विकास, युसीर और अंबिका भारती ने किया। अंत में डॉ. चन्दना सुबा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

महादलित टोले में बौद्ध भिक्षु ने लगवाया चापाकल

बोधगया। तारा बौद्ध मंदिर में रहने वाले आचार्य एनटी ग्यास्तो ने बुधवार को शेखवारा पंचायत के द्वारकाचक गांव के राजापुर टोले में महादलित परिवारों के लिए चापाकल लगवाया। हीरा बोरिंग से 100 फीट गहराई तक खुदाई कर चापाकल लगाया गया। गांव के बच्चों और बुजुर्गों ने पूजा कर इसका शुभारंभ किया। इसके बाद चापाकल को गांव के लोगों को समर्पित किया गया। आचार्य ने बताया कि यह चापाकल उनके पिता स्वर्गीय न्यीमा ग्यालत्सेन लुंगथोक की याद में लगाया गया है। उनके पिता भी जरूरतमंदों की मदद करते थे। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गांवों में चापाकल लगवाए जा रहे हैं।

भाभी से अवैध संबंध में देवर की चाकू मारकर हत्या

निज संवाददाता। गया

गया के डुमरिया इलाके में प्रेम प्रसंग के मामले में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। युवक की लाश रविवार को मिली थी। पुलिस ने FIR दर्ज करने के 48 घंटे के अंदर वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गुरुवार को पुलिस ने इसकी जानकारी दी। घटना सिंघपुर गांव में हुई थी। मृतक की पहचान सिंघपुर के रहने वाले 28 साल के सोनू ठाकुर के रूप में की गई है। हत्या का खुलासा करते हुए आज इमामगंज के SDPO अमित कुमार ने बताया कि मृतक सोनू ठाकुर का उसके फुफेरे भाई की पत्नी से अवैध संबंध था, जो हत्या का कारण बना। अमित कुमार के मुताबिक, सोनू ठाकुर की हत्या की स्क्रिप्ट करीब 12 महीने पहले ही लिखी जा चुकी थी।

सोनू ठाकुर, मृतक

मृतक के परिजन ने 7 लोगों के खिलाफ नामजद FIR कराई थी: एडीपीओ अमित कुमार ने बताया कि हत्या के दिन मृतक के परिजन और कुछ गांव वालों ने 7 लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज करा दिया था। सोनू ठाकुर के परिजन ने वारदात वाले दिन कहा था कि गांव में सोनू नाम के दो युवक हैं। दूसरे सोनू का दूसरे गांव की एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। उसने अपनी प्रेमिका को अपने घर बुलाया था, जिसकी जानकारी के बाद लड़की के परिजन दूसरे सोनू के घर पहुंचे और अपनी बेटी को लेकर चले गए। इसी घटना के बाद सोनू ठाकुर की हत्या कर दी गई। मृतक के परिजन ने आरोप लगाया कि दूसरे सोनू के चक्कर में हमारे बेटे की हत्या कर दी गई। इसके बाद मृतक के परिजन ने दूसरे सोनू, उसकी प्रेमिका, लड़की के मां-बाप के अलावा गांव के कुछ अन्य के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज करा दी थी।

जांच में पता चला- हत्या में दूसरे सोनू और अन्य का कोई हाथ नहीं: SDPO ने बताया कि जब जांच शुरू की गई तो पता चला कि जिनके खिलाफ केस दर्ज कराया गया है, वे सभी निर्दोष हैं। हत्या तो किसी और ने की है। जांच में पता चला कि मारा गया सोनू ठाकुर का बहेरा में रहने वाले उसके फुफेरे भाई अजय ठाकुर की पत्नी से अवैध संबंध था। दोनों के बीच अवैध संबंध तब बना, जब सोनू ठाकुर बहेरा गांव आना-जाना करता था। लेकिन पिछले एक साल से वो चेन्नई के होटल में काम रहा था। SDPO ने बताया कि सोनू ठाकुर और अपनी पत्नी के बीच अवैध संबंध की जानकारी किसी तरह अजय ठाकुर को हुई। अजय ठाकुर ओडिशा में काम करता था। अजय के साथ सिंहपुर गांव का ही रहने वाला युवक छोटू ठाकुर उसके साथ काम करता था।

आरपीएफ और जीआरपी का गया जंक्शन पर फ्लैग मार्च

निज संवाददाता। गया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभावित मधुबनी में आगमन को लेकर सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। इस हमले में देश के 26 पर्यटकों की जान चली गई थी, जिससे पूरे देश में आक्रोश का माहौल है।घटना के विरोध में गया समेत कई शहरों में कैंडल मार्च और प्रदर्शन हो चुके हैं। लोगों की मांग है कि भारत सरकार पाकिस्तान और उसके द्वारा पाले गए आतंकियों पर कड़ा एक्शन ले। पहलगाम जैसी घटनाएं न केवल मानवता को शर्मसार करती हैं, बल्कि देश की अखंडता को भी चुनौती देती हैं। ऐसे माहौल में प्रधानमंत्री का बिहार दौरा सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती बन गया है। इसी क्रम में मंगलवार को गया जंक्शन पर रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और Government Railway Police (GRP) ने संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च किया। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव और जीआरपी थाना अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया।

निगरानी रखने का दिलाया भरोसा: फ्लैग मार्च प्लेटफॉर्मों और यात्री परिक्षेत्र में किया गया, जहां यात्रियों को सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत देने की अपील की गई। अधिकारियों ने यात्रियों को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा सर्वोपरि है और हर स्तर पर निगरानी रखी जा रही है।

नालंदा में संदिग्ध व्यक्ति के पास से हथियार बरामद

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिले के चेरो थाना क्षेत्र में पुलिस ने बुधवार की देर रात सदर एसडीपीओ-2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि खरूआरा हॉल्ट के पास एक संदिग्ध व्यक्ति हथियार के साथ घूम रहा है और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया गया और तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस को देखते ही संदिग्ध व्यक्ति भागने लगा, लेकिन सशस्त्र बल के सहयोग से उसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पूछताछ में गिरफ्तार व्यक्ति ने अपना नाम नीतीश यादव (40 वर्ष), पिता-विश्वनाथ यादव, निवासी ग्राम खरूआरा, थाना-चेरो, जिला-नालंदा बताया। पुलिस ने

बरामद हथियार और गोली के संबंध में विधिसम्मत धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच में जुटी पुलिस: थानाध्यक्ष विकेश कुमार ने बताया कि आरोपी का पूर्व से भी आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस यह पता लगाने में जुट गई है कि वह कहां से हथियार लाया था और क्या करने वाला था। चेरो थाना के थानाध्यक्ष विकेश कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल में सहायक अवर निरीक्षक गंगा प्रसाद, पीटीसी सुबोध कुमार मंडल, सिपाही पिंटू कुमार यादव, सिपाही विनय कुमार और चालक सिपाही विकास कुमार शामिल थे।

टोला सेवक की नौकरी के लिए युवक की हत्या

निज संवाददाता। गया

गया के इमामगंज में बुधवार की देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि टोला सेवक की नौकरी के लिए हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। साथ ही पुरानी रंजिश की भी बात सामने आ रही है। वारदात छकरबंधा थाना क्षेत्र के कचनार गांव की है। फिलहाल, वारदात की जानकारी के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक की पहचान सत्येंद्र सिंह भोक्ता के रूप में की गई है। SDPO अमित कुमार का कहना है कि फिलहाल पीड़ित पक्ष की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस टीम हर एंगल से मामले की जांच कर रहा है। घटनास्थल पर गहनता से छानबीन की जा रही है। साथ ही मृतक के मोबाइल की कॉल डिटेल भी खंगाली जा रही है।

टोला सेवक की भर्ती के लिए वारदात को अंजाम देने की आशंका: जानकारी के अनुसार, कचनार स्कूल में टोला सेवक की भर्ती की जानी थी। जिस गांव के लिए भर्ती निकलती है, टोला सेवक के लिए आवेदक का उसी गांव का होना जरूरी होता है। ऐसे में कचनार गांव की दो महिलाओं ने आवेदन किया था। एक महिला मृतक सत्येंद्र सिंह भोक्ता की भाभी थी, जबकि दूसरी महिला गांव के ही एक युवक की भाभी थी। सत्येंद्र सिंह भोक्ता की भाभी फर्स्ट डिवीजन से पास थी। इस वजह से वह टोला सेवक के लिए मजबूत दावेदार थी। इस बात को लेकर दूसरा पक्ष सत्येन्द्र सिंह भोक्ता पर आवेदन वापस लेने का दबाव बना रहा था, लेकिन सत्येंद्र भोक्ता ने आवेदन वापस लेने से इनकार कर दिया था। इस पर दूसरे पक्ष ने 15 दिन पहले धमकी देते हुए देख लेने की बात कही थी। धमकी के 15 दिन बीतते ही बुधवार की रात सत्येंद्र सिंह भोक्ता की हत्या कर दी।

देर रात किसी रिश्तेदारी ने न्योता से लौटा था सत्येंद्र: बुधवार को सत्येंद्र बाइक से किसी रिश्तेदारी में न्योता में गया था। वहां से करीब 8 बजे रात को घर लौटा। इसके बाद कपड़ा बदलकर वह गांव के युवक को बाइक लौटाने चला गया। इसके बाद से वह लापता हो गया। गांव में छानबीन की गई लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। गुरुवार सुबह गांव के लोगों ने गांव से दूर खेत में सत्येंद्र का शव देखा, जिसके बाद उसके परिजन को इसकी जानकारी दी गई। कहा जा रहा है कि गोली मारने के अलावा सत्येंद्र का गमछे से गला भी घोंटा गया है। उधर, हत्या की वारदात की सूचना के बाद छकरबंधा थाना के थानाध्यक्ष अजय बहादुर दल बल के साथ पहुंचे। एसडीपीओ अमित कुमार भी मौके पर पहुंचे। पुलिस अफसरों ने घटनास्थल का जायजा लिया और शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि इस मामले में अब तक दो लोगों को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल, पीड़ित पक्ष कि ओर से कोई आवेदन नहीं दिया गया है। वहीं दूसरी ओर विशेष सूत्रों का कहना है कि इस हत्या के पीछे नक्सली संगठन का कनेक्शन है। लेकिन इस बात से पुलिस इस बात से इनकार कर रही है।

दामाद के भाई को सुपारी देकर पति की करवाई हत्या

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में संपत्ति के लिए पत्नी ने बेटे के साथ मिलकर अपने पति की हत्या करवा दी। शूटर दामाद का भाई धीरज यादव है। मां-बेटे ने 10,000 रुपए धीरज को सुपारी दी थी। मृतक ऑटो चालक धर्मवीर यादव (40) है। शूटर ने धर्मवीर को 4 गोलियां मारी। सिर, कंधा, पेट और कमर में बुलेट लगी थी। हत्या 27 मार्च को हुई थी। आज गुरुवार को मामले का खुलासा हुआ। हिलसा डीएसपी- 1 के प्रभारी रंजन कुमार ने मामले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 16 साल से पत्नी और पति के बीच विवाद चल रहा था। बेटा चंदन भी अपने पिता की पैतृक संपत्ति हासिल करना चाहता था। उसे लगता था कि पिता की मौत हो जाएगी तो सारी संपत्ति मेरी हो जाएगी। इसी सोच के साथ मां-बेटे ने हत्या की साजिश रची थी। घटना सैदवरही गांव के पास की है।

बेटे को साथ रखना चाहते थे धर्मवीर: डीएसपी ने कहा कि मृतक धर्मवीर चाहते थे कि उनका बेटा चंदन उनके साथ रहे। वे उसे कहते थे तुम मेरे साथ रहो। मेरा जो है वो आने वाले दिन में तुम्हारा ही हो जाएगा। बस तुम्हें मेरे साथ रहना होगा, पर बेटा अपने पिता के साथ नहीं रहना चाहता था। मृतक धर्मवीर अकेले ही रहते थे। हत्या के बाद मृतक के पिता जगेश्वर राय ने 28 मार्च को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई थी।

16 साल पहले पति को छोड़कर मायके चली गई थी पत्नी: जांच में पता चला कि 16 साल पहले पत्नी मनिता देवी अपने बेटे और बेटियों के साथ अपने मायके चली गई थी। तब से वो वहीं रह रही थी। दूसरी तरफ संपत्ति विवाद का मामला हिलसा न्यायालय में लंबित था। 27 मार्च को न्यायालय में तारीख थी। धर्मवीर वहीं से लौट रहे थे। न्यायालय में जाने से पहले मां-बेटे ने साजिश रची हुई थी। दोनों ने लाइनर की भूमिका निभाई और धर्मवीर की हत्या करवा दी। फिलहाल मां और बेटे दोनों फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

♦ संपत्ति हड़पने के लिए मां ने बेटे के साथ रची थी साजिश, शूटर को दिए थे 10,000 रुपए

पुलिस ने शूटर समेत तीन को किया गिरफ्तार: डीएसपी ने बताया कि मामले में पुलिस ने तीन को गिरफ्तार किया है। पहला नालंदा के छबीलापुर थाना क्षेत्र के केसरी बिगहा निवासी स्वर्गीय राजू प्रसाद का बेटा धीरज यादव, जो पटना के मसौढ़ी थाना क्षेत्र में रह रहा था। दूसरा मसौढ़ी निवासी विवेक कुमार और तीसरा सत्य प्रकाश भारती शामिल हैं। विवेक और सत्य प्रकाश धीरज के दोस्त हैं। हत्या में इन दोनों का भी हाथ है। पुलिस ने शूटर के पास से बुलेट बाइक और 3 मोबाइल भी बरामद किया है।

ईंट लोड ट्रैक्टर ने दंपती को मारी टक्कर, जख्मी

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार शरीफ के हृदयस्थली हरदेव चौक के पास गुरुवार की सुबह बाइक सवार दंपती को नशे में धुत ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दंपत्ति जख्मी हो गए। घटना लहेरी थाना क्षेत्र की है। जख्मी दंपत्ति रहुई थाना क्षेत्र के शाहपुर निवासी प्रमोद कुमार और उनकी पत्नी संजू कुमारी है। स्थानीय लोगों की मदद से घायल पति-पत्नी को इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जख्मी दंपति प्रमोद कुमार और संजू कुमारी ने बताया कि ट्रैक्टर चालक काफी तेज गति में था। टर्निंग पर अचानक ट्रैक्टर आ गया और बिना ब्रेक लगाए ही टक्कर मारते हुए भागने लगा। दोनों पति-पत्नी भी ट्रैक्टर में फंस गए और करीब 100 मीटर दूर

जाकर दीवार से ट्रैक्टर टकरा गई। इस हादसे में दोनों जख्मी हो गए। संजू कुमारी ने बताया कि वह सिलाव प्रखंड के गोरमा स्कूल में सरकारी शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। वह अपने पति के साथ बाइक पर सवार होकर बिहार शरीफ बस पकड़ने के लिए आ रही थी।

युवक ने ट्रैक्टर चालक को दौड़कर पकड़ा: फिजिकल ट्रेनिंग ले रहे युवक दौड़कर मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर चालक को पकड़ लिया। इसके उपरांत डायल 112 पुलिस एवं स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची डायल 112 की पुलिस एवं लहेरी थाना की पुलिस ने नशे में धुत्त ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लेकर थाने चली गई और गाड़ी को भी जब्त कर लिया। इस मामले में लहेरी थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि ट्रैक्टर चालक के नशे में होने की ब्रेथ एनालाइजर से पुष्टि हुई है। ट्रैक्टर पर ईंट लोड है। चालक राजगीर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

♦ जख्मी बोले- 100 मीटर तक घसीटा, नशे की हालत में कर रहा था ड्राइव, ट्रैक्टर जब्त

नालंदा जिले में सड़कों पर 25% सूखे पेड़ों का अंबार

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा जिले में सड़कों के किनारे स्थित सूखे पेड़ स्थानीय निवासियों और यात्रियों के लिए गंभीर खतरा बन गया है। प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी के कारण इस समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है, जिससे बड़े हादसे की आशंका प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। विशेष रूप से एनएच 20 के 17 नंबर मोड़ से लेकर नूरसराय बाजार तक का क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित है। इस महत्वपूर्ण मार्ग पर प्रतिदिन हजारों वाहन बिहार शरीफ और नूरसराय की ओर आवागमन करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकारियों की गाड़ियां भी इन मार्गों से गुजरती हैं, परंतु कोई भी इन सूखे पेड़ों को हटाने की पहल नहीं कर रहा है।

6 किलोमीटर में 30 से अधिक सूखे पेड़: हमारी पड़ताल में पता चला है कि 17 नंबर मोड़ से नूरसराय बाजार तक लगभग 6 किलोमीटर के इस मार्ग पर ढाई दर्जन से अधिक अर्थात 30 से ज्यादा बड़े पेड़ सूखे हुए हैं। ये सूखे पेड़ कभी भी आम नागरिकों पर गिर सकते हैं, जिससे जनजीवन को खतरा है।

स्थानीय लोगों के बीच हमेशा बनी रहती है चिंता: स्थानीय कारोबारी विशाल कुमार ने बातचीत में कहा कि प्रशासन को इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लेना चाहिए। हम रोज इस मार्ग से गुजरते हैं और हर समय डर लगा रहता है कि कब कोई पेड़ गिर जाए। स्थानीय निवासी सत्येंद्र प्रसाद यादव ने बताया की ग्रामीण इलाकों से आने वाले लोग अक्सर अपने मवेशियों को चराने के लिए सड़क किनारे जाते हैं। सूखे पेड़ों के कारण उनके जीवन को भी खतरा है। कई बार चलती गाड़ियों पर पेड़

♦ स्थानीय बोले- हमेशा खतरा का रहता है डर, प्रशासन का ध्यान नहीं, छुट्टी पर हैं एसडीओ

की सूखी टहनियां टूट कर गिर चुकी हैं।

सूखे पेड़ की वजह से पहले भी हो चुकी दुर्घटनाएं: यह पहली बार नहीं है जब सूखे पेड़ों के कारण हादसा हुआ हो। पिछले वर्ष 2 अगस्त को नगर थाना क्षेत्र के हॉस्पिटल मोड़ के पास एक ताड़ का पेड़ अचानक बाइक सवार पर गिर गया था, जिससे दो युवकों की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। इसके अलावा, इसी वर्ष 10 अप्रैल को आई तेज आंधी और बारिश में कई पेड़ जड़ से उखड़ गए थे, जिसके कारण दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

डिप्टी कलेक्टर बोले- SDO छुट्टी पर हैं: इस मामले में जब सदर एसडीओ से संपर्क किया गया तो प्रभार में रहें डिप्टी कलेक्टर रंजीत कुमार ने बताया कि एसडीओ सर छुट्टी पर हैं। इस प्रकार की नितिगत निर्णय उन्हीं के द्वारा लिया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई करेंगे। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे आश्वासन पहले भी मिलते रहे हैं, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग में फंसे संजीव हंस और गुलाब पर स्पेशल कोर्ट ने लिया संज्ञान

30 अप्रैल को सुनवाई

पटना, एजेंसी। पीएमएलए की विशेष अदालत ने बुधवार को करोड़ो रुपए के धनशोधन मामले में आरोपी निलंबित आईएएस संजीव हंस और पूर्व विधायक गुलाब यादव समेत 33 आरोपियों और कंपनियों पर धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत संज्ञान लिया है। इसमें दस कंपनियां भी शामिल हैं। अदालत द्वारा ईडी की चार्जशीट पर लिए गए संज्ञान के बाद अब जल्द ही इस मामले की सुनवाई शुरू होगी। इस मामले की अगली सुनवाई 30 अप्रैल को विशेष अदालत में होगी। करोड़ों रुपए के धनशोधन मामले में ईडी ने आईएएस संजीव हंस और पूर्व विधायक गुलाब यादव समेत 23 आरोपी और दस कंपनियों के खिलाफ विशेष अदालत में चार्जशीट दायर किया था। दोनों मामले में ईडी ने संजीव हंस, पूर्व विधायक गुलाब यादव, विपुल बंसल, प्रवीण कुमार, उत्तम कुमार डागा, शदाब खान, प्रदीप कुमार, कमलाकांत गुप्ता समेत समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत संज्ञान लिया है। इसके अलावे विशेष अदालत ने इस मामले में शामिल दस कंपनियों पर संज्ञान लिया है।

ईडी ने दो मामले दर्ज किए हैं

करोड़ों रुपए के धनशोधन मामले में ईडी ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए है। ईडी ने अपने जांच में पाया था कि आरोपी आईएएस संजीव हंस जब उर्जा विभाग के प्रधान सचिव और मेसर्स बीएसपीएचसीएल के सीएमडी थे, तभी अपने पद का जमकर दुरुपयोग किया। आरोप है कि इस दौरान ठेकेदार और कंपनी के माध्यम से करोड़ो रुपए आय से अधिक अर्जित की गई। वर्ष 2022 -2023 में 997 करोड़ और 2850 करोड़ का राज्य में उपभोक्ताओं के लिए 33 लाख स्मार्ट मीटर धूत इंफ्रास्टक्चर कंपनी को ठेका दिया था। इसके अलावा उर्जा विभाग से कई कंपनियों को करोड़ो रुपए का काम दिया गया था। जिसके एवज में कंपनियों से निजी लाभ लिया गया।

हंस की पत्नी की कंपनी के नाम सीएनजी स्टेशन

ईडी की जांच में यह भी बात आयी कि आईएएस संजीव हंस की पत्नी मोना हंस एक कंपनी की मालिक हैं। इसी कंपनी के नाम पर सीएनजी स्टेशन चलता है। इस कंपनी के खाता में पूर्व विधायक गुलाब यादव ने लाखों रुपए जमा किए थे। संजीव हंस की पत्नी और गुलाब यादव संयुक्त संयुक्त रूप से इस कंपनी का संचालन करते हैं। ईडी ने दिल्ली, पुणा, कोलकाता, पटना समेत कई ठिकानो पर छापामारी की थी। जिसमें करोड़ रुपए की चल-अलच संपत्ति के दस्तावेज मिले थे। ईडी धनशोधन एक्ट के तहत मुकदमा संख्या इसीआइ 04 / 2024 दर्ज कर जांच कर रही है। वहीं, अदालत में यह मामला पीएमएलए वाद संख्या 10/2024 और विशेष वाद संख्या 5 /2025 के रूप में दर्ज है।

नीतीश के मंत्री पर फूटा वक्फ कानून का गुस्सा, जमा खान के काफिले पर हमला

10 पर नामजद एफआईआर

भभुआ, एजेंसी। बिहार के भभुआ शहर के एकता चौके पास बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. जमा खां के काफिला पर हमला कर गाड़ी का झंडा खींचने वाले दस नामजद सहित कई अज्ञात लोगों के खिलाफ नगर थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उक्त मामले में नगर थाना के परिक्ष्यमान पुलिस अवर निरीक्षक प्रदीप कुमार के बयान पर मुकदमा दर्ज किया गया है। दर्ज कराए गए मुकदमा में कहा गया है कि वक्फ संशोधन बिल के विरुद्ध शहर में निकाले गए जुलूस का वह स्कॉट कर रहे थे। दोपहर करीब डेढ़ बजे एकता चौक से जुलूस गुजर रहा था। इसी दौरान अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. जमा खां का काफिला गुजर रहा था। जुलूस में शामिल लोगों द्वारा मंत्री मुर्दाबाद का नारा लगाया गया। उनके काफिला को रोकने का प्रयास किया जाने लगा। भीड़ में से एक व्यक्ति द्वारा गाड़ी में लगे झंडा को खींच लिया गया। उक्त बातों की जानकारी वीडियो के माध्यम से मिली।

जुलूस के लाइसेंसधारी दुर्गावती थाना क्षेत्र के छाता गांव निवासी मो. हनीफ खान, मोकरी के परवेज अंसारी, भभुआ वार्ड 10 के जाकिर हुसैन, भभुआ वार्ड नौ के मो. इमामुद्दीन, चैनपुर वार्ड 13 के बिउर निवासी एसएफ सिद्दीकी, भभुआ वार्ड 24 के मो. साहिल खान, मोहनियां के अधिवक्ता सुरेश प्रसाद, भभुआ वार्ड 22 के मो. एजाज अंसारी, पलका के सैफ अली व मोकरी के इम्तेयाज अंसारी एवं कुछ अज्ञात लोगों द्वारा लाइसेंस शर्तो का उल्लंघन किया गया। आवेदन में लिखा गया है कि सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न किया गया। मंत्री के काफिला पर हमला किया गया, जो संज्ञेय अपराध हैं।

पुलिस अफसर के आवदेन पर नगर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने दस नामजद सहित अन्य अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से कहा गया है कि मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। घटना के पीछे साजिश करने वालों को भी नहीं छोड़ा जाएगा

मिट्टी लेने गई 5 बच्चियां डूबीं, 3 की मौत

सीतामढ़ी में पोखर के पास गई थी सभी, गोताखोर ने लाशों को निकाला

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी में बुधवार को तीन लड़कियों की मौत हो गई। दो की जान बचाई गई है। घटना जिले के बाजपट्टी थाना क्षेत्र के पचड़ा निमाही पंचायत के कंचन पुर वार्ड नंबर-11की है। लड़कियां बुधवार को करीब 3.30 बजे गांव के पोखर से मिट्टी लाने के लिए घर से निकली। मिट्टी लाने के लिए दो अन्य लड़कियां भी उसके साथ गई। इसी दौरान गांव निवासी रविंद्र राय की 8 साल की बेटी मृतका नंदिनी कुमारी का पैर फिसल गया। वह गहरे पानी में चली गई। इसी दौरान एक-एक कर एक दूसरे को बचाने के चक्कर में पांच बच्चियां पोखर में डूब गई। दो लड़कियां किसी तरह जान बचाकर बाहर निकल गई। तीन बच्चियों का डूबकर जान चली गई।

गोताखोर के सहयोग से लाश को निकाला

घटना की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को लगी, ग्रामीण मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोर के सहयोग से तीनों लाश को बाहर निकाला। ग्रामीण ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर बाजपट्टी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया है।

घटना के बाद से इलाके में कोहराम मचा हुआ है। एक साथ एक गांव से तीन बच्ची की मौत ने सब को झकझोर कर रख दिया है। मृतकों की पहचान आरती कुमारी (13), पिता उमा राय, नंदिनी कुमारी (8), पिता रविन्द्र राय, सुधा कुमारी (9), पिता मिथुन राय, के रूप में की गई है। दो अन्य जख्मियों में ऋतु और प्रियांशी कुमारी शामिल है। घटना के संबंध थाना की पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों के सूचना पर घटनास्थल पहुंच मामले की जांच की गई है।

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दारोगा पंकज कुमार ने कहा कि 5 बच्ची मिट्टी लेने के लिए गई थी। जिसमें 3 की मौत हो गई है। एक को बचाने के लिए सभी डूब गई। आगे शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बहूभोज में विवाद के बाद 5 लाख के जेवर लूटे : सीवान में बदमाशों ने की हवाई फायरिंग

सीवान, एजेंसी। सीवान के जीबी नगर थाना क्षेत्र के कर्णपुरा गांव में बुधवार को बदमाशों ने लूटपाट की। करीब दो दर्जन बदमाशों ने राहुल कुमार साह के घर में घुसकर 5 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात लूट लिए। बदमाशों ने आठ राउंड फायरिंग कर पूरे गांव में दहशत फैला दी। घटना के दौरान बदमाशों ने घर के बाहर रखी दो बाइक, टेंट का सामान और कुर्सियां भी तोड़ दीं। बदमाश हथियार लहराते हुए फिल्मी अंदाज में फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही जीबी नगर थाना, गोरियाकोठी थाना, महाराजगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीपीओ महाराजगंज और एसडीपीओ सदर सीवान भी जांच में जुट गए।

8 महीने में दूसरी बार बैंक मैनेजर के घर चोरी :

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र के पंडितपुर गांव में PNB कुशीनगर के ब्रांच मैनेजर नारायण प्रसाद के घर चोरी हुई है। यह आठ महीने में दूसरी बार है जब उनके घर को चोरों ने निशाना बनाया है। नारायण प्रसाद की मां लक्ष्मी देवी गोपालगंज में अपने बड़े बेटे के पास गई थीं। इसी दौरान ग्रामीणों ने फोन कर चोरी की सूचना दी। घर पहुंचने पर सारा सामान बिखरा मिला। डायल 112 पर सूचना देने के बाद पुलिस आई और जांच कर चली गई। लक्ष्मी देवी ने बताया कि इस बार चोर करीब 5 लाख रुपए के गहने और 70 हजार रुपए कैश लेकर गए। पिछली बार चोरी 26 सितंबर 2024 को हुई थी। तब ज्यादा नुकसान नहीं हुआ था, लेकिन पहली चोरी के अपराधियों को पुलिस अभी तक पकड़ नहीं पाई है।

ग्रामीणों में पुलिस की कार्यशैली के खिलाफ नाराजगी : पकड़ीदयाल थानाध्यक्ष राजीव रंजन ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच चल रही है और जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा। हालांकि ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस चोरी की घटनाओं पर काबू पाने में नाकाम है।

पहलगाम हमले के बाद ऐक्शन

महावीर मंदिर, बुद्धा स्मृति और इको पार्क, पटना में हर जगह कड़ी सुरक्षा

पटना, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पटना की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों के अलावा पर्यटकों की भीड़ वाले स्थानों पर पुलिस को अलर्ट रहने को कहा गया है। एसएसपी अवकाश कुमार ने सभी जगहों की सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करने के निर्देश दिये हैं। एएसपी व डीएसपी रैंक के अधिकारी इन जगहों पर जाकर सुरक्षा व्यवस्था की जांच कर उसकी रिपोर्ट पुलिस कप्तान को देंगे। जहां जरूरत होगी वहां अधिक जवानों की तैनाती होगी। पटना जंक्शन स्थित हनुमान मंदिर, बुद्धा स्मृति पार्क, तख्त श्री हरमंदिर साहिब जी, ईको पार्क समेत अन्य स्थानों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता बरती जा रही है।

पुलिस के कमांडो भी तैनात होंगे

पटना पुलिस के कमांडो ट्रेनिंग वाले जवानों को भी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया जाएगा। वहीं, सभी थानेदारों को रात में भी पुलिस को गश्त करते समय संदिग्धों पर नजर रखने के निर्देश दिये गए हैं। लॉज और होटलों में भी जांच की जा रही है। किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि मिलने पर वरीय अधिकारियों को सूचना देने के लिए कहा गया है।

देर शाम वाहनों की सघन जांच

बुधवार की शाम पटना के सभी थाना इलाकों में वाहनों की सघन जांच की गई। इस दौरान सभी सिटी एसपी, डीएसपी और थानेदार भी राजधानी की सड़कों पर मौजूद थे। आयकर गोलंबर, डाकबंगला चौराहा, जेपी गंगा पथ, नेहरू पथ, एनआईटी मोड़, कंकड़बाग, करबिगहिया जैसे इलाकों में वाहनों की सघन जांच की जा रही थी।

बांका का टॉप 10 अपराधी मो. तसलीम गिरफ्तार: 25 हजार रुपए का था इनाम

दिल्ली से लौटने के दौरान भागलपुर-बांका मेन रोड से पुलिस ने दबोचा

बांका, एजेंसी। बांका पुलिस ने जिले के टॉप 10 अपराधियों में शामिल मो. तसलीम को गिरफ्तार किया है। वह अमरपुर शहर के वार्ड नंबर 5 का निवासी है। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम, घोषित था। तसलीम लंबे समय से फरार था। वह मिथुन यादव गिरोह का सदस्य है। उसके खिलाफ अमरपुर थाना में तीन केस दर्ज हैं। इनमें रंगदारी, डकैती और अवैध हथियार रखने के मामले शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधी पुलिस मुख्यालय के श्रेणी 4 के कुख्यात अपराधी में शामिल था। इसके अलावा एक वांछित अभियुक्त अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया गया। बांका पुलिस और STF टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। DSP विपिन बिहारी ने इसकी जानकारी दी है।

DSP विपिन बिहारी ने बताया कि तसलीम वर्ष 2020 और 2021 में इस क्षेत्र का कुख्यात अपराधी था। वह पुलिस मुख्यालय की श्रेणी चार की सूची में शामिल है। उसके खिलाफ वर्ष 2020 में एक और 2021 में दो मामले दर्ज हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि वह दिल्ली से अमरपुर आ रहा है। एसपी अनंतनाथ वर्मा के निर्देश-एसटीएफ और पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाई गई। अमरपुर थानांतर्गत भागलपुर से बांका जाने वाली मुख्य सड़क पर उसे गिरफ्तार किया गया।

आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज हुआ था केस

इसके अलावा पुलिस ने सजौर थाना क्षेत्र के रविचक रतनगंज निवासी अभिषेक कुमार को भी पकड़ा है। उसके खिलाफ वर्ष 2024 में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ था। एसडीपीओ ने तसलीम की गिरफ्तारी को पुलिस की बड़ी सफलता बताया। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बांका विपिन बिहारी, अमरपुर थाना अध्यक्ष पंकज कुमार झा, पुलिस अवर निरीक्षक राहुल कुमार, विक्की कुमार और स्‌ञस्र की विशेष टीम शामिल थी।

एक की मौत का बदला 100 आतंकियों से लेना चाहिए: सांसद देवेश चंद ठाकुर

बोले- निहत्थे सैलानियों की हत्या, सुरक्षा एजेंसी की चूक

सीतामढ़ी, एजेंसी। कश्मीर में हुए आतंकी हमले पर सीतामढ़ी के सांसद देवेश चंद ठाकुर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सरकार से निहत्थे लोगों की हत्या करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सांसद ने कहा कि एक भारतीय की मौत का बदला 100 आतंकियों से लिया जाना चाहिए। उन्होंने इस घटना को अमानवीय बताते हुए कहा कि आतंकियों ने धर्म पूछकर निहत्थे सैलानियों की हत्या की। यह घटना किसी भी तरह से बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। खुफिया विभाग पर सवाल उठाते हुए ठाकुर ने कहा कि यह उनकी बड़ी चूक है। आतंकी सरहद पार से आए और इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दे गए। उन्होंने इस मामले की पूरी जांच की मांग की है। सांसद ने कहा कि भारतीय शांतिप्रिय लोग हैं। लेकिन आतंकवादियों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने सरकार से जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि इस हमले में शामिल सभी आतंकियों को मार गिराया जाए। तभी मृतकों के परिवारों को न्याय मिलेगा।

आतंकवादी को चुन-चुन कर मारे

सांसद ने कहा कि आतंकवादियों ने ऐसी घटना को अंजाम दिया गया है। वैसे आतंकवादियों को चुन-चुन कर मारना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे देश का खून खौल रहा है। उन्होंने खुफिया विभाग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कहीं ना कहीं खुफिया विभाग की भी बड़ी चूक है। वह लोग सरहद पार करके आए हैं और ऐसी घटना को अंजाम दिए। इसलिए इस घटना की पूरी जांच होनी चाहिए। यह लोग भरोसे के नहीं है। इन लोग से अपेक्षा नहीं किया जा सकता कि इस तरीके के घिनौने काम को वह लोग बंद करेंगे। इस लिए सरकार से जल्द से जल्द बदला ले। जो भी आतंकी इसमें संलिप्त हैं उन्हें मार गिराया जाए। तभी समझेंगे कि हमारे देश के लोगों और मृतकों के परिवार का बदला लिया गया है। ऐसी घटना क्यों हुई क्यों निहत्थे लोगों को मारा गया। इसकी पूरी तरीके से सत्यता के साथ जांच होनी चाहिए। आम नागरिकों के साथ सैलानियों के साथ इस तरीके की घटना को अंजाम दिया गया है।

बिहार के 4 जिलों में लू का येलो अलर्ट, गर्मी से राहत 27 से मिलेगी

पटना, एजेंसी। बिहार के चार जिला गुरुवार को लू की चपेट में रहेंगे। वहीं दक्षिण बिहार के साथ ही उत्तर-मध्य भाग के जिलों में भीषण गर्मी जारी रहेगी। 26 अप्रैल को पांच जिलों में मेघगर्जन, वज्रपात और आंधी की चेतावनी है। इसकी गतिविधि में बढ़ोतरी होने से 27 अप्रैल से एक बार फिर गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। वहीं बुधवार को पछुआ में नमी नहीं रहने के कारण राज्य के सर्वाधिक अधिकतम तापमान में 0.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई।

वहीं लोगों को वास्तविक तापमान का एहसास हुआ। 42.3 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म शहर लगातार दूसरे दिन गया रहा। मौसम विभाग ने गुरुवार को पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर और गोपालगंज जिले में लू चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं अगले दो दिनों के दौरान प्रदेश के अधिकतम तापमान में 1 से 3 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने के आसार हैं। न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। 26 अप्रैल को किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, सुपौल और कटिहार जिलों के कुछ स्थानों पर मेघगर्जन और वज्रपात के साथ तेज हवा चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे रहने का पूर्वानुमान है।पटना सहित राज्य के 14 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार रहा। इस दौरान मंगलवार के मुकाबले बुधवार को राज्य के सर्वाधिक अधिकतम तापमान में 0.5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। वहीं प्रदेश का सबसे गर्म शहर 42.3 डिग्री के साथ गया रहा। तो सबसे ठंडा शहर 21.3 डिग्री के साथ सीवान का जीरादेई रहा। इस दौरान राज्य का अधिकतम तापमान 35 से 42.3 और न्यूनतम तापमान 21.3 से 28.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया गया।

न्यायिक अधिकारी के खाना में मिला कीड़ा: औरंगाबाद में केटरिंग एजेंसी पर होगी कार्रवाई

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद के दानी बिगहा स्थित सर्किट हाउस में एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां ठहरे एक न्यायिक पदाधिकारी के भोजन में कीड़ा मिला। इस घटना से सर्किट हाउस में हड़कंप मच गया। न्यायिक पदाधिकारी ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने भोजन को जब्त कर थाने ले गए। वर्तमान में सर्किट हाउस में लगभग सात न्यायिक पदाधिकारी ठहरे हुए हैं। यह सभी हाल ही में हुए स्थानांतरण के बाद यहां आए हैं। इस घटना के बाद सर्किट हाउस में खाना प्रदान करने वाली केटरिंग एजेंसी पर कार्रवाई तय है।

न्यायिक पदाधिकारी ने की लिखित शिकायत

न्यायिक पदाधिकारी ने इस संबंध में पुलिस को लिखित शिकायत दी है। हालांकि, अभी तक उनकी ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। यह घटना पूरे शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध रिवॉल्वर व 20 कारतूस के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

आरा। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर हथियार और कारतूस के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उदवंतनगर थाना के थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव और पुलिस बल ने छापेमारी कर नॉलेश राय को पियनिया गांव से और ब्रजराज राय को बहोरनपुर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक अवैध रिवाल्वर, 20 कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किया है। एसपी राज ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ एफआईआर उदवंतनगर थाना में दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में नॉलेश राय है। वह सुरुंगापुर थाना संदेश का रहने वाला है। दूसरा आरोपी ब्रजराज राय है। वह पुरुषोत्तमपुर, थाना बहोरनपुर का निवासी है।

चोरी के दो मोबाइल के साथ उचक्का गिरफ्तार

बक्सर। बक्सर स्टेशन पर आरपीएफ ने ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत रेलयात्रियों का मोबाइल चुराकर भाग रहे उचक्के को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बदमाश के पास से चोरी के दो मोबाइल बरामद किए गए हैं। आरपीएफ अधिकारी ने पूछताछ के बाद उचक्के को कार्रवाई के लिए जीआरपी को सौंप दिया। जीआरपी ने मामले में एफआईआर दर्ज कर मोबाइल चोर को जेल भेज दिया। आरपीएफ इंस्पेक्टर कुंदन कुमार ने बताया कि वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त प्रकाश कुमार पंडा के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत टीम प्लेटफॉर्म नंबर दो पर गश्त कर रही थी। गश्ती के दौरान एक युवक को संदिग्ध रूप से देखा गया। गश्ती टीम ने युवक को पकड़कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से चोरी के दो मोबाइल बरामद हुए। आरपीएफ द्वारा पूछताछ में युवक ने बताया कि मोबाइल रेल यात्रियों का चुराया है। पकड़ा गया युवक ब्रह्मपुर का रहने वाला राहुल चौहान है। गिरफ्तारी टीम में आरपीएफ के विजेन्द्र मुवाल, सर्वेश यादव और धीरेन्द्र कुमार थे। युवक से पूछताछ के बाद कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी को सौंप दिया गया। जीआरपी ने मामले में एफआईआर दर्ज कर युवक को जेल भेज दिया।

रोको-टोको अभियान में 18 बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा

बक्सर। जिले में अलग-अलग इलाकों से पिछले 24 घंटे में कुल 18 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार दुष्कर्म कांड में 2, आर्म्स एक्ट में एक, शराब के सेवन में 11, शराब बरामदगी में 2, वारंट में 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। वहीं पुलिस के द्वारा जगह-जगह वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया गया। इसमें 1 लाख 27 हजार 500 रुपए जुर्माना वसूला गया। पुलिस ने पिछले 24 घंटे में 40 वारंट, 45 वारंट का निष्पादन किया गया। बता दें कि एसपी शुभम आर्य के निर्देश पर जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विभिन्न इलाकों में दिन रात सघन वाहन चेकिंग अभियान व अपराधियों के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच अभियुक्तों और वारंटियों को पकड़ने के लिए कड़े कदम उठाए गये हैं। उन्हें पकड़ने के लिए गांवों में भी छापेमारी की जा रही है। वहां रहनेवाले और आसपास के लोगों से जानकारी ली जा रही है।

30 तक भराएगा स्नातक सेमेस्टर 4 का परीक्षा फॉर्म

बक्सर। जिले में स्नातक सत्र 2023-27 के सेमेस्टर 4 का परीक्षा फॉर्म भरा जा रहा है। स्नातक सेमेस्टर 4 सत्र 2023-27 की परीक्षा को लेकर ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि जारी हो गई है। बिना विलंब शुल्क के साथ छात्र 30 अप्रैल तक फॉर्म भरेंगे। इसके लिए पोर्टल खोल दिया गया है। स्नातक सत्र 2023-27 के सेमेस्टर 4 का परीक्षा फॉर्म 23 अप्रैल से भराया जा रहा है। स्नातक 4 वर्षीय पाठ्यक्रम के सेमेस्टर 2 और सेमेस्टर 4 की परीक्षा की तैयारी शुरू है। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि सेमेस्टर 2 के छात्र विषय चयन और परिवर्तन एडमिट कार्ड जारी होने से पहले हर हाल में करा ले, क्योंकि एडमिट कार्ड जारी होने पर कोई परिवर्तन नहीं होगा। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि 24 से 30 अप्रैल तक सेमेस्टर 2 का प्रैक्टिकल और पोर्टल पर आंतरिक परीक्षा का अंक अपलोड करने का निर्देश कॉलेजों को दिया गया है।

चमकी बुखार को लेकर जिले में अलर्ट

आरा। भोजपुर जिले में चमकी बुखार का नया मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। 7 अप्रैल 2025 को संदेश प्रखंड के कंधारपुर गांव में एक बच्चा चमकी बुखार से पीड़ित मिला। मरीज की पुष्टि के बाद गांव के 50 मीटर के दायरे में दवा का छिड़काव कराया गया। मार्च में भी एक मरीज मिला था। इस साल अब तक दो मरीज मिल चुके हैं। पिछले साल जिले में चार मरीज मिले थे। चमकी बुखार को लेकर सदर अस्पताल और जगदीशपुर अनुमंडलीय अस्पताल में अब विशेष वार्ड बनाए गए हैं। सदर अस्पताल के एसएनसीयू में 10 बेड और अनुमंडलीय अस्पताल में 5 बेड की व्यवस्था की गई है। दोनों वार्डों में सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सभी प्रखंडों में टास्क फोर्स के तहत आयुष चिकित्सक, चिकित्सा पदाधिकारी, सीएचओ, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देना शुरू किया है। अब तक 6 प्रखंडों में प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। बाकी 8 प्रखंडों में प्रक्रिया जारी है। प्रशिक्षित कर्मी गांव-गांव जाकर लोगों को सजग रहने और बचाव के उपायों की जानकारी दे रहे हैं। प्रशिक्षण में चमकी बुखार के लक्षण, प्राथमिक उपचार, संदिग्ध मरीज की पहचान और बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। आशा कार्यकर्ताओं सहित कई स्वास्थ्य पदाधिकारी इसमें भाग ले रहे हैं। बचाओ के लिए गांव में गांव में भेजी जा रही टीमः एसीएमओ जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी सह एसीएमओ डॉ. संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि इस बीमारी को लेकर जिला पूरी तरह सजग है। गांवों में टीम भेजी जा रही है। दवा का छिड़काव हो रहा है। आशा, एएनएम और स्वास्थ्यकर्मियों को जरूरी जानकारी दी जा रही है। हमारा लक्ष्य है कि अब एक भी बच्चा इस बीमारी का शिकार नहीं हो। डॉ. सिन्हा ने कहा कि यह बीमारी दो तरह की होती है। एक जिसका कारण मालूम होता है और दूसरी जिसका कारण नहीं पता चलता। लोग अक्सर इसे भूत-प्रेत या टोना-टोटका मानकर ओझा-गुनी के पास चले जाते हैं। इससे बीमारी बढ़ जाती है। ऐसे लक्षण दिखें तो सीधे स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच कराएं। जापानी इंसेफेलाइटिस का टीका जरूर लगवाएं। जिला विक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी ने कहा कि 0 से 15 वर्ष तक के जिन बच्चों को अब तक जापानी इंसेफेलाइटिस का टीका नहीं लगा है, वे स्वास्थ्य केंद्र जाकर टीका जरूर लगवाएं। जन जागरूकता फैलाए : डीडीसी डीडीसी डॉ. अनुपमा सिंह ने हाल ही में जिला टास्क फोर्स की बैठक में सभी अस्पतालों में विशेष व्यवस्था करने और गांव-गांव निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को सतर्क रहने और जनजागरूकता फैलाने को कहा है।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए मनीष की डुमरांव में हुई थी शादी

डुमरांव। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी मनीष रंजन की जान जाने से डुमरांव नगर भी शोक में डूब गया। मनीष डुमरांव के चौक रोड स्थित बिछलहरिया गली में रहनेवाले जयशंकर मिश्र के दामाद थे। मूल रूप से रोहतास जिले के अरूही गांव निवासी मनीष इन दिनों हैदराबाद में आईबी अधिकारी के पद पर तैनात थे। वह पत्नी जया देवी और दो बच्चों के साथ एलटीसी के तहत कश्मीर भ्रमण पर गए थे। शनिवार को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में आतंकियों ने मनीष से पहचान पूछने के बाद पत्नी के सामने ही उन्हें गोलियों से भून डाला। इस दर्दनाक मंजर को देखकर पत्नी जया देवी गहरे सदमे में चली गई हैं और उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। बताया जाता है कि मनीष रांची में भी आईबी की सेवा दे चुके थे। उनके पिता मंगलेश मिश्रा हैं। ससुराल पक्ष सहित पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। डुमरांव स्थित उनके ससुराल में शोकसंतप्त परिजनों को सांत्वना देने वालों की भीड़ लगातार उमड़ रही है। घटना से आक्रोशित लोगों ने केंद्र सरकार से आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। नगरवासियों का कहना है कि अब समय आ गया है कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कदम उठाए जाएं। डुमरांव नगर के लोग शहीद मनीष रंजन की शहादत को सलाम करते हुए उन्हें अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

बसपा केंद्रीय प्रभारी ने परिजनों से की मुलाकात

♦ भोजपुर में गोलीकांड को लेकर उच्चस्तरीय जांच की मांग, कहा- हत्या नहीं, नरसंहार हुआ है

निज संवाददाता। आरा

बहुजन समाज पार्टी के केंद्रीय प्रभारी अनिल कुमार ने आरा में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। जहां उन्होंने भोजपुर समेत पूरे बिहार में बढ़ रहे अपराध को लेकर कड़ी निंदा की है। भोजपुर के गड़हनी थाना क्षेत्र अंतर्गत लहरपा गांव हुए गोलीकांड की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। इसके साथ ही कहा कि प्रशासन घटना में शामिल मुख्य अभियुक्त की जल्द से जल्द गिरफ्तारी कर स्पीडी ट्रायल चलाकर सजा दिलाने का काम करें। उन्होंने कहा कि लहरपा गांव में हत्या नहीं, नरसंहार हुआ है। पुलिस प्रशासन अपने काम में लापरवाही दिखा रही है। पीड़ित परिवार के घर पर अभी तक थानाध्यक्ष की कोई उपस्थिति नहीं हुई है साथ ही साथ पीड़ित परिवार को किसी तरह की कोई सुरक्षा नहीं दी जा रही है। वहीं जिनके खिलाफ सनहा दिया गया है उसके परिवार को पुलिस सुरक्षा मुहैया करवा रही है। बसपा नेता ने कहा कि पीड़ित परिवारों को किसी तरह का आर्थिक मुआवजा नहीं दिया गया है जिससे उनका परिवार आगे का जीवन यापन कर सके। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि थाना प्रभारी की कार्यशैली संदेहास्पद है। उसे अविलंब निलंबित कर जल्द से जल्द मामले में कार्रवाई हो, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

पहले भी सरकार पर किया था तीखा हमलाः इससे पहले उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस कर सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इस घटना को नरसंहार की संज्ञा देते हुए कहा कि यह सिर्फ जाम के नाम पर नहीं, बल्कि एक खास वर्ग को निशाना बनाकर की गई सोची-समझी साजिश है। इस गोलीबारी में 7-8 लोगों को गोली मारी गई, जो लोकतंत्र और कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। अनिल कुमार ने कहा कि बिहार में शोषित, वंचित, दलित, पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग को दबाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की सत्ता पर माफिया, सामंतवादी और मनुवादी ताकतों का कब्जा हो गया है और डबल इंजन की सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिन परिवारों ने इस हिंसा में अपने लोगों को खोया है, उनका जीवन यापन कैसे चलेगा? उन्होंने मांग की कि सरकार तत्काल पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद दे और दोषियों की पहचान कर उन्हें कड़ी सजा दे।

जंगलराज से बचाकर महाजंगलराज में धकेल चुके हैंः अनिल कुमार ने कहा कि "जंगलराज से जिन लोगों ने हमें बचाने की बात कही थी, वही अब बिहार को महाजंगलराज में धकेल चुके हैं।" उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शासन और प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई तो बहुजन समाज पार्टी बहन मायावती के निर्देश पर राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ेगी।

तेज रफ्तार ट्रक ने मारी टक्कर, 1 की मौत

निज संवाददाता। आरा

बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर जिले के इमादपुर थाना क्षेत्र के सहियारा बरेली मोड़ के समीप बुधवार को अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार किराना दुकानदार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई। इलाज के लिए पीरो पीएचसी ले जाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। वही घटना के बाद चालक ट्रक छोड़ मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस उक्त ट्रक को जब्त कर लिया है। मृतक इमादपुर थाना क्षेत्र के मोआप खुर्द वार्ड नंबर तीन निवासी नवलाख साह के 42 वर्षीय पुत्र राजकुमार गुप्ता है। वह गांव में ही किराना दुकान चलाता था।

किराना का सामान लाने जाने के दौरान हुआ हादसाः मृतक के छोटे भाई विकाश कुमार ने बताया कि वह बाइक से मोपती बाजार किराना का सामान लाने जा रहे थे। उसी दौरान सहियारा-बेरई मोड़ के समीप अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए पीरो पीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजन द्वारा इसकी सूचना इमादपुर थाना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई व एक बहन में बड़े थे। उनके परिवार में मां चिंता देवी, पत्नी चंचल देवी व एक पुत्र अमरजीत एवं एक पुत्री सलोनी कुमारी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की मां चिंता देवी, पत्नी चंचल देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भोजपुर में ट्रक चालक की पीट-पीटकर हत्या

निज संवाददाता। आरा

♦ ओसाई पंचायत के सरपंच पर आरोप, परिजन बोले- बकाया मांगने पर मार डाला

भोजपुर के बिहिया थाना क्षेत्र में पीट-पीटकर एक ट्रक चालक की हत्या कर दी गई। सिर, बॉडी और हाथ पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं। परिजनों ने ओसाई पंचायत के सरपंच मंजी यादव और उनके 2 भाइयों पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष आदित्य कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जांच के लिए मौके पर FSL की टीम को बुलाया गया है। मृतक की पहचान ओसाई निवासी मुनेश्वर उर्फ मुनी यादव(50) के तौर पर हुई है।

कहते थे चुपचाप ट्रक चलाओ नहीं तो मार देंगेः मृतक के दामाद मुन्ना यादव ने बताया कि मेरे ससुर करीब 10 साल से वर्तमान सरपंच मंजी यादव का ट्रक चला रहे थे। ब्लॉक के पीछे पीडीएस गोदाम में रहते थे। वहीं उनका खान और सोना होता था। 10-12 दिन में एक बार घर आते थे। उन्होंने आपने इकलौते बेटे रौशन कुमार की शादी बक्सर जिले तय की थी। कई महीनों से सरपंच के पास सैलरी बकाया था। मांगने पर 2-3 हजार देकर टाल देते थे। ज्यादा प्रेशर देने पर कहते थे चुपचाप ट्रक चलाओ वरना तुम्हें मार देंगे।

अगलगी से किसानों की फसल जलकर राख

निज संवाददाता। बक्सर

♦ बक्सर में फायर ब्रिगेड की गाड़ी खराब होने से समय पर नहीं पहुंची टीम, मुआवजे की मांग की

बिहार के ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर बधार में दो अलग-अलग जगहों पर भीषण आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इन घटनाओं में न सिर्फ खड़ी फसलें, बल्कि पशुओं के चारे के रूप में रखे गए फसल अवशेष भी जलकर राख हो गए। आग लगने की यह घटना क्षेत्र में चिंता का विषय बन गई है। पहली घटना पश्चिमी बधार की है, जहां आग इतनी तेजी से फैली कि ब्रह्मपुर-बगेन मुख्य पथ स्थित एक पेट्रोल पंप तक जा पहुंची। स्थिति बेहद गंभीर हो गई थी, लेकिन पेट्रोल पंप कर्मियों की तत्परता से आग पर किसी तरह काबू पाया गया। पंप मालिक और कर्मचारियों ने बार-बार फोन कर दमकल विभाग को सूचित किया। मगर एक भी दमकल गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची। विभाग की ओर से बताया गया कि गाड़ी खराब है, वहीं कंट्रोल रूम से बक्सर से गाड़ी भेजने का आश्वासन मिला, पर वह भी नहीं आई। इस लापरवाही से लोगों में आक्रोश है और दमकल विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

दो बीघे की फसल जलकर राखः दूसरी घटना रघुनाथपुर डोम टोली के पास बधार में हुई, जहां आग लगने से किसान सुभाष पाल, पिता नंदकुमार पाल, की लगभग दो बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर नष्ट हो गई। इसके अलावा अन्य किसानों के खेतों में रखे गए फसल अवशेष, जो पशुओं के लिए चारे के रूप में संग्रहित किए गए थे, वो भी जलकर बर्बाद हो गए। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

शॉर्ट सर्किट से हादसे की आशंकाः स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईटेंशन तार में शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी से आग लगी हो सकती है। जिससे किसानों को आर्थिक क्षति झेलनी पड़ी है। ग्रामीणों की मांग है कि नुकसान का मुआवजा जल्द दिया जाए और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

फर्जी लाइसेंस और हथियार तस्कर गिरोह के सदस्यों की गिरफ्तारी

♦ रिवॉल्वर समेत फर्जी लाइसेंस और गोली बरामद, अन्य आरोपी की तलाश जारी

निज संवाददाता। आरा

पटना एसटीएफ और भोजपुर जिला पुलिस ने फर्जी लाइसेंस और हथियार तस्कर गिरोह से जुड़े दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी उदवंतनगर थाना क्षेत्र से हो सकी। पकड़े गए सदस्यों में संदेश थाना क्षेत्र के सुरंगापुर गांव निवासी नवलेश राय और बहोरनपुर थाना के पुरूषोत्तमपुर गांव निवासी बृज राज राय शामिल है। इसकी जानकारी बुधवार को भोजपुर एसपी राज एवं पटना एसटीएफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। पकड़े गए सदस्यों के पास से एक फर्जी लाइसेंस , एक रेगुलर रिवाल्वर, .32 का 20 कारतूस और दो मोबाइल बरामद किया गया है। इसे लेकर उदवंतनगर थाना में तीन के विरुद्ध प्राथमिकी की गई है। कांड में आरोपित गैंग से जुड़े चौरी थाना क्षेत्र के विशाल सिंह की तलाश जारी है। पकड़े गए बृज राज राय का भी पहले से आपराधिक इतिहास रहा है। बहोरपुर थाना में उस पर हत्या के प्रयास एवं आर्म्स एक्ट का केस है।

पकड़े गए आरोपी ने बताया अन्य का नाम, तलाश जारीः पटना एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि फर्जी आर्म्स लाइसेंस एवं हथियार तस्कर गैंग से जुड़ा संदेश थाना क्षेत्र के सुरंगापुर गांव निवासी नवलेश राय आरा-सहार मार्ग के रास्ते जाने वाला है। इसके बाद टीम ने पियनिया के पास घेराबंदी कर बस में सवार नवलेश राय को धर दबोचा। तलाशी के दौरान उसके पास से बैग में रखा एक फर्जी लाइसेंस ,एक रेगुलर रिवाल्वर, .32 का 20 कारतूस एवं मोबाइल बरामद किया गया। बाद में उसकी निशानदेही पर फर्जी आर्म्स लाइसेंस बनाने के रैकेट से जुड़े बहोरनपुर थाना के पुरूषोत्तमपुर गांव निवासी बृज राय राय को धर दबोचा। पूछताछ में चौरी क्षेत्र के विशाल का भी नाम सामने आया है। उदवंतनगर थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर अन्य की तलाश जारी है।

बक्सर में रेलवे ट्रैक के पास खेत में लगी आग

निज संवाददाता। बक्सर

♦ मगध एक्सप्रेस समेत 2 ट्रेनें रोकी गईं, रेल यातायात हुआ प्रभावित

बक्सर के बरूना रेलवे स्टेशन के पास खुले खेत में गुरुवार दोपहर अचानक आग लग गई। आग की लपटें रेलवे ट्रैक तक पहुंच गईं। इससे रेल यातायात प्रभावित हुआ। सुरक्षा के लिए मगध एक्सप्रेस समेत दो अन्य ट्रेनों को बक्सर स्टेशन पर रोका गया। आग तेजी से फैल रही थी और धुएं ने पूरे इलाके को घेर लिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। करीब 30 मिनट की मेहनत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

नियंत्रण में है स्थितिः मगध एक्सप्रेस को बक्सर स्टेशन पर 30 मिनट तक रोका गया। आग बुझने के बाद ही ट्रेन को आगे जाने की अनुमति दी गई। सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी सत्यदेव प्रसाद ने बताया कि सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर भेज दी गई। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। हल्की आंच अभी भी है, जिसे पूरी तरह बुझाया जा रहा है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आशंका है कि गर्मी और तेज हवा के कारण सूखे घास-फूस में आग लगी होगी। विभाग आग के कारणों की जांच कर रहा है। रेलवे प्रशासन और दमकल विभाग की सतर्कता से बड़ी दुर्घटना टल गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मधुबनी में आयोजित कार्यक्रम से रेलवे की तीन नवनिर्मित रेल लाइनें राष्ट्र को किया समर्पित

▪ बिहार को चार नई ट्रेनों की दी सौगात

निज संवाददाता। हाजीपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मधुबनी जिला के लोहना में आयोजित कार्यक्रम से रेलवे की तीन नवनिर्मित रेल लाइनें राष्ट्र को समर्पित किया तथा बिहार को चार नई ट्रेनों की सौगात दी। जिन ट्रेनों को माननीय प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया उनमें जयनगर पटना नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा लोकमान्य तिलक अमृत भारत एक्सप्रेस तथा दो पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं। नमो भारत रैपिड रेल के बारे में विस्तार से बताते हुए रेलवे बोर्ड के सूचना एवं प्रचार के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने पत्रकारों को बताया कि दो शहरों के बीच तेज रफ्तार, आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेल ट्रांसपोर्ट का सपना अब हकीकत बन गया है। नमो भारत रैपिड रेल अमृतकाल में भारतीय रेल के विकास का नया सारथी है। यह ट्रेन इंटरसिटी ट्रैवल के लिए देश के अंदरूनी इलाकों में स्थानीय लोगों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त सफर की गारंटी देती है। उन्होंने बताया कि नमो भारत रैपिड रेल मॉडर्न सुविधाओं से लैस है। यह इंटरसिटी ट्रेन जयनगर को पटना से जोड़ेगी। 16 कोच में 2 हजार से ज्यादा यात्री क्षमता के साथ इस ट्रेन का संचालन बिहार के विकास को नई रफ्तार देने वाली है। यह ट्रेन जयनगर से पटना के बीच मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय, मोकामा और पटना जिला को कनेक्ट करेगी। अहमदाबाद-भुज के बाद यह देश की दूसरी 'नमो भारत' रैपिड रेल सेवा है। इससे दो शहरों के बीच न केवल दूरी कम होगी बल्कि बिहार के सपनों को भी नई उड़ान मिलेगी। नमो भारत रैपिड रेल तेज़ एक्सेलेरेशन और आधुनिक ब्रेकिंग सिस्टम से लैस है। इसके दोनों सिरों पर ड्राइविंग कैब्स होने के कारण इसे टर्नअराउंड की ज़रूरत नहीं होगी, जिससे समय की बचत होगी। नमो भारत पूरी तरह से एयर कंडीशन्ड है और इसमें एर्गोनॉमिकली डिज़ाइन सीटें लगी हैं। ट्रेन में वैक्यूम आधारित मॉड्यूलर टॉयलेट, दिव्यांग अनुकूल शौचालय और डस्ट-प्रूफ सील्ड गैंगवे भी हैं, जिससे ट्रेन का सफर अधिक स्वच्छ, सुलभ और शांतिपूर्ण बनता है। इस ट्रेन की एक खासियत इसका 'कवच' सुरक्षा सिस्टम से लैस होना है। इसके हर कोच में सीसीटीवी कैमरे, फायर डिक्टेशन सप्रेशन सिस्टम और आपातकालीन टॉक-बैक सिस्टम सुरक्षित सफर का आश्वासन देते हैं। ट्रेन के कोच ऑटोमैटिक दरवाजों के साथ सेमी-परमानेंट कपलर्स से युक्त हैं, जो यात्रियों को झटके का अनुभव नहीं होने देते। इससे तेज गति का सफर सुगम और सुरक्षित रहता है। ट्रेन में रूट-मैप इंडिकेटर भी हैं, जो हर स्टेशन की जानकारी देंगे। यह सुविधा ओपन लाइन रेलवे में पहली बार दी जा रही है। आपातकालीन लाइटिंग, एलईडी लाइटिंग और अल्ट्रा मॉडर्न डिजाइन से यात्रियों को एक शांत और रोशनी से भरा माहौल मिलता है। सहरसा और लोकमान्य तिलक के बीच चलाई गई अमृत भारत एक्सप्रेस के बारे में बताते हुए रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि अमृत भारत 2.0 ट्रेन भारतीय रेल की आधुनिक पहल है। यह ट्रेन आम यात्रियों को कम किराए में बेहतर सुविधा, आराम और स्वदेशी तकनीक का अनुभव देती है। इस ट्रेन को विशेष रूप से मिडिल क्लास और अंत्योदय के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके कोच पूरी तरह से भारत में बने हैं और आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूती देते हैं। अमृत भारत ट्रेन सुविधाजनक है। इसका लुक और डिज़ाइन भी अत्यंत आकर्षक है। ये किसी प्रीमियम ट्रेन जैसा अनुभव देती है। रेलवे की यह कोशिश है कि आम आदमी भी शान और आराम के साथ यात्रा कर सके और इसी सोच के साथ यह ट्रेन शुरू की गई है। पर्यावरण के प्रति सजगता, ऊर्जा की बचत और यात्रियों की सुविधा- ये तीनों पहलू इस ट्रेन की पहचान हैं। यह ट्रेन देश के विकास की नई रफ्तार और बदलते भारत की झलक है। अमृत भारत एक्सप्रेस की सेफ्टी फीचर के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि अमृत भारत 2.0 ट्रेन में सुरक्षा और तकनीकी दृष्टिकोण से कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कपलर में क्रैश ट्यूब और EP-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम की सुविधा दी गई है, जिससे तेजी से ब्रेक लग सकेगा। ये पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूशन सिस्टम से लैस है। हर कोच में टॉक बैक यूनिट तथा गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट से यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया गया है। गैर-एसी कोचों में पहली बार फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा यात्रियों की सुरक्षा में नई क्रांति है। अमृत भारत 2.0 के साथ भारतीय रेल में पहली बार ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किया गया है जिससे ट्रेन जुड़ते या अलग होते वक्त झटका नहीं लगता और ना ही आवाज आती है। इसमें लगा डिफॉर्मेशन ट्यूब किसी टक्कर की स्थिति में झटका कम कर देता है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ती है। लोकोमोटिव के साथ यह रेक न केवल स्थिरता प्रदान करता है, बल्कि उच्चतम गति एवं बेहतर संचालन की क्षमता भी सुनिश्चित करता है। यह ट्रेन एक एलएचबी पुश-पुल ट्रेन है। बेहतर गति के लिए इसके दोनों सिरों पर इंजन लगे होते हैं, जिससे ऊर्जा की खपत कम होती है। ट्रेन तेजी से गति पकड़ सकती है और ब्रेक लगा सकती है। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड इसे रफ्तार का महारथी भी बनाती है। इसके कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधाएँ हैं।

संक्षिप्त समाचार

शर्मसार करने वाली घटना आतंकवादी हमला

भागलपुर। भागलपुर कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति खानकाह-ए-पीर दमड़िया शाह के सज्जादानशीं शाह फखरे आलम हसन ने गहरा दुख व्यक्त किया है और घटना को ह्दयविदारक कहा है। उनका कहना है इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है। सज्जादानशीं ने कहा कि मानवता को शर्मसार करने वाली इस कृत को देश और इंसानियत के खिलाफ किया गया काम है, जिसकी जितनी भी भर्त्सना की जाए कम है। हम सब इस हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के गम में शरीक है। खुदा उनके परिवार वालों को शांति और सब्र दे। आज जरूरत है इस तरह के इंसानियत को शर्मसार करने वाले लोगों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़ी जाए। सज्जादानशीं ने भारत सरकार से इस हमले के खिलाफ कठोर से कठोर कदम उठाने का अनुरोध किया है।

स्नातक पार्ट 3 में अब तक 7831 ने कराया नामांकन

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय में स्नातक पार्ट-3, सत्र 2022-25 के लिए नामांकन की प्रक्रिया 16 अप्रैल से जारी है। अब तक कुल 7,831 विद्यार्थियों ने नामांकन लिया है। नामांकन समिति पदाधिकारी सह डीएसडब्ल्यू प्रो. भवेश चंद्र पांडेय ने बताया कि पार्ट-2 में पास और प्रमोटेड विद्यार्थियों को नामांकन के लिए 26 अप्रैल तक का समय दिया गया है। नामांकन से पहले विद्यार्थियों को अपने संबंधित कॉलेज में दस्तावेजों की जांच कराना जरूरी होगा। इस सत्र में कला संकाय में 6,810, विज्ञान संकाय में 905 और वाणिज्य संकाय में 116 ने नामांकन लिया है।

अंग्रेजी साहित्य पर होगा दो दिवसीय सेमिनार

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की ओर से दो दिवसीय नेशनल सेमिनार का आयोजन 25 और 26 अप्रैल को जेआरएस कॉलेज जमालपुर कैंपस में होगा। विषय है- सीमाओं से परेः अंग्रेजी भाषा और साहित्य अध्ययन में समकालीन प्रवृत्तियां। आयोजन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। 20 अप्रैल तक करीब 200 छात्र-छात्राओं ने पंजीयन कराया। सेमिनार के संयोजक और पीजी अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. बीसी पांडेय ने बताया कि इस मौके पर 100 पेज की स्मारिका भी जारी की जाएगी। मुख्य वक्ता के रूप में कल्याणी विश्वविद्यालय के प्रो. निलाद्री आर. चटर्जी शामिल होंगे। विशेष वक्ताओं में पूर्णिया विश्वविद्यालय के प्रो. शंभू लाल वर्मा, डोरंडा कॉलेज रांची के डॉ. राज कुमार शर्मा और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. विजय कुमार रॉय को आमंत्रित किया गया है। सेमिनार के पेट्रॉन कुलपति प्रो. संजय कुमार बनाए गए हैं। आयोजन समिति में कुलसचिव कर्नल (सेवानिवृत्त) विजय कुमार ठाकुर, जेआरएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. देवराज सुमन, इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. जीसी पांडेय, उर्दू विभागाध्यक्ष प्रो. एसआर जमाल और हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. एसके मंडल को शामिल किया गया है। सेमिनार में दोनों दिन ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में समानांतर सत्र होंगे। पहले दिन स्पॉट पंजीयन और कॉन्फ्रेंस किट का वितरण होगा।

जिला नियोजन कार्यालय में 29 को जॉब कैंप

मुंगेर। श्रम संसाधन विभाग के जिला नियोजन कार्यालय में 29 अप्रैल को एकदिवसीय जॉब कैंप लगाएगा। जॉब कैंप सुबह 11 बजे से शुरू होगा, जिसमें इच्छुक अभ्यर्थी सीधे नियोजक से मुलाकात कर आवेदन पत्र व बायोडॉटा जमा कर साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। जॉब कैंप में फ्यूजन फाइनेंस लिमिटेड कंपनी के द्वारा रिलेशनशिप ऑफिसर के 25 पदों पर भर्ती की जाएगी। शैक्षणिक योग्यता 12वीं पास और आयु 18 से 35 वर्ष निर्धारित किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को 11,500 रुपए प्रतिमाह मानदेय के साथ अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएगी। जिला नियोजन पदाधिकारी ने इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध किया है कि जॉब कैंप में अधिक-से-अधिक संख्या में भाग लें।

संभावित डेंगू मरीज की एलाइजा जांच निगेटिव

मुंगेर। सदर अस्पताल में भर्ती डेंगू के संभावित मरीज शुभम कुमार की एलाइजा जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। शुभम, मेदनीचौकी निवासी सुबोध साव का 18 वर्षीय पुत्र है। 20 अप्रैल को प्राइवेट जांच में उसकी एनएस-1 रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इसके बाद उसे सदर अस्पताल के पुरुष वार्ड में भर्ती किया गया। उसी दिन अस्पताल प्रबंधन ने उसका सैंपल एलाइजा जांच के लिए भेजा। रिपोर्ट में डेंगू की पुष्टि नहीं हुई। एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के पदाधिकारी प्रेमरंजन दूबे ने बताया कि 20 अप्रैल को ही सैंपल लिया गया था। रिपोर्ट निगेटिव आई है। अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. रमन कुमार ने कहा कि फिलहाल मौसम डेंगू के लिए अनुकूल नहीं है। जिले में डेंगू का कोई सक्रिय मामला नहीं है।

शिविर में उठा पानी, सड़क और स्ट्रीट लाइट का मुद्दा

मुंगेर। नगर निगम के नव विस्तारित क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं की उपलब्धता और विकास कार्यों को शीघ्र व समुचित क्रियान्वयन के उद्देश्य से नगर जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर निगम के कुल 13 वार्ड में नगर जन संवाद कार्यक्रम होना है। प्रथम पाली में तीन वार्ड में जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। वार्ड-7, वार्ड-8 और वार्ड-19 कुल तीन वार्ड में नगर जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। द्वितीय पाली में वार्ड-36, वार्ड-37 और वार्ड-38 में होना था, लेकिन पहलगाम में आतंकवादी घटना के कारण संवाद कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। अब बाकी बचे 10 वार्ड में बाद में कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। जिन तीन वार्ड में नगर जन संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ, वहां मोहल्ले वालों ने खराब सड़क, पानी की समस्या, खराब स्ट्रीट लाइट सहित अन्य मुद्दों को रखा गया। उप नगर आयुक्त ने कहा, खराब लाइट को दुरुस्त किया जाएगा वार्ड-8 में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन के जरिए किया। उप नगर आयुक्त हेमंत कुमार ने वार्डवासियों को आश्वस्त किया कि खराब स्ट्रीट लाइटें शीघ्र ठीक कराया जाएगा। इसके लिए बजट में भी राशि का प्रावधान किया गया है। मालूम हो कि पहले यह नगर जन संवाद कार्यक्रम 20 अप्रैल से होना था, लेकिन बाद में इसे 22 अप्रैल से किया गया। अब एक बार फिर आतंकवादी घटना के कारण नगर जन संवाद की तिथि बढ़ा दी गयी है। मौके पर वार्ड-8 में अपर समाहर्ता मनोज कुमार, उप नगर आयुक्त, सिटी मैनेजर, लोक स्वच्छता पदाधिकारी के अलावा वार्ड-7 में निगम कर्मी शुभ चंद्र राय, राजेश कुमार, रंजीत कुमार, धमेंद्र महतो और वार्ड-19 में निगम कर्मी चंदन कुमार, मो. गयास, अनुपम कुमार, रागिनी शर्मा समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

नए मॉडल अस्पताल में इमरजेंसी चालू पहले दिन 30 मरीजों का इलाज

मुंगेर। इमरजेंसी वार्ड को 100 बेड वाले नए मॉडल अस्पताल में बुधवार की दोपहर शिफ्ट कर दिया गया। हालांकि पहले दिन नये अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड के शिफ्ट होने से अफरा-तफरी रही, जबकि इस दौरान ग्रीन जोन और ट्राइज में पहले दिन मरीजों का उपचार किया गया। गुरुवार को अंदर बने 8 बेड के येलो और रेड जोन वाले बेडों पर मरीजों का उपचार उनके बीमारियों के आधार पर किया जायेगा। पहले दिन मॉडल अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड के शिफ्ट होने पर सामान्य चिकित्सा पदाधिकारी डा. हर्षवर्धन ने दोपहर 12 बजे से अपराह्न 2 बजे तक कुल 30 मरीजों का इलाज किया। इस दौरान डा. हर्षवर्धन खुद मरीजों को बेड पर लेटाने तथा उनका इलाज कराने में लगे रहे। हालांकि पहले दिन इमरजेंसी वार्ड की व्यवस्था का अंदाजा नहीं होने के कारण इमरजेंसी वार्ड में मरीज और परिजनों के होने से भीड़ की स्थिति बन गयी। एक अधिक परिजनों को गार्ड ने वार्ड में जाने से रोका तो किया हंगामा, कराया मामले को शांत नए मॉडल अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में दोपहर कुछ देर के लिए हंगामा की स्थिति बनी रही। दरअसल एक मरीज के साथ दर्जन भर लोग बतौर परिजन इमरजेंसी वार्ड में घुस रहे थे। जिसे वहां तैनात सुरक्षा गार्डों द्वारा रोक दिया गया तथा कहा गया कि एक मरीज के साथ सिर्फ एक ही व्यक्ति अंदर जाएं, जिससे मरीज के इलाज में परेशानियां न हो और विधि-व्यवस्था बनी रहे। इसपर मरीज के परिजन आग बबूला होकर हंगामा करने लगे। हालांकि अन्य सुरक्षा कर्मियों एवं प्रबंधन द्वारा समझा-बुझा कर मामले को शांत करवाया गया। पहले दिन रजिस्ट्रेशन काउंटर के बगल में बने ट्राइज वार्ड में दो बेड पर मरीजों को उनके बीमारियों के आधार पर निर्धारण किया जाना था, लेकिन अफरा-तफरी के बीच ट्राइज वार्ड में तीन बेड पर मरीजों को भर्ती किया गया। इसके बाद बने ग्रीन जोन में भी तीन बेड पर सामान्य मरीजों के साथ गंभीर मरीजों को भर्ती किया गया।

गिफ्ट हाउस में लगी आग आसपास की दुकानें भी जलीं

भागलपुर में दमकल की 2 गाड़ियों ने 1 घंटे में बुझाई लपटें, शॉर्ट-सर्किट की आशंका

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में जय माता दी गिफ्ट हाउस में गुरुवार को आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में आसपास की दुकानों में रखा समान भी जल गया। मौके पर अफरा-तफरी के बाद लोग अपने स्तर से आग बुझाने में जुट गए। सूचना मिलते ही ईशीपुर थाना प्रभारी चंदन कुमार अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अग्निशमन विभाग की दो गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि स्थानीय लोगों की और अग्निशमन विभाग की तत्परता से बढ़ी घटना टल गई। आग की लपटों को देखकर आसपास के लोग भी दहशत में आ गए थे। कई दुकानदार अपनी दुकानें खाली करने में लग गए। घटना ईशीपुर थाना क्षेत्र की है।

दमकल के आने से पहले लाखों का सामान जलाःदमकल के आने से पहले दुकान में रखा लाखों का सामान जल चुका था। आग फैलने की शुरुआत दुकान के अंदर से हुई और धीरे-धीरे पूरी दुकान को बर्बाद कर दिया। फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों की पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन लोगों ने शॉर्ट-सर्किट की आशंका जताई है। प्रशासन की ओर से आग के कारणों की जांच की जा रही है और क्षति का आकलन किया जा रहा है। इस घटना के बाद इलाके के दुकानदारों में भय का माहौल है। वे प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि क्षेत्र में फायर सेफ्टी की पुख्ता व्यवस्था की जाए, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

भागलपुर में जलेबी बेचने वाले युवक ने लगाई फांसी

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर जिले के ललमटिया थाना क्षेत्र में जलेबी का ठेला लगाने वाले एक युवक ने बीती रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी लोगों को सुबह हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा और उसे कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना ललमटिया चौक के समीप एक गली में स्थित एक निजी लॉज की है, जहाँ मृतक युवक पिछले कुछ समय से रह रहा था। बताया जा रहा है कि वह मूल रूप से राजस्थान का निवासी था और उसकी उम्र लगभग 25 वर्ष थी। वह भागलपुर में जलेबी बेचकर अपनी आजीविका चला रहा था।

आत्महत्या से पहले कमरे में मिलने आई थी युवतीः प्राप्त जानकारी के अनुसार, आत्महत्या से पहले एक युवती मृतक से मिलने उसके कमरे में आई थी। बताया जा रहा है कि वह युवती पिछले तीन दिनों में चार बार उससे मिलने लॉज में आ चुकी थी। हालांकि, अभी तक आत्महत्या के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है। लॉज मालिक के अनुसार, वह युवती शाहकुंड की रहने वाली है। पुलिस इस मामले में प्रेम प्रसंग की आशंका जता रही है, हालांकि इस संबंध में कोई ठोस सबूत अभी तक नहीं मिले हैं। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है और पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। इस संबंध में ललमटिया थाना अध्यक्ष राजीव रंजन से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। घटना ने स्थानीय लोगों को भी स्तब्ध कर दिया है।

कश्मीर में हुए हमले को लेकर भागलपुर में कैंडल मार्च

लोगों ने कहा- पूरा देश एकजुट होकर शहीदों को सलाम करता है

निज संवाददाता। भागलपुर

कश्मीर में हुए आंतकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की आत्मा की शांति के लिए बुधवार की रात करीब 10:30 भाजपा कार्यकर्ताओं ने कैंडिल मार्च निकाला। यह मार्च अजगैवीनाथ धाम परिसर से शुरू होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए मंदिर प्रांगण में समाप्त हुआ। मार्च का नेतृत्व भाजपा नगर अध्यक्ष डॉ. अलका चौधरी ने किया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने कैंडिल जलाकर शहीदों को नमन किया और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।डॉ. चौधरी ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं देश को झकझोर देती हैं, लेकिन देशवासियों की एकता और सेना का मनोबल इन चुनौतियों के आगे कभी नहीं झुकता।

पूरा देश शहीदों के बलिदान को सलाम करता हैः उन्होंने कहा, "पूरा देश एकजुट होकर इन शहीदों के बलिदान को सलाम करता है। भाजपा सदैव राष्ट्रवाद और सुरक्षा के मुद्दों पर दृढ़ रही है। इस दुख की घड़ी में हम शहीदों के परिवारों के साथ खड़े हैं।" कैंडिल मार्च में भाजपा उपाध्यक्ष चंदन कुमार, महामंत्री मंटू कुमार, भाजपा युवा मोर्चा के सदस्य शुभम चौधरी और समाजसेवी रामायण शरण गुप्ता भी मौजूद थे। सभी ने एक सुर में आतंकवाद की कड़ी निंदा की और सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की। मार्च के दौरान पूरे नगर में शांति और सन्नाटा पसरा रहा। स्थानीय लोगों ने भी श्रद्धांजलि में भाग लिया।

बारात लगी-वरमाला हुई, रसगुल्ला खाकर दुल्हन प्रेमी संग फरार, हाथ धोने के बहाने घर से भागी

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में वरमाला के बाद एक दुल्हन अपनी ही शादी से फरार हो गई। वो अपने प्रेमी के साथ भाग गई। परिवार को दुल्हन के भागने का पता तब चला जब शादी के लिए उसे मंडप में लाना था। मामला असरगंज थाना क्षेत्र के सती स्थान गांव का है। सती स्थान गांव की रहनेवाली नंदनी उर्फ नेहा कुमारी की शादी (21) संग्रामपुर प्रखंड के बैजनाथपुर गांव निवासी कपिलदेव मंडल के बेटे अमरजीत कुमार से तय हुई थी। बुधवार को बारात आई। लड़की की मां निशा देवी ने बताया, 'बारात का स्वागत हुआ, वरमाला हुई। सब कुछ बिल्कुल सामान्य था। मंडप में उसका इंतजार हो रहा था। मैं बुलाने गई तो कहा- 2 दिन से भूखी हूं, कुछ खाओ नहीं।'

दूल्हे ने फेंका सेहरा, गुस्से में लौटी बारातःदुल्हन के अचानक फरार होने से शादी समारोह का माहौल पूरी तरह बदल गया। देर रात तक गांव में हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा, लेकिन नेहा और उसके प्रेमी दोनों का कोई पता नहीं चला। इस घटना से दूल्हा और लड़के वालों में आक्रोश दिखा। नाराज दूल्हे ने अपना सेहरा फेंक दिया। लड़की को काफी खोजा गया, जब वो नहीं मिली तो हारकर आखिरकार दूल्हा अमरजीत मंडल और उसका परिवार बिना दुल्हन के ही बारात वापस लेकर लौट गए।

♦ मंडप में दूल्हा करता रहा इंतजार

दूसरी बेटी से शादी को तैयार नहीं हुआ दूल्हाः दुल्हन के पिता अजय मंडल ने बताया कि उनकी चार बेटियां और दो बेटे हैं। वे दिल्ली में मजदूरी करते हैं। उन्होंने नेहा की शादी पिछले साल तय की थी। शादी के लिए परिवार ने ढाई लाख रुपए दहेज भी दिया था। पहले नवंबर 2024 में छठ पूजा के समय शादी का दिन तय हुआ था, लेकिन दूल्हे के परिवार ने मना कर दिया। फिर 23 अप्रैल 2025 को शादी की नई तारीख तय की गई थी। 'नेहा मेरी सबसे बड़ी बेटी थी, बेटे छोटे हैं।दूसरी बेटी से शादी को तैयार नहीं हुआ लड़का। बोला- जबरन शादी करवाओगे तो उसके बाद छोड़ देंगे।' अब परिवार थाने पहुंचकर पुलिस से मदद की गुहार लगा रहा है।

गोशाला जमीन पर घेराबंदी रुकी, ग्रामीणों ने किया विरोध, ग्रामीणों का दावा- हमें मिला था रैयती हक

मालिकाना हक को लेकर विवाद

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के नाथनगर प्रखंड के निस्फअंबे पंचायत स्थित सरदारपुर गांव में टिकोरी गोशाला की जमीन पर प्रशासन द्वारा की जा रही घेराबंदी को ग्रामीणों के भारी विरोध के चलते रोकना पड़ा। ग्रामीणों का आरोप है कि जिस जमीन पर घेराबंदी हो रही थी, वह दरअसल वर्षों से उनकी पुश्तैनी कृषि भूमि है। ग्रामीणों के अनुसार, गिरधारी केजरीवाल और सत्यनारायण पोद्दार ने यह जमीन गोपालन के उद्देश्य से ली थी, लेकिन अब वहां ट्रांसपोर्ट व्यवसाय चल रहा है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि वर्ष 1997-98 में डीसीएलआर ने उन्हें रैयती डिग्री जारी की थी और उनके हक को कानूनी रूप से मान्यता दी गई थी। अशोक गोस्वामी, मास्टर कुमार और सुग्रीव यादव सहित कई ग्रामीणों का कहना है कि वे पीढ़ियों से इस जमीन पर खेती करते आ रहे हैं।

गोशाला की मंशा पर सवालः ग्रामीणों का आरोप है कि गोशाला प्रशासन कभी किसी कोने में तो कभी दूसरी जगह घेराबंदी कर देता है और दावा करता है कि यहां गौ पालन होगा, जबकि वास्तव में वहां गोदाम और किराए पर दिया गया ट्रांसपोर्ट व्यवसाय चल रहा है। जिला प्रशासन की ओर से एसडीओ के निर्देश पर की जा रही घेराबंदी पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। मधुसूदनपुर थानाध्यक्ष सफदर अली ने बताया कि सभी पक्षों को अपने-अपने कागजातों के साथ शनिवार को हबीबपुर थाना बुलाया गया है, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच की जा सके।

करीब 250 बीघा जमीन पर विवादः सरदारपुर, मधुसूदनपुर, गनोड़ा, बादरपुर और मनसर गांव के किसानों की करीब 250 बीघा जमीन इस इलाके में है, जिसे लेकर गोशाला और ग्रामीणों के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में किस पक्ष के हक में फैसला सुनाता है।

भागलपुर में 1 लाख का इनामी अपराधी गिरफ्तार

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर जिले में नवगछिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिले के टॉप-10 वांटेड अपराधियों में शामिल एक लाख के इनामी नवीन यादव को गिरफ्तार किया है। डीएसपी ओमप्रकाश ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी राजधर यादव हत्याकांड में वांटेड था। 4 अप्रैल 2020 को राजधर यादव की हत्या हुई है। इस मामले में छोटू यादव और रामरती यादव को कोर्ट से सजा मिल चुकी है। नवीन यादव के खिलाफ गोपालपुर, रंगरा, अकबरनगर, परबत्ता, धमदाहा (पूर्णिया), कुर्सेला (कटिहार) और टिकापट्टी (पूर्णिया) में हत्या, लूट, डकैती, आर्म्स एक्ट, अपहरण के 12 से अधिक मामले दर्ज है।

हिमाचल से लौटते समय पकड़ा गयाः डीएसपी ने आगे बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक टीम लगातार उसे खोज रही थी। 23 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश से घर लौट रहा था। इस बीच STF की मदद से उसे नवगछिया में गिरफ्तार कर लिया गया। **क्या था मामलाः** लतरा निवासी राजधार यादव 4 अप्रैल 2020 के सुबह करीब 5:30 बजे मवेशियों को चारा दे रहे थे। इस दौरान गांव के रहने वाले छोटू यादव और उसके पिता रामगी यादव बाइक से पहुंच और अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। इसके बाद 2 और लोग आए, वो भी गोली चलाने लगे।

पूर्व रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. एफ-वैगन्स-एक्स-वाईरेल-25, दिनांक 19.04.2025; उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (वैगन), पूर्व रेलवे, जमालपुर, जिला-मुंगेर, बिहार, पिन-811214 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का नामः रेलवे वर्कशॉप, जमालपुर में डब्लूसीएस-1 में ओवरहेड एक्स-वाई रेल सिस्टम की आपूर्ति, संरचना, स्थापना (नींव कार्य सहित) एवं चालू करना। मात्राः 1 अदद। निविदा मूल्यः रु. 57,84,266; निविदा दस्तावेज की कीमतः शून्य। प्रस्ताव की वैधताः 60 दिन। बोली शुरू होने की तारीखः 28.04.2025; निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः 12.05.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। समापन अवधिः 95 दिन। विवरण जहां उपलब्ध हैः www.ireps.gov.in (MISC-29/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बेटी के कोर्ट मैरिज पर भड़की मां, कोर्ट में हंगामा महिला बोली- मैं उसकी शादी दूसरे लड़के से कराऊंगी

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर कोर्ट कैंपस में आज उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब एक नवविवाहित दंपती और एक महिला के बीच जमकर हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। हंगामा कर रही महिला नवविवाहित दुल्हन की मां थी, जो इस शादी से नाराज बताई जा रही है। कोर्ट कैंपस में हंगामे के दौरान महिला ने कहा कि मैं इस शादी को नहीं मानती हूं, मैं इस शादी के खिलाफ हूं और मैं बेटी की शादी कही और करना चाहती हूं। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को नवविवाहित दंपती कानूनी सलाह लेने के लिए कोर्ट पहुंचा था। दंपती की पहचान 25 साल से राकेश और 21 साल की जूली के रूप में हुई है। दोनों ने एक महीना पहले ही कोर्ट मैरिज की है। कोर्ट में बेटी के पहुंचने की जानकारी के बाद उसकी मां भी पहुंच गई और दामाद से उलझ गई। इस दौरान का वीडियो सामने आया है।

वीडियो में क्या दिख रहा है?ः वीडियो में दिख रहा है कि महिला अपनी बेटी और उसके दूल्हे को पकड़ लिया और हंगामा करना लगी। लड़के ने तत्काल अपनी पत्नी को छुड़ाया और उसे वहां से जाने को कहा। हालांकि, इस दौरान महिला अपनी बेटी को पकड़ने की कोशिश करती दिखी। बताया जा रहा है कि लड़की की मां और परिवार के अन्य सदस्य इस शादी से खुश नहीं है। कहा जा रहा है कि राकेश और जूली के बीच लंबे समय से अफेयर था, जो जूली के परिजन को पसंद नहीं था। इसी वजह से उन्होंने जूली को राकेश से मिलने से मना किया था, लेकिन उसने एक महीने पहले राकेश से कोर्ट में जाकर शादी कर ली।

जूली बोली- मैं अपने पति राकेश के साथ रहना चाहती हूंः जूली ने कहा कि मैं अपने पति राकेश के साथ ही रहना चाहती हूं। उसने ये भी कहा कि मैं अपने ससुराल में खुश हूं। उधर, जूली की मां ने कहा कि मैं इस शादी को नहीं मानती और अपनी बेटी की शादी किसी दूसरे लड़के से कराऊंगी। हालांकि, जब जूली की मां और राकेश से जानकारी लेने की कोशिश की गई तो उन्होंने पूरे मामले की जानकारी देने से इनकार कर दिया। कोर्ट में मौजूद वकीलों से भी जब मामले की जानकारी लेने की कोशिश की गई तो उन्होंने चुप्पी साध ली। बाद में राकेश और उसकी सास अपने-अपने घर की ओर निकल गई।

कार्यालयः- अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पलामू

मोतियाबिन्द ऑपरेशन एवं महिला बंध्याकरण/पुरूष नसबंदी हेतु गैर सरकारी संस्थानों के साथ MOU किये जाने संबंधि सूचना।

राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम तथा परिवार नियोजन कार्यक्रम का सफल संचालन हेतु वित्तीय वर्ष–2025–2026 के लिय गैर सरकारी संस्थानों के साथ MOU किया जाना है। इन दोनों राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए निम्नलिखित शर्त/अहर्ता के अधीन मुहरबंद लिफाफा निबंधित डाक/स्पीड पोष्ट अथवा कार्यालय में स्वय उपस्थित हो कर जमा किया जा सकता है। मुहरबंद लिफाफा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि–05.05.2025 समय 05:00 बजे अपराह्न तक का है। निर्धारित अन्तिम तिथि एवं समय के बाद प्राप्त डाक/मुहरबंद लिफाफा आदि पर विचार नहीं किया जायेगा।

उक्त दोनों कार्यक्रमों के लिए MOU हेतु निम्नलिखित शर्त/अहर्ता से संबंधित सूचना कार्यालय के सूचना पट पर प्रकाशित किया गया है।

अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,
पलामू

PR 350970 District(25-26)#D

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. एमसी-57-0-आईआरएसपी-23-24-अग्रपेडआर, दिनांक 23.04.2025; वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (सी एंड डब्ल्यू), पूर्व रेलवे, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: कार्य का नामः पूर्व रेलवे के हावड़ा आधारित ट्रेनों की प्रीमियम ट्रेनों की एसी कोचों तथा एनएसी एलएचबी कोचों का उन्नयन। निविदा मूल्यः रु. 1,61,41,326.20; जमा की जाने वाली बयाना राशिः रु. 2,30,700; संविदा की अवधिः कार्य प्रारम्भ होने की तारीख से 6 महीने। ऑनलाइन निविदा जमा करने के लिए वेबसाइट का विवरणः www.ireps.gov.in; बोली बंद होने की तारीख एवं समयः 14.05.2025 को अपराह्न 2.00 बजे तक। (HWH-42/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद से पकड़ा गया खालिस्तानी आतंकी, 30 साल से फरार था मंगा

गाजियाबाद , एजेंसी। एटीएस की नोएडा टीम और गाजियाबाद पुलिस ने बुधवार देर रात प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) के आतंकी मंगत सिंह उर्फ मंगा को गिरफ्तार कर लिया। उस पर 25 हजार रुपये इनाम था और वह 30 साल से फरार चल रहा था। वह इससे पहले 11 मार्च, 1993 को गिरफ्तार हुआ था। दो साल बाद जमानत पर छूटने के बाद वह फिर फरार हो गया था। एटीएस के मुताबिक मंगत सिंह मूल रूप से पंजाब के खतदिया का रहने वाला है। पिछले काफी समय से वह गाजियाबाद के कविनगर में रह रहा था। उसके खिलाफ गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना में टाडा के तहत मुकदमा दर्ज था। इसमें ही उसे जेल भेजा गया था जहां से उसे 16 अगस्त 1995 को जमानत मिल गई थी। मंगा सिंह के सगे भाई संगत सिंह को पंजाब पुलिस ने व्यास जिले में वर्ष 1990 में मुठभेड़ में मार गिराया था। संगत सिंह खालिस्तान कमाण्डो फोर्स का चीफ था। फरार होने के बाद से मंगत सिंह पेशी पर भी नहीं जा रहा था। पिछले साल 12 दिसम्बर को कोर्ट ने उसका गिरफ्तारी वारन्ट जारी किया था। वह काफी समय अमृतसर के खिलचियां इलाके में छिपा रहा था। उसके खिलाफ गाजियाबाद में चार मुकदमे दर्ज हैं।

अदालत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में महिला पर भड़के हाईकोर्ट के जज

मुंबई, एजेंसी। बम्बई उच्च न्यायालय ने नवी मुंबई में एक आवासीय सोसाइटी के कुत्तों को खाना खिलाने वालों के पक्ष में दिए गए आदेश पर अदालत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में एक महिला को बुधवार को आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराया। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने कहा कि अदालत को 'कुत्ता माफिया' बताने जैसी टिप्पणी शिक्षित लोगों से अपेक्षित नहीं है। अदालत ने विनीता श्रीनंदन को एक सप्ताह की साधारण कारावास की सजा सुनाई, साथ ही उस पर 20,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। उच्च न्यायालय ने आवासीय सोसाइटी की प्रबंध समिति की सदस्य विनीता की माफी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा, हम मगरमच्छ के आंसू और ऐसे मामलों में अवमानना करने वालों द्वारा आमतौर पर किए जाने वाले नियमित माफीनामे को स्वीकार नहीं करेंगे। पीठ ने हालांकि, विनीता के वकील के अनुरोध पर अपने आदेश पर रोक लगा दी और सजा को आठ दिनों के लिए निलंबित कर दिया, ताकि वह इसके खिलाफ अपील कर सके।

पाकिस्तानी आकाओं से मिला था निर्देश, 30 मिनट चला नरसंहार

अनंतनाग, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसारन घाटी में हुए आतंकी हमले को लेकर दर्ज की गई एफआईआर में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। एफआईआर के अनुसार यह हमला पूरी तरह से पूर्व नियोजित था और इसे आतंकियों ने सीमा पार मौजूद अपने हैंडलर्स के निर्देश पर अंजाम दिया। आतंकियों ने अवैध रूप से प्राप्त ऑटोमैटिक हथियारों का इस्तेमाल करते हुए करीब 30 मिनट तक अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिसमें 26 पर्यटकों की मौत हो गई। यह हमला मंगलवार (22 अप्रैल) को दोपहर 1.50 बजे से 2.20 बजे के बीच हुआ। हमलावर फौजी वर्दी में थे और वे अचानक बैसारन घाटी से लगे घने चीड़ के जंगलों से बाहर निकले। उस समय पर्यटक घुड़सवारी, पिकनिक और हरियाली का आनंद ले रहे थे। अचानक गोलियों की आवाज और चीख-पुकार मच गई। कुछ ही मिनटों में कई लोग जमीन पर गिर चुके थे और कई घायल हो गए। न्यूज18 की रिपोर्ट के मुताबिक, एफआईआर में कहा गया है कि पुलिस स्टेशन को हमले की जानकारी दोपहर 2.30 बजे मिली, और जब तक सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुंचे, तब तक हमलावर भाग चुके थे।

चूंकि बैसारन तक कोई मोटरेबल रोड नहीं है, इसलिए सुरक्षाबलों को पहुंचने में काफी वक्त लग गया। एफआईआर में कहा गया है, पुलिस स्टेशन को विश्वसनीय स्रोतों से सूचना प्राप्त हुई कि बैसारन, पहलगाम में अज्ञात आतंकवादियों ने सीमा पार स्थित अपने आकाओं के निर्देश पर अवैध ऑटोमैटिक हथियारों का इस्तेमाल कर एक पूर्व नियोजित हमला किया है। एफआईआर में यह भी जिक्र किया गया है कि इस हमले का उद्देश्य केवल हत्या करना नहीं था, बल्कि जनता में भय और दहशत फैलाना भी था। इस मामले में भारतीय न्याय संहिताकी कई सख्त धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। यह एफआईआर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 11, 103 और 109, कठोर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम या यूएपीए, और शस्त्र अधिनियम सहित गंभीर प्रावधानों के तहत दर्ज की गई थी। इसके अतिरिक्त, आर्म्स एक्ट की धाराएं 7 और 27, और॰क्क (गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम) की धाराएं 16, 18, और 20 भी लगाई गई हैं। इस हमले ने स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था और पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बैसारन घाटी को मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है और यह पर्यटकों के बीच बेहद लोकप्रिय स्थान है। अब यह सवाल उठ रहे हैं कि इतनी संवेदनशील जगह पर सुरक्षा इंतजाम क्यों नाकाफी रहे।

डेढ़ घंटे तक कोई नहीं आया, मदद नहीं मिली; विनय नरवाल की बहन बोलीं- बच सकता था मेरा भाई

करनाल, एजेंसी।
पहलगाम में क्रूर आतंकी हमले में मारे गए नेवी के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का बुधवार को करनाल में अंतिम संस्कार हो गया। विनय नरवाल की बहन ने ही उनका अंतिम संस्कार किया। पूरा परिवार और इलाका इससे सदमे में था और हजारों लोगों की भीड़ इस मौके पर पहुंची थी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी जब करनाल में उनके घर पहुंचे तो विनय नरवाल की छोटी बहन ने आपा खो दिया। भाई को खोने से बदहवास बहन ने रोते-रोते आरोप लगाया कि आतंकी हमले में गोलियां लगने के बाद भी विनय नरवाल काफी देर तक जिंदा थे, लेकिन कोई मदद के लिए नहीं पहुंचा। नायब सिंह सैनी से बातचीत करते हुए विनय की बहन ने आपा खो दिया। उन्होंने रोते हुए कहा, 'कोई नहीं आया डेढ़ घंटा तक। वहां कोई भी नहीं आया, वह जिंदा था और कोई आता तो वह बच सकता था। वहां आर्मी होती तो वह बच सकता था। इसके आगे वह रोते-चिल्लाते हुए कहती हैं कि मुझे वह मरा हुआ चाहिए, जिसने मेरे भाई को मारा। इस पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वह मरेगा, जिसने विनय नरवाल को मारा।' विनय नरवाल की बहन का बयान यह बयान सोशल मीडिया पर चल रहे उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया कि वहां स्थानीय लोगों ने तुरंत ही पीड़ितों की मदद की थी। इसके अलावा स्थानीय प्रशासन के भी कुछ मिनटों में वहां पहुंचने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन विनय नरवाल की बहन ने उन्हें गलत बताया। उन्होंने साफ कहा कि मेरा भाई डेढ़ घंटे तक जिंदा था और कोई मदद के लिए होता तो उसकी जान बच सकती थी। वहीं उनकी पत्नी हिमांशी को भी एक वीडियो में सुना जा सकता है कि कैसे आतंकियों ने उनके लेफ्टिनेंट पति को धर्म पूछकर मार डाला। हिमांशी ने कहा, मैं भेलपुरी खा रही थी और मेरे पति भी वहीं थे। एक व्यक्ति आया और पूछा कि क्या वह मुस्लिम है और जब उसने इनकार किया तो उस व्यक्ति ने उन्हें गोली मार दी। लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को उनके सहकर्मियों ने एक हंसमुख और समर्पित अधिकारी बताया। नौसेना के एक अधिकारी ने बताया, लेफ्टिनेंट नरवाल हमेशा हंसमुख और अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहते थे।

पहलगाम हमले पर बोले- मौलाना रशीद महली- सरकार के फैसले सही, देश एकजुट

लखनऊ , एजेंसी।
पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की हत्या के बाद पूरे देश में गुस्से और शोक का माहौल है। ऐसे समय में केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए कड़े कूटनीतिक फैसलों का ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य और लखनऊ स्थित ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने समर्थन किया है। उन्होंने इसे वक्त की जरूरत बताया है। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि पर रोक हो या पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करना, या दूतावास से संबंधित निर्णय, ये सभी निर्णय बिल्कुल सही दिशा में उठाए गए हैं और इनकी देश को इस समय सख्त आवश्यकता थी। मौलाना ने कहा कि पाकिस्तान को अब समझना चाहिए कि उसकी सेना और सरकार की इन आतंकवादी गतिविधियों को दुनिया के किसी भी मंच पर समर्थन नहीं मिलने वाला। उन्होंने पाकिस्तान की आवाम से भी अपील की कि वे अपने हुक्मरानों और सेना के खिलाफ आवाज उठाएं, जो बार-बार ऐसे कायराना और शर्मनाक कदम उठाकर अपने ही मुल्क को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पहले ही वैश्विक मंचों पर अपनी छवि बिगाड़ चुका है और अब समय आ गया है कि वहां की जनता अपनी सरकार से जवाबदेही मांगे। उन्होंने यह भी अपील की कि भारत की सभी राजनीतिक पार्टियां इस दुख की घड़ी में एक मंच पर आएं और एकजुट होकर सरकार के साथ खड़ी हों। उन्होंने कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय संकट के समय जब सरकार देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए निर्णय ले रही है, तब सभी दलों को मिलकर उन निर्णयों का

समर्थन करना चाहिए ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संदेश जाए कि भारत एकजुट है और आतंकवाद के खिलाफ एक साथ खड़ा है। मौलाना खालिद रशीद ने यह भी कहा कि सभी धर्मगुरु, राजनीतिक दल और नागरिक समाज के लोग इस आतंकी हमले की निंदा कर रहे हैं और उन्होंने यह साफ किया कि किसी भी धर्म में आतंकवाद या हिंसा का समर्थन नहीं किया जाता। उन्होंने खासतौर पर सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे भड़काऊ संदेशों पर चिंता जताई और कहा कि इस तरह की पोस्ट देश की एकता को कमजोर कर सकती हैं। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे इस हमले को किसी धार्मिक चश्मे से न देखें और किसी धर्म विशेष को दोष न दें, क्योंकि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। मौलाना ने कहा कि इस संकट की घड़ी में हर भारतीय को अपने राजनीतिक और धार्मिक मतभेदों से ऊपर उठकर सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए ताकि देश के अंदर और बाहर यह संदेश जाए कि भारत आतंकवाद के खिलाफ एकजुट और अडिग है।

ग्रेटर नोएडा के गांवों में अब बिजनेस करना पड़ेगा महंगा, सर्किल रेट बढ़े

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।
सर्किल रेट लागू होने के बाद नोएडा के गांवों में व्यवसाय करना ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों से ज्यादा महंगा हो जाएगा। नोएडा के अट्टा, आगाहपुर, चौड़ा रघुनाथ पुर गांव में एकल वाणिज्यिक संपत्ति दर 1.36 लाख से 1.90 लाख तक करने की तैयारी है। वहीं, ग्रेनो के अल्फा 1 और 2 समेत अन्य सेक्टरों में एकल दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान की दर 1.28 लाख प्रति वर्गमीटर तक प्रस्तावित है। जिले के तीनों प्राधिकरण ने अपने-अपने क्षेत्र में संपत्तियों की आवंटन दरों में वृद्धि कर दी है। जिला प्रशासन भी गौतमबुद्ध नगर में इसी महीने ही नए सर्किल रेट लागू करने की तैयारी है। जिले में विभिन्न संपत्तियों की प्रस्तावित नई रेट लिस्ट को भी सार्वजनिक किया जा चुका है। नई रेट लिस्ट के मुताबिक नोएडा के अट्टा गांव में एकल दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान की संपत्ति दर 1.70 लाख से बढ़ाकर 1.90 लाख हो जाएगी, जबकि एकल से भिन्न (तल वार) वाणिज्यिक संपत्ति दर को 1.48 से बढ़ाकर 1.70 लाख करने की तैयारी है। इसी तरह से आगाहपुर में एकल दुकान का रेट 1.36 लाख और चौड़ा रघुनाथ व चौड़ा सादतपुर में 1.20 लाख तक प्रस्तावित है। वहीं बात करें ग्रेनो के अल्फा-1 व 2, गामा-1 व 2, ओमेगा 1, 2 व 3 की तो यहां एकल वाणिज्यिक संपत्ति दर 1.28 लाख व निर्मित संपत्ति की दर 1.80 प्रस्तावित की गई है, जबकि अन्य सेक्टर जैसे इकोटेक-1, 2, 3, 6, 7, 8, 9, 10 व ईटा-1, 2 व एनआरआई सिटी में एकल वाणिज्यिक संपत्ति दर एक लाख से 1.50 लाख तक ही प्रस्तावित है। एकल दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान का मतलब, ऐसी दुकान या व्यापार की जगह से है, जो भूमि और उसपर बनी पूरी इमारत जिसे एक साथ एक ही बार में बेजा जा सकता हो, चाहे वो इमारत एक मंज़िल की हो या कई मंज़िल की, लेकिन सारी की सारी एक ही कागज (बिक्री पत्र) से बेची जा रही हो, जबकि एकल से भिन्न वाणिज्यिक भवनों में स्थित दुकानों का मतलब है कि ऐसी दुकानें जो किसी बड़े कॉम्प्लेक्स या मॉल जैसी बिल्डिंग में हों, जहां जमीन और इमारत पूरी की पूरी नहीं बेची जा रही, बल्कि सिर्फ उसका एक हिस्सा (जैसे एक दुकान) बेचा जा रहा हो।

फरीदाबाद के कई इलाकों में पानी की किल्लत

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद के बाईपास रोड स्थित डीएनडी-केएमपी एक्सप्रेसवे पर गुरुवार को रेनीवेल लाइनों को आपस में जोड़ने का काम किया जाएगा। इस दौरान आसपास के कई इलाकों में सुबह 11 से रात 11 बजे तक पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान कई जगह रेनीवेल की पेयजल लाइन नीचे दब गई है, जिससे पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) की ओर से लाइनों को बाहर निकाल कर नए सिरे से जोड़ा जा रहा है। बूस्टर तक नई लाइनें बिछाई जा रही है।

गुरुवार को रेनीवेल नंबर-3 को सेक्टर-9 एसबीएस (स्ट्रेटेजिक बूस्टर स्टेशन) से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। यह कार्य बाईपास रोड स्थित साइट पर किया जाएगा। इसके चलते सुबह 11 बजे से रात 11 बजे तक 12 घंटे की शटडाउन निर्धारित किया गया है। एफएमडीए अधिकारियों और फील्ड स्टाफ की बैठक के बाद शटडाउन को मंजूरी दी गई है, जिससे कार्य को सुरक्षित और कुशलता से पूरा किया जा सके। लोगों से अपील की गई है कि वह पहले से ही पेयजल का इंतजाम कर लें तो बेहतर रहेगा।

मरम्मत कार्य के दौरान सेक्टर-9, सेक्टर-10, सेक्टर-11 और डबुआ कॉलोनी, जनता कॉलोनी, सारन तालाब, अग्रवाल बूस्टर, एयरफोर्स स्टेशन, परशुराम बूस्टर, पर्वतीय कॉलोनी आदि क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इन क्षेत्रों के लोग आवश्यक पानी पहले से एकत्रित कर लें जिससे दैनिक कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी न हो। कार्य की प्रगति और अन्य जानकारी के लिए एफएमडीए के जेई मोहम्मद अनीश से मोबाइल नंबर 8813078866 संपर्क किया जा सकता है।

गुरुग्राम में ढाई हजार एकड़ में बनेगी जंगल सफारी

गुरुग्राम , एजेंसी।
मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में बनने जा रही दुनिया की सबसे बड़ी जंगल सफारी पहले चरण में ढाई हजार एकड़ में ही विकसित होगी। पर्यावरणविदों और लोगों के लगातार विरोध के बाद वन विभाग ने अब इसका क्षेत्रफल घटाकर ढाई से तीन हजार एकड़ करने की योजना बनाई है। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम और नूंह में मौजूद अरावली के जंगल में दस हजार एकड़ में जंगल सफारी बनाने की घोषणा की थी।

दो साल से इस जंगल सफारी को लेकर लगातार योजनाएं बनाई जा रही है, लेकिन अभी तक धरात्तल पर कोई भी काम शुरू नहीं हुआ है। हालांकि बीते माह 18 मार्च को बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी दस हजार एकड़ में जंगल सफारी विकसित करने के लिए बजट में प्रावधान करने की बात कही थी, लेकिन अब वन विभाग ने योजना में बदलाव कर दिया है। नई योजना के अनुसार ढाई से तीन हजार एकड़ में ही जंगल सफारी विकसित की जाएगी। इसे लेकर अब वन्य जीव विभाग योजना तैयार कर रहा है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार दस हजार एकड़ का क्षेत्र काफी बड़ा हो रहा था। इतने बड़े क्षेत्र की आवश्कता नहीं होती है। इसके अलावा पर्यावरणविदों द्वारा लगातार विरोध किया जा रहा है कि जंगल सफारी से अरावली में पर्यावरण के साथ वन्य जीवों को इससे नुकसान होगा। अब अरावली में ढाई से तीन हजार एकड़ चिन्हित की जाएगी, जहां 40 फीसदी से कम पेड़ हैं। विभाग द्वारा अरावली में खाली जगहों पर इसे बनाया जाएगा।

अरावली पर्वत में बाड़ वाले क्षेत्र बनाए जाएंगे, जिसमें बड़ी बिल्लियों के लिए बड़े बाड़े, शाकाहारी जानवरों के लिए अन्य क्षेत्र, एक पक्षी पार्क और पैदल यात्रियों के लिए प्रकृति पथ शामिल होंगे।

साल 2000 से चली आ रही प्रक्रिया को किया नजरअंदाज, जम्मू-कश्मीर पुलिस से कहां हुई चूक?

श्रीनगर, एजेंसी।
अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा के दौरान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद संभावित इलाकों का जोखिम मूल्यांकन न करना जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक बड़ी चूक के रूप में देखा जा रहा है। यह मैपिंग हर बार किसी बड़े विदेशी नेता की यात्रा से पहले एक मानक संचालन प्रक्रिया (स्ह्रक्क) के तहत की जाती रही है। इस प्रक्रिया को खासतौर से साल 2000 के चित्तिसिंहपुरा नरसंहार के बाद से अपनाया जा रहा है।

20 मार्च 2000 को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के चित्तिसिंहपुरा गांव में हुए नरसंहार में 35 सिख पुरुषों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। यह घटना रात करीब 7॰45 बजे हुई। कथित तौर पर सेना की वर्दी में आए हथियारबंद आतंकवादियों ने गांव के सिख पुरुषों को गुरुद्वारे के बाहर इकट्ठा होने का आदेश दिया। इसके बाद, उन्हें लाइन में खड़ा कर गोली मार दी गई। यह हमला भारत में सिख समुदाय के खिलाफ सबसे भीषण आतंकी घटनाओं में से एक माना जाता है।

इस नरसंहार का समय भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि यह तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भारत दौरे (19-25 मार्च 2000) के दौरान हुआ था। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों से जोड़ी गई, हालांकि जांच में कई विवाद और अनसुलझे सवाल सामने आए। इस घटना ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा प्रोटोकॉल को और सख्त करने की आवश्यकता पर बल दिया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस एस ओ पी के तहत, हर बार जब कोई शीर्ष विदेशी गणमान्य व्यक्ति जम्मू-कश्मीर का दौरा करता है, तो उन क्षेत्रों की पहचान की जाती है जो आतंकवादी हमलों की दृष्टि से संवेदनशील माने जाते हैं। इनमें प्रमुख पर्यटक स्थल, धार्मिक स्थल और भीड़भाड़ वाले इलाके शामिल होते

हैं। इन जगहों को या तो आम जनता के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाता है या वहां अतिरिक्त सुरक्षा तैनात की जाती है।

हालांकि, इस बार वेंस की यात्रा से पहले ऐसा कोई सुरक्षा मानचित्रण नहीं किया गया। सुरक्षा तंत्र से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, अगर यह मैपिंग की गई होती, तो पिकनिक स्पॉट्स जैसे पहलगाम और खासकर बैसारन में अस्थायी पुलिस पिकेट्स लगाए जाते। वहां हाल के दिनों में पर्यटकों की बड़ी संख्या देखी जा रही है। पुलिस की मौजूदगी एक रोकथाम का काम करती और अगर हमला होता भी, तो जवाबी कार्रवाई तेज होती।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के सूत्रों ने भी माना कि एस ओ पी के तहत हर बार ऐसी तैयारी होती है, लेकिन इस बार भ्रम इस बात को लेकर था कि क्या एस ओ पी उपराष्ट्रपतियों जैसे वरिष्ठ लेकिन शीर्ष नहीं माने जाने वाले प्रतिनिधियों की यात्रा पर भी लागू होता है, या केवल राष्ट्राध्यक्षों की यात्राओं के लिए ही। यह अस्पष्टता अब सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है, विशेषकर तब जब केंद्र सरकार आतंकवाद रोधी रणनीतियों को सख्ती से लागू करने के दावे कर रही है।

जेडी वेंस का भारत दौरा: अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने 21 से 24 अप्रैल 2025 तक भारत की चार दिवसीय यात्रा की, जिसका उद्देश्य भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना था। नई दिल्ली में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्यापार, रक्षा सहयोग और उन्नत तकनीकों पर चर्चा की। इसके बाद, वेंस ने जयपुर का दौरा किया, जहां उन्होंने सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखा, और आगरा में ताजमहल का भ्रमण किया। यह यात्रा दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने और क्षेत्रीय स्थिरता पर विचार-विमर्श के लिए महत्वपूर्ण मानी गई, हालांकि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा चूक और पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने इस दौरे पर सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर सवाल खड़े किए।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com
ई-पेपर sonvarshavani.com/epaper

विचार-मंथन

संपादकीय

स्कूलों की मनमानी और छात्रों के साथ होता गुलामों जैसा व्यवहार!

देश में शिक्षा के व्यवसायीकरण के बढ़ते दायरे का विद्रूप कई बार बेहद अफसोसनाक तस्वीर सामने कर देता है। निजी विद्यालयों में मनमानी इस कदर बढ़ती जा रही है कि वे विद्यार्थियों को केवल कमाई का जरिया समझने लगे हैं। ऐसा लगता है कि मुनाफाखोरी में लगे ये विद्यालय इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं करते कि महंगाई के इस दौर में बच्चों को किसी तरह पाल रहे कुछ माता-पिता कैसे अतिरिक्त शुल्क का बोझ सहेंगे। हालांकि इनमें ज्यादातर शुल्कों का कोई मजबूत आधार नहीं होता है, लेकिन संबंधित सरकारी महकमे अपनी आंखें मूंद कर एक तरह से इसकी अनुमति ही देते हैं।नतीजतन मनमानी बढ़ती जाती है। तकलीफदेह यह है कि शुल्क वसूलने के क्रम में स्कूल प्रबंधन की ओर से कई बार ऐसे तौर-तरीके अपनाए जाते हैं, जो न केवल नियमों के विरुद्ध होते हैं, बल्कि उसके लिए मानवीयता के सारे तकाजों को ताक पर रख दिया जाता है। गौरतलब है कि देश की राजधानी के द्वारका इलाके में स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में अनधिकृत शुल्क का भुगतान न करने पर कुछ बच्चों को पुस्तकालय में बंद कर दिया गया और उन्हें कक्षाओं में जाने से भी रोक दिया गया।इस तरह के अमानवीय व्यवहार पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने सही ही स्कूल प्रबंधन को फटकार लगाई और कहा कि छात्रों के साथ गुलामों जैसा व्यवहार करने वाले ऐसे स्कूल बंद करने लायक हैं। जबकि किसी भी वजह से स्कूलों में बच्चों को कोई भी शारीरिक दंड देने पर सख्त मनाही है और समय-समय पर अदालतें भी इसके खिलाफ निर्देश जारी करती रही हैं। किसी भी तरह के भेदभाव और सार्वजनिक प्रताड़ना से बच्चों को कोमल मन-मस्तिष्क को ठेस पहुंचती है और इससे लगे सदमे का असर लंबे समय तक बना रह सकता है।यह बाल अधिकारों का भी हनन है। दूसरी ओर माता-पिता स्वयं को अपमानित और प्रताड़ित महसूस करते हैं। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों का उत्पीड़न रोकने के लिए सुरक्षा उपाय होने चाहिए। मनमाने तरीके से शुल्क वसूलने के लिए विद्यालय द्वारा किसी भी तरह का भेदभाव हर हाल में अनुचित है।

अपनी है उर्दू

सुप्रीम कोर्ट का उर्दू से जुड़े मामले में दिया गया फैसला बताता है कि भारत जैसे देश के लिए भाषाई विविधता कितनी जरूरी है। भाषा को किसी धर्म, संप्रदाय से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। यह तो पुल की तरह है, जो लोगों को जोड़ने का काम करती है। उम्मीद है कि टिप्पणियों के रूप में आई शीर्ष अदालत की नसीहत भाषाई विवाद खड़ा करने वालों को कुछ सीख देगी।यह मामला महाराष्ट्र से जुड़ा हुआ था। वहां बॉम्बे हाईकोर्ट ने अकोला के पाटूर नगर परिषद की नई इमारत के साइनबोर्ड पर मराठी के साथ उर्दू के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट इसी फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। अदालत ने माना कि उर्दू के प्रयोग का उद्देश्य केवल प्रभावी संवाद है।भारत में आबादी की तरह भाषाएं भी मिली-जुली हैं। एक भाषा के शब्द दूसरी भाषा में कब चले जाते हैं, बोलने वाले को भी पता नहीं चलता। और उर्दू तो खासतौर पर बहन कही जाती है हिंदी की। इसके बिना रोजमर्रा की बोलचाल भी नहीं हो सकती। यूपी, बिहार जैसे हिंदीभाषी राज्यों को छोड़ दिया जाए, तो कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना जैसे दक्षिण के राज्यों में भी उर्दू बोलने वालों की अच्छी-खासी तादाद है। जिस महाराष्ट्र में यह विवाद हुआ, वहां स्थापित फिल्म इंडस्ट्री उर्दू के लफ्जों के बिना एक कदम भी नहीं चल पाएगी।उर्दू से जुड़ा विवाद उस मानसिकता की देन है, जिसके हिसाब से यह भाषा भारत की नहीं है। यह धारणा बना ली गई है कि जिस तरह धर्म के आधार पर देश का बंटवारा हुआ और उसके परिणाम में मानव इतिहास का सबसे बड़ा विस्थापन देखना पड़ा, उसी तरह उर्दू को भी भारत से विस्थापित हो जाना चाहिए। हालांकि भाषाएं अपना देश नहीं छोड़ा करतीं और उर्दू तो भारत की ही है, जैसे संस्कृत, हिंदी या फिर बांग्ला। इन भाषाओं ने अपने शब्दों, साहित्य से दूसरी भारतीय भाषाओं को और समृद्ध ही किया है। उर्दू का अदब और रेशमी सलीका भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, जिसे कोई नकार नहीं सकता।बहुभाषी देश में भाषाओं को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है। दक्षिण भारत में हिंदी को लेकर प्रतिरोध बहुत पुराना है। हाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की वजह से यह मामला फिर उछला था। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने आरोप लगाया था।

कार्यपालिका की शह पर शुरू हुई विधायिका-न्यायपालिका के अधिकारों की जंग?

(डॉ. रवीन्द्र अरजरिया)

देश के आन्तरिक हालात चिन्ताजनक होते जा रहे हैं। न्यायपालिक और विधायिका के टकराव की स्थिति मे कार्यपालिका पूरा आनन्द ले रही है। पांच साल के लिए आने वाली सरकारों को ज्ञान की कक्षायें देने वाली कार्यपालिका के कुछ बेहद चतुर अधिकारी सलाहकार बनकर उलझाव की स्थितियां निर्मित करने में महात्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उच्चतम न्यायालय व्दारा राष्ट्पति तक को निर्देश देने की घटना ने एक बार फिर संविधान की समीक्षा की आवश्यकता पैदा कर दी है। सत्ताधारी दल के साथ वैचारिक मतभेद वाले विपक्ष ने अब राष्टहित, नागरिक हित और व्यवस्था हित की कीमत पर वाक्यतीर चलाने शुरू कर दिये हैं। आरोपों-प्रत्यारोपों के मध्य कठिन परिस्थितयां नित नये सोपान तय कर रहीं हैं। झारखण्ड के गोड्डा संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित सांसद निशिकान्त दुबे से लेकर उप-राष्ट्पति जगदीप धनखड़ तक ने न्यायपालिका को आडे हाथों लिया है। ऐसे में एक देश-एक कानून, एक देश-एक चुनाव और एक देश-एक व्यवस्था लागू हुए बिना आये दिन के टकराव रोक पाना असम्भव नहीं तो अत्याधिक कठिन अवश्य है। कभी केन्द्र के व्दारा पारित होने वाले कानूनों को राज्य व्दारा मानने से इंकार किया जाता रहा है तो कभी व्यायपालिका व्दारा कानून का मनमाना संशोधन होता रहा है। उदाहरण के तौर पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व्दारा वफ्फ कानून को मानने से इंकार करने से लेकर उच्चतम न्यायालय व्दारा आर्टिकल 377 के माध्यम से होमोसेक्सुअलिटी को अपराध मानने की व्यवस्था को अबालिश करने तक के अनेक प्रकरण देखे जा सकते हैं। समय-समय पर संविधान की पुनर्समीक्षा की मांग उठती रही है परन्तु सत्ता पक्ष और विपक्ष के मध्य वोट बैंक बढाने की लालची प्रवृत्ति ने हमेशा ही शून्य परिणाम ही दिये हैं। गहराई से विवेचना करने पर पूरा प्रकरण ही कार्यपालिका के चुनिन्दा अधिकारियों की देने प्रतीत होता है। कार्यपालिका के अनेक अधिकारियों के मनमाने फरमानों के विरुध्द जब उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने तबज्जोह नहीं दी तो मजबूरी में पीडित को न्यायपालिका के दरवाजे पर दस्तक देने के लिए बाध्य होना पडा। यही वह समय था जब न्यायपालिका ने कार्यपालिका पर शिकंजा कसना शुरू किया। पीडितों को न्याय देने के लिए उसने आदेश पारित करना शुरू कर दिये। प्रारम्भिक काल में पीडित को अदालतों से राहत तो मिली मगर मनमाना फरमान जारी करने वालों को पर्याप्त दण्ड का अभाव दिखाई पडा। समय के साथ परिस्थितियां बदलती चलीं गईं। राजस्व के अनगिनत प्रकरणों ने विकराल रूप लेकर आपराधिक वारदातों में इजाफा करना शुरू कर दिया। न्यायपालिका के अनेक आदेशों पर कार्यपालिका का उपेक्षात्मक रूप भी सामने आया जिस पर कडा रुख अपनाते ही कार्यपालिका का दण्डवत होना शुरू हो गया। वर्तमान हालात यह है कि कार्यपालिका हमेशा ही न्यायपालिका के समक्ष हाथ जोडे खडी रहती है जबकि विधायिका के कई सदस्यों की अनेक संस्तुतियां अधिकारियों के प्रतीक्षा सूची वाले पैड में धूल खाते-खाते लुप्त हो जातीं हैं। कार्यपालिका की चतुराई के सामने अनेक जनप्रतिनिधियों का राजनैतिक ज्ञान बौना पड जाता है। संवैधानिक शिक्षा का अभाव, विभागीय पैचीदगी से अनभिग्यता तथा स्वयं के अधिकारों के उपयोग की गैर जानकारी के कारण मंत्रियों पर सचिव, विधायकों-सांसदों पर सरकारी निजी सहायक और अन्य जनप्रतिनिधियों पर विभाग प्रमुख हावी रहते हैं। कानून के लचीलेपन का फायदा उठाने में माहिर लालफीताशाही ने अपनी निरंकुशता को बचाये रखने के लिए न्यायपालिका को सम्मान देने का तरीका निकाल लिया है। ज्ञातव्य है कि स्वाधीनता के बाद कलेक्टर को राजस्व वसूली तथा राजस्व प्रकरणों तक ही सीमित अधिकार दिये गये थे जिसे समय की आवश्यकता बताते हुए निरंतर विस्तार दिया जाता रहा और आज हालात यह है कि कलेक्टर जिले का एक मात्र मुखिया माना जाता है। सभी विभागाध्यक्ष उनसे सामने नतमस्तक रहते हैं। उनका आदेश ही अध्यादेश बनकर व्यवहार में परिलक्षित होता है। दूसरी ओर पांच साल के लिए पदस्थ होने वाले जनप्रतिनिधियों के चुनावी दंगल में राजनैतिक पार्टियां जीत के लिए जातिगत समीकरणों, आर्थिक सम्पन्नता और जनबल की ठेकेदारी जैसे मापदण्डों को प्रमुखता देकर अपने उम्मीदवारों का चयन करतीं है ताकि जीत के आंकडों में ऊपर पहुंचा जा सके। योग्यता, अनुभव और अधिकारों के वास्तविक स्वरूप से अनभिग्य जनप्रतिनिधियों को भीवी चुनावों में जीत हासिल करने वाली रणनीति के तहत सत्ता में बडे दायित्व दिये जाते हैं तब कार्यपालिका में बैठे उनके अधीनस्त सरकारी मुलाजिमों की पांचों अंगुलियां घी में और सिर कढाई में हो जाती है। योग्यता और कथित योग्यता के शीर्ष पर स्थापित चतुर कार्यपालिका जब संविधान की बारीकियों को जानने वाली न्यायपालिका के अहम् को संतुष्ट करने में सफल रही है फिर विधायिका में प्रवेश पाने वालों को इच्छित दिशा में मोडना तो उनके लिए बांये हाथ काम है। कहा जाता है कि कार्यपालिका के व्दारा ही न्यायपालिका को विधायिका के कार्यों में दखल देने हेतु अवसर प्रदान किये जाते हैं। चुनावी संग्राम में विवादास्पद स्थितियों का निर्माण, घोषणाओं पर शंकाओं का प्रादुर्भाव और व्यवस्था पर अपारदर्शिता के प्रत्यक्षीकरण जैसे कारक कार्यपालिका की ही देन होते हैं जिन पर न्यायपालिका की दखलंदाजी आवश्यक प्रतीत होने लगती है। पराजित प्रत्याशी की पीडा को न्याय मिलना बेहद जरूरी होता है। सो निर्वाचन से लेकर परिणामों की घोषणाओं तक की विवादास्पद स्थितियों में सत्य पाने हेतु कई बार तो असत्य भी भागदौड करने लगता है। ऐसे में न्यायालयों की भूमिका का विस्तार आम आवाम से हटकर विधायिका के क्षेत्र तक पहुंच जाता है। वर्तमान में तो हालात यहां तक पहुंच गये हैं कि न्यायपालिका ने अनुच्छेद 142 के आधार पर देश के सर्वोच्च पद पर आसीत राष्ट्पति तक को निर्देश जारी कर दिये है। इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि आने वाले समय में राष्ट्पति को भी कटघरे में खडे होने का आदेश जारी होगा। दूसरी ओर दिल्ली के जस्टिस यशवन्त वर्मा पर लगे आरोपों पर अभी तक प्राथमिकी तक दर्ज नहीं हुई है। वर्तमान हालातों की तह तक पहुंचने के लिए इस बात की समीक्षा आवश्यक है कि कहीं कार्यपालिका की शह पर तो विधायिका-न्यायपालिका के अधिकारों की जंग शुरू नहीं हुई है? इस हेतु देश के आम नागरिकों को बेहद संवेदनशील होकर सक्रिय होना पडेगा तभी संविधान के तीनों अंगों में चल रही कथित वर्चस्व की जंग समाप्त हो सकेगी अन्यथा सत्ता और विपक्ष का यह सांप-सीढी वाला खेल आन्तरिक अशान्ति का कारण बने बिना नहीं रहेगी।

> *चुनावी संग्राम में विवादास्पद स्थितियों का निर्माण, घोषणाओं पर शंकाओं का प्रादुर्भाव और व्यवस्था पर अपारदर्शिता के प्रत्यक्षीकरण जैसे कारक कार्यपालिका की ही देन होते हैं जिन पर न्यायपालिका की दखलंदाजी आवश्यक प्रतीत होने लगती है। पराजित प्रत्याशी की पीडा को न्याय मिलना बेहद जरूरी होता है।*

अदालतों से फटकार खाकर भी नहीं सुधर रही देश की पुलिस

(योगेंद्र योगी)

पुलिस के कुकृत्यों सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकडने के बजाए कई मामलों खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है। नेताओं की हाथों की कठपुतली बनी पुलिस प्रणाली देश के आम लोगों का विश्वास जीतने में पूरी तरह नाकाम रही है। पुलिस का आचरण और व्यवहार आजादी के बाद भी सामंती बना हुआ है। अपराध रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के अपराधियों की तरह आचरण करने से वर्दी दागदार हो रही है। पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्रों में होने के कारण सत्तारुढ़ दलों के इशारों के बगैर काम नहीं करती है। ऐसे ही हालात पुलिस पर पक्षपात करने के जिम्मेदार हैं। अधिनस्थ से लेकर देश की शीर्ष अदालत कई बार पुलिस की कारगुजारियों को उजागर किया है। इसके बावजूद पुलिस के रवैये में कोई खास बदलाव नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट ने दीवानी मामले में आपराधिक कानून लगाने पर उत्तरप्रदेश (यूपी) पुलिस को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि यूपी पुलिस की ओर से दीवानी मामलों में दर्ज की गईं प्राथमिकियों पर गौर करने से पता चलता है कि राज्य में कानून का शासन पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। पुलिस के कुकृत्यों सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकडने के बजाए कई मामलों खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है। मोगा सेक्स स्कैंडल साल 2007 में सुर्खियों में आया। उस समय पंजाब में अकाली-भाजपा गठबंधन की सरकार थी। इस स्कैंडल में कई हाई प्रोफाइल राजनेता और सीनियर पुलिस अधिकारी शामिल थे। ये सब मिलकर अमीर लोगों को देह व्यापार में फंसाते थे। पुलिस की कारगुजारियों का पर्दाफाश सुप्रीम कोर्ट ने एक मृत्युदंड के मामले में भी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के आरोप में निचली अदालत से मौत की सजा प्राप्त एक युवक को बरी करते हुए पुलिस प्रक्रिया पर तीखी टिप्पणियां की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सभी फोरेंसिक और गवाहों की रिपोर्टों की बारीकी से समीक्षा की और पाया कि आरोपी के खिलाफ कोई विश्वसनीय सबूत नहीं था। इस तरह एक निर्दोष व्यक्ति ने 10 साल फांसी की सजा के साए में जेल में बिताए, जबकि पुलिस और न्यायिक व्यवस्था की नाकामी साफ नजर आई। सुप्रीम कोर्ट पुलिस और सत्तारुढ़ दलों के नापाक गठजोड़ को कई बार उजागर कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश रहे एनवी रमना ने एक मामले में कहा था कि देखा जा रहा है कि पुलिस के अधिकारी सत्ता में मौजूद राजनीतिक पार्टी का फेवर करते हैं और सत्ता पक्ष के विरोधियों के खिलाफ कार्यवाही करते हैं। बात यहीं खत्म नहीं होती जब विरोधी पक्ष के लोग सत्ता में आते हैं तो उन्हीं पुलिस अफसरों पर कार्यवाही करते हैं। देश में इस तरह का जो ट्रेंड दिख रहा है वह काफी परेशान करने वाला है। मुख्य न्यायाधीश रमना ने कहा था कि इसके लिए पुलिस विभाग को ही जिम्मेदार ठहराना चाहिए। पुलिस को चाहिए कि वह कानून के शासन पर टिके रहें। वह सत्ता और विपक्ष किसी के साथ न होकर स्वतंत्र रूप से काम करें। सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी छत्तीसगढ़ के निलंबित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुरजिंदर पाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए की थी। पाल के खिलाफ पुलिस ने सत्तारुढ दल के इशारे पर आय से अधिक सम्पत्ति और राजद्रोह का मामला दर्ज किया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा रहे न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने कोलकाता चिकित्सक के बलात्कार-हत्याकांड की सुनवाई के दौरान कहा था कि कोलकाता पुलिस ने इस मामले को जिस तरह से संभाला, वह कुछ ऐसा है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5711

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5710

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

वर्ग पहेली 5711

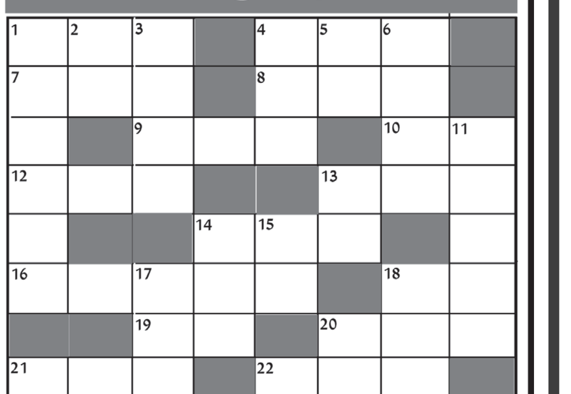

संकेतः बाएं से दाएं
1. 28 मई 2008 को भारत के इस पडौसी देश ने 240 साला पुरानी राजशाही का अवसान हुआ (3)
4. विश्व में गेंहू की मंडी के नाम से विख्यात विनिपेग नाग इस देश में स्थित है (3)
7. मूल्य, दाम, मोल (3)
8. नापने का मापदंछ, रूप (3)
9. आवरण या अवरोध हटाना, बंधन रहित करना (3)
10. जिसके अवयव पास-पास सट हो, सघन (2)
12. गति, चाल (3)
13. उत्कृष्ट, नितांत, पराकाष्ठात्मक (3)
14. भिन्न अर्थ वाला, अर्थहीन (3)
16. मुख्य लोगों का दरबार (5)
18. आर्द्रता युक्त, अधिक गीला (2)
19. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट (2)
20. गुजरात का एक प्रसिद्ध व्यंजन (3)
21. यह लेबनान की राजधानी है (3)
22. यह महर्षि परशुराम का शस्त्र है (3)

ऊपर से नीचे
1. निर्देशक केदार शर्मा ने राकेश रोशन के पिता संगीतकार रोशन को इस फिल्म (1949) में मौका दिया था (6)
2. हथेली को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
3. हमेशा लातें खाने वाला (4)
4. श्रमादि करके धन उपार्जि करना (3)
5. तंदूर में पकाई जाने वाली मोटी खमीरी रोटी (2)
6. पोस्टऑफिस, डाकखाना (4)
11. हिंदुओं के सोलह संस्कारों में से एक जिसमें बालक का नाम रखा या स्थिर किया जाता है (5)
13. पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर (2)
14. प्राकृतिक झील, खाड़ी (3)
15. रक्त वाहिनी नली, रग (2)
17. ईश्वर का दिया हुआ धन आदि (3)
18. टौंस नामक नदी (3)
20. कड़ा, तीक्ष्ण, गधा (2)

वर्ग पहेली 5710 का हल

ज	वा	ह	र	ला	ल		स्व
न	ह	र		ल	ब	रे	ज
क		जा	पा	न		व	न
सु	ना	ना		पा	व	ती	
ता	न		कि	ल	य		बे
	का	बा		न		गु	रू
अ	र	ब			ज	मा	त
र्थ		र	घु	नं	द	न	

आज का राशिफल

मेष
आज दिन व्यस्तता से भरा होगी और आप हर कार्य को सफलता के साथ पूर्ण करेंगे। कार्यस्थल पर अत्यधिक दबाव हो सकता है, जिससे मानसिक और शारीरिक थकान होगी। यात्रा के दौरान सावधानी बरतें, विशेषकर पैरों में चोट लगने की संभावना है। निर्णय लेने में बहुत मजबूत रहेंगे और आपके निर्णयों से दूसरों को लाभ होगा।

वृष
आज जातकों के लिए दिन सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि लेकर आया है। यदि आप किसी सरकारी कार्य या प्रतिष्ठान से जुड़े हैं, तो आपके कार्यों की सराहना हो सकती है और सम्मान प्राप्त हो सकता है। पुराने मित्रों से पुनः संपर्क होगा और उनमें से कुछ आपकी मदद के लिए तत्पर रहेंगे। दिन आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा।

कर्क
आज दिन कुछ लाभदायक और कुछ चुनौतीपूर्ण रहेगा। आपको कीमती वस्तुएं या उपहार प्राप्त हो सकते हैं, लेकिन साथ ही अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं जो आपकी योजना को प्रभावित कर सकते हैं। ससुराल पक्ष से आदर और सम्मान मिलेगा, जो आत्मविश्वास बढ़ाएगा। व्यवसाय में अटके हुए कामों में गति आएगी।

सिंह
आज दिन सामाजिक और पारिवारिक दृष्टि से अत्यंत सुखद रहेगा। किसी पुराने पारिवारिक विवाद, विशेष रूप से संतान से जुड़े विषयों में समाधान मिलेगा। आपका खुशमिजाज और सौम्य स्वभाव लोगों को आकर्षित करेगा और नए संबंध बनेंगे। समाज में मान-सम्मान प्राप्त होगा। यदि आप किसी रचनात्मक क्षेत्र जैसे कला, लेखन या संगीत से जुड़े हैं।

मिथुन
आज दिन मिश्रित फल देने वाला हो सकता है। इससे निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है। उदासी और थकान भी महसूस हो सकती है, लेकिन दोपहर बाद चीजें सुधरने लगेंगी। ससुराल पक्ष से कोई अप्रिय सूचना या तकरार हो सकती है, जिससे मन खिन्न हो सकता है।

कन्या
आज दिन बौद्धिक और रचनात्मक गतिविधियों में व्यतीत होगा। आप नई-नई योजनाएं बनाएंगे और उन्हें लागू करने के लिए प्रयास करेंगे। धन खर्च सीमित रखें और केवल आवश्यकताओं पर ही व्यय करें। सांसारिक सुख-सुविधाएं और घरेलू सहयोग मिलेंगे।

तुला
आज दिन हर कार्य को सावधानी से करने का है। खानपान और दिनचर्या में अनुशासन बनाए रखें। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें क्योंकि व्यर्थ के खर्चों का योग बन रहा है। सामाजिक रूप से कुछ कार्यों में बाधाएं आ सकती हैं, जिससे मन व्यथित हो सकता है। किसी लाभ या आय से मन को संबल मिलेगा और धर्म, पूजा-पाठ, ध्यान आदि में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक
आज दिन भाग्य से भरपूर रहेगा। पिछले परिश्रमों का सुखद फल मिलने की संभावना है। सुख और सम्मान की प्राप्ति होगी। ननिहाल पक्ष से प्रेम और सहयोग प्राप्त हो सकता है, जो आपको भावनात्मक बल देगा। जीवनशैली में भव्यता लाने के लिए धन खर्च कर सकते हैं,कार्यक्षेत्र में आपकी उपस्थिति और संवाद शैली प्रभावशाली रहेगी। आपकी योजनाएं और भी सशक्त होंगी।

मकर
आज दिन अत्यंत शुभ और फलदायक है। कार्यक्षेत्र में नई उपलब्धियों को प्राप्त कर सकते हैं। संपत्ति में वृद्धि और अधिकारों की रक्षा हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे। आप दूसरों की भलाई के लिए कार्य करेंगे, जिससे आपको आत्मिक संतोष मिलेगा। यदि आप कोई नया कार्य शुरू करना चाहते हैं या निवेश की योजना बना रहे हैं, तो दिन शुभ रहेगा।

कुंभ
आज दिन मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आप खुद को थोड़ा व्याकुल, बेचैन और चिंतित महसूस कर सकते हैं। व्यापारिक प्रयासों में तत्काल सफलता नहीं मिलेगी, लेकिन आपका धैर्य और बुद्धिमत्ता आपको संध्या तक सफल बना सकते हैं। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी और किसी पुराने विवाद में न्याय आपके पक्ष में आ सकता है। कार्यक्षेत्र में धैर्य और सतर्कता की आवश्यकता है।

धनु
आज दिन साहस और दृढ़ता का परिचायक है। आप किसी चुनौतीपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर सकते हैं, जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता-पिता से पूर्ण सहयोग मिलेगा, जिससे आपको मानसिक संतुलन प्राप्त होगा। आपको सतर्क रहना होगा। कुछ फिजूलखर्ची हो सकती है, परंतु यदि आप उचित नियोजन करें तो नियंत्रण संभव है।

मीन
आज दिन बौद्धिक, आध्यात्मिक और सामाजिक दृष्टि से समृद्ध रहेगा। आप किसी धार्मिक कार्य में भाग ले सकते हैं या गुरुजनों के साथ संवाद हो सकता है। परोपकार और सेवा के भाव से किया गया कार्य आपको मानसिक आनंद देगा। आर्थिक रूप से भी दिन अनुकूल रहेगा, धन आगमन के योग हैं। आपके लिए तरक्की के योग बने हैं और आर्थिक मामलों में लाभ होने के योग हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/3009**

संक्षिप्त समाचार

अनाथ बच्ची तुलसी से मिले पटमदा सीओ, योजनाओं का लाभ मिलेगा

पटमदा, एजेंसी। पटमदा प्रखंड के लावा पंचायत के सिसदा गांव के आम बहाल टोला की दो वर्षीय बच्ची तुलसी सिंह के माता पिता का निधन हो जाने से बच्ची अनाथ हो गई है। इसकी जानकारी मिलने के बाद बुधवार को पटमदा सीओ डॉ राजेंद्र कुमार दास तुलसी के घर पहुंचकर उसकी दादी से मिले। तुलसी को सरकारी लाभ देने के लिए सीओ ने कागजी प्रक्रिया शुरू कर दी है। गुरुवार को बच्ची का आधार कार्ड बनाया जाएगा।

बरमसिया में किशोरी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के धनसार थाना क्षेत्र के बरमसिया शनि मंदिर के निकट रहने वाले अनूप सिंह उर्फ बिट्टू की पुत्री प्रिया कुमारी (15) ने बुधवार की शाम अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजनों की सूचना पर धनसार थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया। गुरुवार को मृतका के शव का पोस्टमार्टम किया जायेगा। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतका के पिता चेन्नई में प्राइवेट नौकरी करते हैं। यहां परिवार किराये के मकान में रहता है। बुधवार को घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद प्रिया अपने कमरे को अंदर से बंद कर लिया। कुछ देर के मां ने उसे आवाज दिया तो उसने दरवाजा नहीं खोला। बाद में दरवाजा तोड़ा गया तो देखा कि प्रिया फंदे से झूल रही है।

गैंगस्टर अमन साहू मुठभेड़ मामले में नया मोड़! अब सीआईडी ने केस को किया टेकओवर

रांची, एजेंसी। पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के अंधारीढोढ़ा में 11 मार्च को मुठभेड़ में मारे गए गैंगस्टर अमन साहू के मामले में सीआइडी ने जांच शुरू कर दी है। सीआइडी ने चैनपुर थाने में तत्कालीन एटीएस के इंस्पेक्टर प्रमोद सिंह के बयान पर दर्ज प्राथमिकी को टेकओवर करते हुए सीआइडी थाने में नया केस दर्ज किया है और अनुसंधान शुरू कर दिया है। सीआइडी ने चैनपुर थाने में दर्ज केस की फाइल, संबंधित दस्तावेज आदि को भी अपने जिम्मे ले लिया है। अमन साहू उर्फ अमन साव मामले में उसकी मां ने झारखंड उच्च न्यायालय में शिकायत की है, जिसमें अभी सुनवाई नहीं हुई है। अमन साहू कुख्यात अपराधी था। रांची के एक केस में उसे झारखंड एटीएस की टीम छत्तीसगढ़ के रायपुर जेल से ट्रांजिट रिमांड पर लेकर लौट रही थी। 11 मार्च की सुबह पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र में अमन साहू ने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। उसने एक जवान का इंसास भी छीन लिया था और एटीएस के जवानों पर फायरिंग की थी। जवाबी कार्रवाई में वह मारा गया था। इस घटना में एटीएस का जवान भी जख्मी हो गया था।

महिलाओं को रोजगार के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही

जमशेदपुर, एजेंसी। पंचायती राज दिवस पर पंचायतों में हो रहे बदलाव की तस्वीर सामने आई है। शहर के आसपास के पंचायती राज के माध्यम से जन भागीदारी से कल्याण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। इससे पंचायतों का विकास हुआ है और लोगों को सोचने समझने की प्रवृत्ति में भी बदलाव हुआ। महिलाओं को सशक्त बनाने की बात हो, बच्चों की शिक्षा हो, या फिर लोगों की आय बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। बड़ाबांकी के मुखिया राकेश मुर्मू अपने पंचायत को नशा मुक्त करने का अभियान चला रहे हैं तो पूर्वी हलुदबनी की मुखिया पानो मुर्मू महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का अभियान चला रही हैं। 4 गांव को नशा मुक्त किया, फलदार पौधे लगाए ताकि आय बढ़े बड़ाबांकी पंचायत के मुखिया राकेश मुर्मू ने नशा मुक्ति और पौधरोपण का अभियान चलाया है। एक साल में पंचायत के सात में से चार गांव पूरी तरह नशा मुक्त हो गए हैं। बाकी तीन गांवों में जागरूकता अभियान जारी है। महिलाओं को इस अभियान से जोड़ा गया है। हर दिन किसी न किसी इलाके में नशा के खिलाफ जागरूकता फैलाई जा रही है।

झारखंड में 27 अप्रैल से बिगड़ेगा मौसम, 6 जिलों में तेज आंधी-बारिश की चेतावनी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में तापमान दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है। डाल्टेनगंज में सर्वाधिक 44 डिग्री सेल्सियस तक तापमान पहुंच चुका है जबकि खूंटी में सबसे कम 19.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है।

हालांकि, 28 अप्रैल से झारखंड के कई जिलों में तेज आंधी और बारिश की संभावना है। हम नीचे खबर में बताएंगे कि आखिर किन-किन जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी रांची में भी तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। ऐसे में स्कूली बच्चों समेत आमजनों की परेशानी बढ़ गई है। लोग तपती गर्मी से परेशान हो रहे हैं और बच्चे स्कूलों में छुट्टी के बाद सिर पर कपड़े रखकर या फिर छाते का प्रयोग कर घर तक पहुंच रहे हैं।

सुबह 9 बजते ही चलना हुआ मुश्किल : राजधानी रांची सहित पूरा झारखंड लू की चपेट में है। गर्म हवा के थपेड़ों से लोग झुलस रहे हैं। सुबह 9 बजते ही सड़कों पर चलना मुश्किल हो रहा है। 11 बजते-बजते गर्म हवा बर्दाश्त के बाहर हो रही है। दोपहर 4 बजे तक मौसम की मार से जन-जीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम के इस लहजे को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। जिसमें कहा गया है कि एडवाइजरी में कहा गया है कि काम करने वाले जगह के पास ठंडा पीने का पानी उपलब्ध कराएं। कर्मचारियों को सीधे सूर्य की रोशनी से बचने के लिए सावधान करें। कठिन कामों को दिन के ठंडे समय में करने का समय निर्धारित करें।

अनावश्यक धूप में बाहर निकलने से बचें : वहीं हेल्थ को लेकर भी अलर्ट किया गया है जिसमें कहा गया है कि धूप में बाहर जाने से बचें। खासकर दोपहर 12 से तीन के बीच विशेष ध्यान रखें। दोपहर में बाहर जाते समय अधिक श्रम वाले कार्य करने से बचें। नंगे पैर बाहर न जाएं। अत्यधिक गर्मी के दौरान खाना पकाने से बचें। खाना पकाने के क्षेत्र में पर्याप्त हवा आने के लिए दरवाजे और खिड़कियां खोलें। शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेय से बचें। हाई प्रोटीन वाले भोजन करने से भी परहेज करें।वहीं 26 अप्रैल को दक्षिणी हिस्सों के अलावे उत्तर पूर्वी हिस्से यानी देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, धनबाद, गिरिडीह, जामताड़ा और साहिबगंज में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी। साथ ही इन जिलों में मेघगर्जन के साथ साथ 30 से 40 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा के भी बहने की संभावना है। इन संभावनाओं को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं, 27 अप्रैल को राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्सों के साथ साथ निकटवर्ती मध्य भाग यानी रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो और खूंटी के साथ साथ दक्षिणी हिस्सों में कहीं कहीं मेघगर्जन के साथ साथ 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा बहने को लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में बिजली गिरने को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है और मौसम विभाग ने आमजनों विशेषकर किसानों से खेत न जाने की सलाह दी है।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि राज्य में अगले चार दिनों तक यानी 24 से 27 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले तीन दिनों तक यानी 28, 29 और 30 अप्रैल को तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की उम्मीद है।वहीं दूसरी ओर, झारखंड में पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में मौसम शुष्क बना रहा।

सबसे अधिक अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज का और सबसे कम न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस खूंटी में रिकार्ड किया गया। वहीं राजधानी रांची का अधिकतम 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

झारखंड पैरेंट्स एसोसिएशन ने राज्य में जारी भीषण गर्मी और हीटवेव की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार से स्कूलों के संचालन समय में तत्काल बदलाव की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों में तापमान खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है और बाहरी गतिविधियों को सीमित करने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

हम सरकार से अपील करते हैं कि मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए स्कूलों का समय सुबह 6ः30 बजे से 10ः30 बजे तक कर दिया जाए, जिससे बच्चों को गर्मी की मार से राहत मिल सके। एसोसिएशन ने आग्रह किया है कि शिक्षा विभाग शीघ्र निर्णय लेकर स्कूल प्रबंधन को दिशा-निर्देश जारी करे, जिससे सभी विद्यालय समय पर आवश्यक व्यवस्था कर सकें।

हजारीबाग में सरकारी राशि का गबन, बीडीओ ने दर्ज कराई प्राथमिकी

हजारीबाग, एजेंसी। जिले में सरकारी राशि 23 लाख 80 हजार रुपया गबन के मामले में प्राथमिक की दर्ज की गई है. विष्णुगढ़ प्रखंड विकास पदाधिकारी ने एफआईआर दर्ज कराई है. जिले के ग्राम पंचायत अलपीटो विष्णुगढ़ प्रखंड में 15वें वित्त योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की गई थी. एमआईएस रिपोर्ट के आधार पर क्रियान्वित की गई सभी 16 योजनाओं में अनियमितता की बात सामने है. पेवर्स ब्लॉक पथ निर्माण, पुलिया निर्माण, श्मशान घाट निर्माण, चापानल की मरम्मती, जल नल कनेक्शन आदि योजनाओं में विभागीय दिशा निर्देशों की अवहेलना की गई है. इन योजनाओं में 23 लाख 80 हजार रुपए का अवैध रूप से भुगतान किया गया है।

गबन का मामला संज्ञान में आने पर विष्णुगढ़ प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार के द्वारा जांच क्रम में इस कार्य में संलग्न अलपीटो मुखिया सुमिता देवी, मुखिया पति धनेश्वर यादव, नारायण यादव, मुखिया का संबधी और तत्कालीन पंचायत सचिव सरयू पासवान की संलिप्तता पाई गई है. सभी योजनाओं का भुगतान अलग-अलग लाभुक समिति के नाम से होना था. प्रखंड विकास पदाधिकारी, विष्णुगढ़ ने इस पर कार्रवाई करते हुए अवैधकर्ताओं द्वारा सरकारी राशि का गबन एवं दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितता तथा सरकारी नियम परिनियम की अवहेलना, पद का दुरुपयोग करना, साक्ष्य मिटाना एवं अन्य अनियमितताओं के संदर्भ में भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत विष्णुगढ़ थाना में अभियुक्तों पर प्राथमिकी की दर्ज कराई गई है।

इलाज के दौरान सीएचओ ज्योति महतो की रांची में मौत

रुहीडीह आयुष्मान आरोग्य मंदिर में ड्यूटी के दौरान हुआ था हमला

रांची, एजेंसी। जमशेदपुर के एमजीएम थानांतर्गत रूहीडीह स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सीएचओ (कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर) ज्योति महतो की इलाज के दौरान रांची में मौत हो गई। उन पर स्वास्थ्य केंद्र में अपराधियों ने जानलेवा हमला किया था। गंभीर स्थिति में ज्योति महतो को रांची के मेडिका हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। ज्योति महतो की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि ज्योति स्वास्थ्य विभाग की कर्मी थी। उनकी मौत से पूरा विभाग मर्माहत है। विभाग हर हाल में इस घटना में शामिल अपराधियों को सजा दिलाएगा। वहीं जो भी संभव होगा, ज्योति के परिजनों को मदद पहुंचाई जाएगी।

क्या हुआ था शुक्रवार 18 अप्रैल की सुबह ज्योति महतो के साथ

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार 18 अप्रैल की सुबह जमशेदपुर के एमजीएम थाना क्षेत्र के रुहीडीह स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सीएचओ ज्योति महतो के ऊपर स्वास्थ्य केंद्र में ही हमला किया गया था। जिसमें जयोति महतो गंभीर रूप से घायल हो गईं थी। उन्हें गंभीर स्थिति में एमजीएम हॉस्पिटल ले जाया गया।

प्रारंभिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए टीएमएम भेज दिया। स्वास्थ्य मंत्री की पहल पर ज्योति को बेहतर इलाज के लिए टीएमएच से रांची के मेडिका हॉस्पिटल लाया गया था। सिर में तीन जगह गंभीर चोटें आने की वजह से ज्योति की स्थिति लगातार क्रिटिकल बनीं हुई थी और तमाम प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।

कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर ज्योति कुमारी

स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने दिया न्याय और सहायता का भरोसा

महतो की इलाज के दौरान मौत की जानकारी देते हुए इरफान अंसारी ने बताया कि तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और उनकी जान चली गई।

इस घटना के संबंध में आज झारखंड कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स संगठन की स्टेट प्रेसिडेंट सोनी प्रसाद और जनरल चीफ सच्चिदानंद कुमार ने मंत्री डॉ। इरफान अंसारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और पीड़िता के परिवार के लिए न्याय व सहायता की मांग की।

पूर्व विधायक और झामुमो नेता कुणाल षारंगी की उपस्थिति में स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से मृतक सीएचओ के परिजन को हर संभव मदद दी जाएगी। जो भी इस निंदनीय घटना के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़िता को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है। स्वास्थ्य विभाग और राज्य सरकार इस मामले में पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से कार्रवाई सुनिश्चित करेगी ताकि भविष्य में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना ना हो।

देवघर के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्रा की मौत पर बवाल, वार्डन पर गंभीर आरोप

देवघर, एजेंसी। झारखंड के देवघर जिले के देवीपुर स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की एक छात्रा की मौत के बाद वार्डन के खिलाफ छात्राओं और अभिभावकों ने बुधवार को मोर्चा खोल दिया। मृतका के परिजनों के साथ विद्यालय की छात्राओं ने वार्डन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि बेटी की बीमार होने की खबर पर वे विद्यालय पहुंचे थे। आरोप है कि वार्डन द्वारा पहले तो छात्रा से मिलने नहीं दिया गया। बाद में जब छात्रा की हालत गंभीर हो गयी तो परिजनों को उसे घर ले जाने का आदेश दिया गया, लेकिन रास्ते में ही बच्ची ने दम तोड़ दिया। मौत से आक्रोशित परिजनों ने जमकर बवाल काटा।

छात्रा सातवीं कक्षा में पढ़ाई करती थी। बच्ची की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों द्वारा न्याय की गुहार लगायी गयी। घटना की सूचना पर जब जिला शिक्षा पदाधिकारी बिनोद कुमार विद्यालय पहुंचे तो बच्चियों ने कई बड़े खुलासे किए। बच्चियों ने बताया कि वार्डन द्वारा छात्राओं से खाना बनाने से लेकर टॉयलेट तक साफ कराया जाता है। पूरे मामले को लेकर प्रशासनिक जांच जारी है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी बिनोद कुमार ने बताया कि मंगलवार की शाम में बच्ची की तबीयत खराब हुई थी। फिर रात में वह हल्का फुल्का खाना खाकर सो गयी। सुबह भी तबीयत खराब होने लगी, तो छात्रा को अभिभावक के साथ इलाज के लिए भेज दिया, लेकिन जब छात्रा को लेकर वे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे तो चिकित्सक ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुरोध पर मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की जा रही है। अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए विद्यालय से तत्काल वार्डन पिंकी कुमारी समेत सभी कर्मियों को हटाया जा रहा है। जांच कमेटी की रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई संभव है।

अबुआ आवास के करोड़ों रुपये आ गए, देखिए किस प्रखंड में कितनों को मिलेगा लाभ

देवघर, एजेंसी। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अबुआ आवास योजना के लाभुकों को आवास निर्माण में परेशानी नहीं हो। इस बाबत किस्त की राशि निर्धारित अवधि में दी जा रही है।

वर्ष 2023-24 के लिए द्वितीय एवं तृतीय किस्त मिलाकर तकरीबन 2.85 करोड़ रुपया निर्गत किया जा रहा है। उपायुक्त विशाल सागर ने इसकी स्वीकृति दे दी है। दूसरी किस्त में देवीपुर प्रखंड में सात, करौं सात, मधुपुर 12, मारगोमुण्डा छह, मोहनपुर चार, पालोजोरी पांच, सारठ 28, सारवां 13 एवं सोनारायठाढ़ी के दो लाभुकों के लिए स्वीकृत किया गया है। यह राशि 42 लाख है। तीसरी किस्त में 243 लाभुकों के लिए 2.43 करोड़ राशि स्वीकृत की गयी है। इसमें देवीपुर प्रखण्ड में आठ, देवघर 36, मधुपुर 57, मारगोमुंडा छह, मोहनपुर 17, पालोजोरी में 13, सारठ 72, सारवां 23 एवं सोनारायठाढ़ी के 11 लाभुक शामिल हैं।इसी प्रकार योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में चौथी किस्त में देवघर में 33, मधुपुर प्रखंड में पांच एवं मोहनपुर में तीन लाभुकों के लिए राशि दी गयी है।वितीय वर्ष 2024-25 के द्वितीय किस्त में नये एवं लंबित रहे लाभुकों के लिए भी राशि स्वीकृत की गयी है।

कांग्रेस का संविधान बचाओ अभियान 40 दिन देशभर में चलेगा आंदोलन

रांची, एजेंसी। कांग्रेस ने संविधान बदलने के कथित अभियान के खिलाफ 40 दिवसीय राष्ट्रीय आंदोलन के द्वारा संविधान बचाओ अभियान चलाने का निर्णय लिया है। मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में यह फैसला किया गया। इसके तहत 20 से 30 मई तक संविधान की प्रति लेकर घर-घर संपर्क अभियान चलाएगी।

25 से 30 अप्रैल तक राज्य स्तरीय, तीन से 10 मई तक जिला स्तरीय और 11 मई से 17 मई तक विधानसभा स्तरीय संविधान बचाओ रैली होगी। बैठक में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के। राजू ने कहा कि कांग्रेस अधिवेशन में पारित न्याय पथ के प्रस्तावों को हमें जनता के बीच ले जाना है। संविधान बचाओ अभियान के माध्यम से हम जनता को सच्चाई बताएंगे कि किस तरह और किन समुदायों को किस स्तर पर टारगेट कर भाजपा द्वारा कार्रवाई की जा रही है। भारत के लोगों को लोकतंत्र और चुनाव पर भरोसा है। यहां न्यायपालिका, चुनाव आयोग स्वतंत्र है, लेकिन इस पर मोदी सरकार वर्चस्व जमाने की कोशिश कर रही है। बैठक में कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद, मंत्री राधाकृष्ण किशोर, दीपिका पांडेय सिंह, डॉ। इरफान अंसारी, विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी, ममता देवी, राजेश कच्छप, सुरेश बैठा, कुमार जयमंगल, बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, जलेश्वर महतो, सुबोधकांत सहाय, राजेश ठाकुर, प्रदीप बलमुचु, राकेश सिंह, संजय पांडेय, लाल किशोरनाथ शाहदेव आदि उपस्थित थे।

लोकतंत्र बचाने के लिए है अभियान : प्रदीप यादव : कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव ने कहा कि देश और इसके लोकतंत्र को बचाने के लिए ही संविधान बचाओ अभियान है। देश की संवैधानिक संस्थाओं की आजादी को बचाने के लिए है। जिस तरह अमित शाह द्वारा बाबा साहब का अपमान किया गया वह देश का अपमान था। इस आंदोलन को महाअभियान बनाना है। सभी की सहभागिता बढ़ानी होगी। हमें मुख्य धारा में भी रहना है।

मंईयां सम्मान योजना पर आया नया अपडेट, अब हर 3 महीने में सरकार करेगी ये काम

रांची, एजेंसी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने मंईयां सम्मान योजना को फ्रीबीज कहे जाने पर कड़ी आपत्ति दर्ज की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस सवाल पर उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं को फ्रीबीज कहना कहीं से सही नहीं है। मंत्री ने बताया कि इस योजना का संचालन राज्य सरकार अपने संसाधनों से कर रही है और कहीं से भी इसके लिए कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ी है।

बेहतर वित्तीय प्रबंधन की ओर बढ़ते कदम का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में हर तीन महीने में राजस्व विभागों की समीक्षा होगी, हर छह माह पर वित्त मंत्री समीक्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के चलते राजस्व संग्रहण प्रभावित हुआ, फिर भी प्रयास संतोषजनक रहे हैं।

मंत्री ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में 1,06,999.57 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें से 92,189.10 करोड़ रुपये की वसूली हुई, जो कि 86.16 प्रतिशत है।

वहीं, गैर-कर प्राप्तियों सहित कुल 1,03,469.82 करोड़ रुपये यानी बजट एस्टीमेट का 80.27 प्रतिशत प्राप्त हुए हैं। वह बुधवार को सूचना भवन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। वित्त मंत्री के साथ वाणिज्य विभाग के सचिव अमिताभ कौशल और वाणिज्य कर आयुक्त अमीत कुमार भी मौजूद थे।

वित्त मंत्री ने कहा कि एफआरबीएम अधिनियम के तहत राज्यों को ऋण लेने की क्षमता से कम ही ऋण झारखंड ने लिया है। उन्होंने इस दौरान पीएल एकाउंट में राशि रखने की प्रवृत्ति को गलत करार देते हुए इसकी समीक्षा किए जाने की बात भी कही। सभी विभागों से इसकी जानकारी मांगी गई है।

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि वर्ष 2025-26 में सभी विभागों को तीन महीने में एक बार राजस्व संग्रहण की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है, और वे स्वयं छह महीने में एक बार इसकी समीक्षा करेंगे। राज्य के सभी प्रमंडलों का दौरा कर अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे, वहीं जो प्रमंडल पीछे होंगे, उन्हें विशेष निर्देश और सहायता दी जाएगी।

राजस्व व्यय की जानकारी देते हुए बताया गया कि 1,31,234.42 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जिनमें से 1,18,279.69 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। वित्त मंत्री ने भरोसा दिलाया कि राज्य के आर्थिक ढांचे को और मजबूत बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

वित्त सह वाणिज्य कर मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि झारखंड सरकार के वाणिज्य कर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्धारित लक्ष्य 26 हज़ार करोड़ रुपये के विरुद्ध 22,292.25 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण किया है। यह आंकड़ा वार्षिक लक्ष्य का 85.74 फीसदी राजस्व संग्रहण है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल राजस्व संग्रह 26,500 करोड़ रुपया का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्टेट जीएसटी मद में राजस्व संग्रहण के निर्धारित लक्ष्य 15375 करोड़ के विरुद्ध 14210.10 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण प्राप्त किया है जो वार्षिक लक्ष्य का 92.42 प्रतिशत है।

मंत्री ने कहा कि वैट के माध्यम से वर्ष 2024-25 के लिए राजस्व संग्रहण का निर्धारित लक्ष्य 9124 करोड़ रुपये के विरुद्ध कुल 6618.51 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण किया गया है जो वार्षिक लक्ष्य का 72.54 है।

मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राजस्व संगरहण का निर्धारित लक्ष्य 1413 करोड़ रुपये के विरुद्ध कुल 1361.24 करोड़ रुपये का राजस्व संगरहण किया गया है जो वार्षिक लक्ष्य का 96.34 प्रतिशत है। वर्तमान में विद्युत शुल्क के अधीन निबंधित व्यवसायियों की कुल संख्या 267 है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1600 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कार्य योजना पर बल देते हुए कहा कि इस वित्तीय वर्ष में खनन एवं विनिर्माण कार्य में संलग्न डीजल के थोक खरीद के लिए 'कर' दर कमी से राजस्व में वृद्धि होगी साथ ही एविएशन टर्बाइन फ्यूल में कर दर बढ़ाने के फलस्वरूप राजस्व में अभिवृद्धि संभावित है।

संक्षिप्त समाचार

सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के चार दोषियों को सश्रम उम्रकैद, 10 साल पुराना है मामला

वाराणसी , एजेंसी। दलित किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में विशेष न्यायाधीश तृतीय (पॉक्सो एक्ट) विनोद कुमार की अदालत ने चार अभियुक्तों को दोषी पाया है। अदालत ने अभियुक्त शैलेंद्र चौहान उर्फ अजय, अजीत चौहान, करिया यादव और विनोद यादव को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

इसके साथ ही चारों अभियुक्तों को छह लाख 80 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। अभियुक्तों द्वारा अर्थदंड देने पर अदालत ने पांच लाख 44 हजार रुपये बतौर क्षतिपूर्ति पीड़िता के परिजन को देने का आदेश दिया है। अभियोजन के अनुसार, गाजीपुर के खानपुर थाना क्षेत्र के इटहा गांव के शैलेंद्र चौहान उर्फ अजय व सैदपुर थाना क्षेत्र के खैरा गांव के अजीत चौहान और मिल्की चक, रोहनिया के विनोद यादव व करिया यादव ने तीन अप्रैल 2014 को 16 वर्षीय किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया था। इसके बाद उसे जान से मारने की नीयत से जहर पिला दिया था। उपचार के दौरान पीड़िता की मौत हो गई थी।

मामले को लेकर रोहनिया थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। अदालत ने गवाहों के बयान और उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर चारों अभियुक्तों को दोषी पाया और सजा सुनाई।

अनियंत्रित कार ने हाईवे पर राहगीरों को मारी टक्कर, दो की हुई दर्दनाक मौत

अलीगढ़ , एजेंसी। हाईवे पर एक कार अचानक अनियंत्रित हो गई। कार ने दो राहगीरों को टक्कर मार दी। दोनों की मौत हो गई। चालक कार छोड़कर वहां से भाग गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अलीगढ़ में थाना सासनीगेट क्षेत्र के मथुरा बाईपास हाईवे पर अनियंत्रित कार ने दो राहगीरों को टक्कर मार दी, जिसमें उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार हादसे में 50 वर्षीय राहगीर अशोक कुमार निवासी पंचनगरी थाना सासनीगेट एवं 58 वर्षीय रामकिशोर निवासी आईटीआई रोड कासगंज की मौत हुई है। हादसे के बाद चालक कार छोड़कर भाग गया।

कार की चपेट में आने से बाइक सवार सगे भाइयों की मौत

प्रयागराज , एजेंसी। सरायममरेज थाना क्षेत्र के जंघई के पास तेज रफ्तार की चपेट में आने बाइक सवार भाइयों की मौके पर हो गई। दोनों भाई भतीजी की चौथी लेकर भदोही गए थे। रात में लौटते समय हादसा हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। टक्कर मारने वाली कार की तलाश में पुलिस जुट गई है। हंडिया थाना क्षेत्र के महजना धनपुर निवासी ओम प्रकाश सिंह (40) और अजय सिंह (36) सगे भाई हैं। दोनों रविवार को अपनी भतीजी की चौथी लेकर भदोही जिले के दुर्गागंज हरदुआ गांव गए थे। रात में वापस लौटते समय जंघई बाजार से दुर्गागंज की तरफ देवी प्रसाद महाविद्यालय पिलखिनी के पास दुर्गागंज की ओर से आ रही कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई और जेब से मिले परिचय पत्र के आधार पर दोनों की पहचान कर परिवार वालों को घटना की जानकारी दी।

चौकी प्रभारी मारपीट मामले में आरोपी निक्की तालियान मुठभेड़ गिरफ्तार

मेरठ , एजेंसी। सरधना के सरूरपुर में भूनी चौकी प्रभारी के साथ मारपीट के मामले थाना कंकरखेड़ा क्षेत्र में आरोपियों को गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में भाकियू आंदोलनकारी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निक्की तालियान को पुलिस ने मुठभेड़ के गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी सरूरपुर अजय शुक्ला ने बताया कि बुधवार देर रात उपनिरीक्षक के साथ मारपीट के मामले में कंकरखेड़ा स्थित निक्की तालियान को गिरफ्तार करने पहुंची थी।

पुलिस को सूचना मिली थी कि उपनिरीक्षक के साथ मारपीट के मामले आरोपी कंकरखेड़ा में निक्की तालियान के घर से गिरफ्तार किया गया है।

हमें कड़ा बदला चाहिए..., सीएम से मिलकर फूट-फूटकर रोई ऐशान्या

कानपुर , एजेंसी। पहलगाम हमले में आतंकियों की गोली का शिकार हुए कानपुर के शुभम द्विवेदी के घर मुख्यमंत्री योगी पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभम द्विवेदी को श्रद्धांजलि दी।उन्होंने परिजनों से मुलाकात की और ढांढस बंधाया। इस दौरान सीए योगी शुभम की पत्नी ऐशान्या से मिले। ऐशान्या सीएम योगी से मिलकर फूट-फूटकर रोई। इस दौरान उन्होंने सीएम योगी से कड़ा बदला लेने की मांग की। इस पर सीएम योगी ने कहा कि सरकार पर भरोसा रखिए।

गुरुवार सुबह करीब दस बजे मुख्यमंत्री योगी शुभम के घर पहुंचे है। सीएम योगी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हमले में कानपुर का एक युवा भी शिकार हुआ है। यहां के एक नौजवान शुभम द्विवेदी की मौत हुई है। उसकी दो महीने पहले ही शादी हुई थी। आतंकवाद को नेस्तनाबूद कर देंगे। पहलगाम का आतंकी हमला एक क्रूर, वीभत्स और कायराना है। न केवल देश, बल्कि दुनियाभर ने इसकी निंदा की है।

सीएम योगी ने कहा कि यह घटना बताती है कि आतंकवाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है। धर्म और जाति पूछकर बहन बेटियों के सिंदूर को उजाड़ा गया है। ये बात कोई भी समाज स्वीकार नहीं कर सकता है। भारत में यह कतई स्वीकार्य नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार की जो जीरो टॉलरेंस की नीति रही है वह प्रभावी तरीके से इसके खिलाफ कदम उठाएगी। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) की मीटिंग में कड़े फैसले लिए गए हैं। मैंने शुभम के परिवार से मुलाकात की है, मैंने कल उनके पिता से बात की थी।

सीएम योगी ने कहा कि कल ही उनका पार्थिव शरीर यहां पहुंचा है, शुभम का परिवार दुखी है। उसकी दो महीने पहले ही शादी हुई थी। परिवार के प्रति मेरी संवेदना है। पूरा देश इस घड़ी में उनके साथ खड़ा हुआ है। हिंदू मां और बहनों के साथ जो बर्बरता की गई है। उसी प्रकार आतंकियों और उनके आकाओं को इसकी सजा जरूर मिलेगी। हम इस परिवार के साथ खड़े हैं। याद रखना यह डबल इंजन की सरकार है जो इस मामले में किसी तरह का समझौता नहीं करती है।

ये दो टके के आतंकी, मेरी बहू से..., हमले में मारे गए शुभम के पिता का दिल दहलाने वाला वीडियो

कानपुर , एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी का शव रात लगभग दो बजे हाथीपुर गांव में पहुंचा। घर पर परिजन और गांव के सैकड़ों लोग उसके पार्थिव शरीर का इंतजार कर रहे थे। शुभम के शव के पहुंचते ही चीत्कार मच गई। हर किसी की आंखें नम थी। वहीं, शुभम के पिता संजय द्विवेदी ने इस दौरान बड़ा बयान दिया। मृतक शुभम द्विवेदी के पिता संजय द्विवेदी ने कहा कि च्आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार को ऐसी कार्रवाई करनी चाहिए कि उनकी सात पुश्तें किसी को मारने की हिम्मत न कर सकें।

शुभम के पिता बोले- ऐसी कार्रवाई हो कि आतंकी सात पुश्तों तक भूल जाएं किसी को मारना : बिलखते पिता संजय द्विवेदी ने कहा कि दो टके के आतंकवादी भारत सरकार को चुनौती देकर चले गए। मेरी बहू से कहा कि मोदी को बता देना, इसलिए तुम्हें नहीं मार रहा हूं। सरकार को ऐसी कार्रवाई करनी चाहिए कि आतंकी सात पुश्तों तक किसी को मारना भूल जाएं। शुभम के पिता संजय ने सरकार से बदला लेने की गुहार लगाई है। शुभम के पिता संजय ने सरकार से अपील करते हुए कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

कानपुर में मीडिया के सामने कही ये बात : कानपुर पहुंचने के बाद शुभम की पत्नी एशान्या भी मीडिया के सामने आईं। पहली बार मीडिया के सामने उन्होंने रुंधे गले से बताया कि हम लोग बैठे थे। इसी दौरान कुछ लोग बंदूक लेकर वहां पहुंचे। उन्होंने शुभम से पूछा- हिंदू हो या मुसलमान... हम पहले तो कुछ समझ नहीं पाए, इसके बाद उन्होंने दोबारा पूछा। जब शुभम ने कहा कि मैं हिंदू हूं तो उन्होंने गोली मार दी। उन्होंने पहली गोली शुभम को ही मारी थी।

मुस्लिम हो... न में सिर हिलाया तो शुभम को मार दी गोली : आपको बता दें कि जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम हिल स्टेशन पर मंगलवार को हुए आतंकी हमले में कानपुर के श्यामनगर के ड्रीमलैंड अपार्टमेंट निवासी शुभम द्विवेदी की मौत हो गई। अपनी पत्नी के साथ एक रेस्टोरेंट के बाहर बैठकर कुछ खा रहे शुभम से आतंकियों ने पहले धर्म पूछा, कहा हिंदू हो या मुस्लिम यदि मुस्लिम हो तो कलमा पढ़ो, जैसे ही शुभम ने नहीं में सिर हिलाया, आतंकियों ने तुंरत शुभम के सिर में गोली मार दी। पास बैठी पत्नी ऐशान्या चिल्ला उठीं मुझे भी गोली मार दो। इसके बाद वह बेहोश हो गईं। शुभम और यशोदा नगर की रहने वाली ऐशान्या की शादी दो महीने पहले 12 फरवरी को हुई थी। शादी के बाद पहली बार दोनों अपने परिवार के साथ घूमने गए थे। जिसमें शुभम के डॉ. संजय द्विवेदी, मां सीमा द्विवेदी, बहन आरती और उनके दो बच्चे और ऐशान्या के माता-पिता सभी एक साथ घूमने गए थे। शुभम के पिता संजय द्विवेदी ने बताया कि वह लोग सुबह पहलगाम पहुंचे ओर नीचे ही रुक गए। जबकि शुभम अपनी पत्नी के साथ पहाड़ी के ऊपर बने हिल स्टेशन जहां घुड़सवारी होती है, वहां चले गए।

पिता बोले- दरिंदों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कीजिए

शुभम के पिता ने सीएम से रोते हुए कहा दरिंदों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कीजिए। हाथ जोड़कर कह रहे थे कि ऐसा सबक सिखाएं, जिससे कोई ऐसा करने की ना सोचे। वहीं, शुभम की पत्नी ने सीएम के सामने पूरी घटना सुनाई, कब कैसे क्या-क्या हुआ।

थूकने का आरोपः दुकानदार को पीटा, काउंटर तोड़ा, सामान फेंका, जमकर हुआ हंगामा

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ में थाना क्वार्सी क्षेत्र के स्वर्णजयंती नगर स्थित राज्य कर्मचारी गेट के सामने 23 अप्रैल को कुछ लोगों ने एक दुकानदार पर जूस में पेशाब मिलाने का आरोप लगा कर हंगामा कर दिया। गुस्साए लोगों ने दुकानदार को पीटा। काउंटर में तोड़फोड़ कर दी। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दुकानदार ने खुद ही काउंटर व सामान सड़क पर फेंक दिया और वहां से भाग गया।

जानकारी के अनुसार मुईन उर्फ मोनू की राज्य कर्मचारी गेट के सामने जूस की दुकान है। 23 अप्रैल शाम करीब आठ बजे एक महिला प्रोफेसर अपनी बेटी के साथ जूस पीने दुकान पर पहुंची। जूस लेते समय महिला को शक हुआ कि दुकानदार ने दूसरे बर्तन में रखे पेशाब को जूस में मिला दिया है। इस पर महिला ने विरोध किया तो दूसरे लोग आ गए।

काउंटर गिरा हुआ और सामान बिखरा हुआः उन्हें पूरी जानकारी हुई तो आक्रोश भड़क गया, क्योंकि दुकानदार एक समुदाय विशेष से जुड़ा हुआ है। इस पर लोग और भड़क गए। हंगामा शुरू हो गया। कुछ लोगों ने हाथापाई कर दी। काउंटर फेंककर शीशे तोड़ डाले। फल, सब्जियां व अन्य सामान भी फेंक दिया। इस बीच दुकानदार वहां से भाग गया। हंगामे की सूचना पर क्वार्सी पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां मौजूद भीड़ इधर-उधर हो गई।

सीओ सिविल लाइंस अभय पांडेय ने बताया कि दुकानदार द्वारा जूस में थूकने की जानकारी मिली है। कुछ लोग पेशाब मिलाने का आरोप लगा रहे थे। मौके पर न कोई शिकायतकर्ता मिला है और न ही दुकानदार सामने आया है। मामले में जांच की जा रही है। सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं।

सड़क पर खड़े ट्रैक्टर ट्राली में घुसी कार, पिता पुत्र की मौत, बरेली से अयोध्या जा रहा था परिवार

लखनऊ, एजेंसी। सीतापुर रोड पर बृहस्पतिवार सुबह देवरी रुखारा क्रासिंग के सामने एक कार सड़क पर खड़े ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। हादसे में पिता पुत्र की मौत हो गई, जबकि चालक समेत तीन अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के वक्त ट्रैक्टर चालक मौके पर मौजूद नहीं था। बरेली में मकान नंबर 25 पार्क लाइट, नियर साउथ सिटी सुभाषनगर निवासी विकास चंद्र हजेला (60) बेटे गौरव (42), बहू प्राची (37) और पोते अयान (07) के साथ अयोध्या जा रहे थे। गाड़ी बरेली के इज्जतनगर निवासी अर्पित दीक्षित चला रहे थे।

सीतापुर रोड पर तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से जा घुसी। हादसे में पांचों लहूलुहान हो गए। पुलिस के मुताबिक विकास चंद्र हजेला की मौके पर मौत हो गई।

वहीं, गंभीर रूप से घायल गौरव को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्राची, अयान और अर्पित का इलाज चल रहा है। पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। परिजनों के आने के बाद शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

25 साल पुरानी मशीन का रिकॉर्ड, गाजीपुर से फ्रांस, श्रीलंका और स्विट्जरलैंड तक हो रहा अफीम का निर्यात

गाजीपुर, एजेंसी। गाजीपुर जनपद में स्थापित देश की सबसे पुरानी अफीम फैक्टरी के चलते गाजीपुर का अंतरराष्ट्रीय संबंध मजबूत हुआ। यहां से अफीम के कच्चे माल से निकलने वाले और दवाओं में प्रयोग होने वाले मार्फिन, कोडीन फॉस्फेट, थीवेन, नास्कोपीन, आईएमओ पाउडर देश की नामचीन कंपनियों के अलावा फ्रांस, श्रीलंका और स्विट्जरलैंड तक भेजा जाता है।

25 साल पुरानी मशीनों के होने के बाद भी यहां क्षमता से 21 हजार किलो अधिक चार्ज (दवाओं में प्रयोग होने वाले माल की पहली प्रक्रिया में निकलने वाला सामान) हो रहा है। देश में इस समय दो ही अफीम फैक्टरियां हैं। इनमें एक मध्य प्रदेश के नीमच और दूसरी गाजीपुर में है। 45 एकड़ रकबे में गाजीपुर फैक्टरी परिसर की स्थापना 1820 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने की थी। हालांकि कंपनी के पास 215 एकड़ भूमि है। कंपनी से जुड़े लोगों के मुताबिक ब्रिटिश कॉल में ईस्ट इंडिया कंपनी ने देश में दो एजेंसी बनाई, जिनमें एक पटना एजेंसी तो दूसरी गाजीपुर में बनारस एजेंसी के नाम से थी। ब्रिटिश सरकार यहां के किसानों से अफीम की खेती करवाते थे, जिससे वे सस्ते दाम पर कच्चा माल उपलब्ध कराते थे और फैक्टरी में इसे प्रॉसेस करके बेचते थे। इससे उन्हें भारी लाभ मिलता था। यहां आईसीएस (अब आईएएस) रैंक के अधिकारियों की तैनाती होती थी, जो ओपियन एजेंट (अव जनरल मैनेजर) कहे जाते थे।

वह उस समय देश की राजधानी कलकत्ता में बैठने वाले वाइस रैक (जनरल गवर्नर) हेड को सीधे रिपोर्ट करते। हालांकि चीन ने अत्यधिक अफीम स्टोर होने और वहां के लोगों को लत लगने के कारण लेने से इंकार कर दिए थे, जो जिले से जलमार्ग से कलकत्ता और वहां से चीन एक्सपोर्ट किया जाता था।

नए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सम्भाली जिम्मेदारी, बोले- शहर चमकाना और भ्रष्टाचार रोकना पहली प्राथमिकता

लखनऊ , एजेंसी। नए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बृहस्पतिवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने उनको पद की जिम्मेदारी सौंपी। पदभार ग्रहण करने के बाद नए नगर आयुक्त ने कहा कि सफाई और भ्रष्टाचार पर लगाम उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

बारिश के दौरान जलभराव की समस्या नहीं होने दी जायेगी। उन्होंने कहा जिस तरह पूर्व नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने शहर को संवारा है, वह भी उसी तरह काम करेंगे। गौरव कुमार वह मूल रूप से चंढीगढ के रहने वाले है और मैकेनिकल इंजीनियर है। 2018 बैच के अफसर गौरव ने बताया कि वह करीब डेढ़ साल पहले एल.डी.ए. में ओ.एस.डी. पद पर 20 दिन तक रहे है। अब दोबारा उनको लखनऊ में काम करने का मौका मिला है। इस समय वह प्रयागराज में सीडीओ के पद पर कार्यरत थे। उनकी ट्रेनिंग श्रावस्ती और कानपुर में हुई। आजमगढ़ में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट और गोंडा में सीडीओ के पद पर काम कर चुके है।

शिक्षक ने दो साल में तीन बीवियों से तोड़ा नाता, चौथी से भी तलाक की अर्जी, बोला- मनमाफिक पत्नी की खोज

बरेली , एजेंसी। बरेली में कॉलेज के एक शिक्षक को शादी करने और तलाक देने का चस्का लग गया है। 40 साल का यह प्रवक्ता अब तक चार शादियां कर चुका है। प्रवक्ता ने दो साल में तीन शादियां की और चौथी शादी दो महीने पहले हुई थी।

आरोप है कि शिक्षक निकाह के बाद दो-तीन साल में ही तलाक दे देता है, फिर अन्य युवती से निकाह कर लेता है। अब चौथी पत्नी को भी तलाक देने की अर्जी परिवार न्यायालय तृतीय में दाखिल की है। उसका कहना है कि बार-बार शादी-तलाक के पीछे मनमुताबिक जीवनसाथी की खोज है। चौथी पत्नी ने शिक्षक पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की है।

शिक्षक की तलाकशुदा पहली पत्नी की उम्र 35 वर्ष, दूसरी की 30 और तीसरी की 28 वर्ष बताई गई है। अदालत के आदेश पर तीनों को गुजारा भत्ता भी दे रहा है।

चौथी पत्नी ने लगाई न्याय की गुहार

32 वर्षीय चौथी पत्नी ने अदालत में बयान दिया कि उसके पति को शादी करने और फिर तलाक देने की लत लग चुकी है। जैसे तीनों को छोड़ दिया, वैसे ही अब मुझे भी छोड़ना चाहता है। मेरे साथ भी वही कहानी दोहराई जा रही है। पत्नी ने न्याय की मांग की है। महिला ने कहा कि वह एक और संख्या बनकर नहीं रहना चाहती। वहीं शिक्षक ने कहा कि मैं शादी करता हूं मनमाफिक बीवी के लिए। कुछ समय बाद मुझे ऐसा लगता है कि मेरी पत्नी खुश नहीं है अथवा वह मेरे हिसाब से नहीं चल पा रही, तब मैं उसके साथ नहीं रहना चाहता। तलाक देने के लिए याचिका दायर करता हूं। तलाक के बाद गुजारा भत्ता भी देता हूं। उसने न्यायालय से अपील की कि तलाक की उसकी अर्जी मंजूर की जाए।

शाहजहां-मुमताज की मोहब्बत की दास्तां में खो गए वेंस दंपती, मकबरे में बिताए 30 मिनट

आगरा , एजेंसी। इक शहंशाह ने बनवा के हसीं ताज-महल, सारी दुनिया को मोहब्बत की निशानी दी है। इस के साए में सदा प्यार के चर्चे होंगे, खत्म जो हो न सकेगी वो कहानी दी है...। शकील बदायुनी ने यह कहा है। बुधवार को वेंस दंपती के ताजमहल के भ्रमण के दौरान यह शायरी जीवंत हो उठी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति और उनकी पत्नी उषा ने शाहजहां-मुमताज की कब्र पर करीब 30 मिनट बिताए और उनकी मोहब्बत की दास्तां सुनी। एक के बाद एक प्रश्न कर गाइड से ताजमहल बनने के पीछे की वजह जानी और भावनाओं के शाहकार पर हैरत जताई।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस अपने तीन बच्चों विवेक, इवान और मीराबेल के साथ ताजमहल पहुंचे। शाहजहां-मुमताज की कब्र पर गाइड ने ताजमहल के बनने के पीछे शाहजहां-मुमताज के प्रेम का जिक्र किया तो दंपती गहरी रुचि दिखाने लगे। बच्चों को केयर टेकर के पास छोड़कर दोनों दोबारा आए। दोनों ने गाइड से ताजमहल क्यों बनवाया

गया, शाहजहां-मुमताज की क्या प्रेम कहानी है, कितना समय लगा, पत्थर कहां से आया... ऐसे तमाम प्रश्न पूछे।

गाइड ने बताया कि शाहजहां अपनी पत्नी मुमताज से बेहद प्रेम करते थे। वर्ष 1631 में इनकी मृत्यु होने के एक साल बाद ताजमहल का निर्माण शुरू कराया। कब्र के बारे में पूछने पर गाइड ने इन्हें असली बताया। इस पर लिखी इबारत की जानकारी दी। अंत में कई सौ सालों पहले बने ताजमहल की मजबूती के बारे में पूछने पर गाइड ने बताया कि इसकी नींव में 50 कुएं बनाए हैं, जिनमें आबनूस-महोगनी की लकड़ी फंसाई गई है। ये लकड़ी नमीं में और ज्यादा मजबूत होती है। इस पर दपंती चकित रह गए।

इससे पहले उपराष्ट्रपति और उनका परिवार रॉयल गेट पर करीब 20-25 मिनट रुका। रॉयल गेट और डायना सीट पर फोटो सेशन कराया। उपराष्ट्रपति वेंस और उनकी पत्नी ने पच्चीकारी के बारे में भी सवाल किए। उन्हें बताया गया कि यह मुगलकालीन कला है, जिसमें ईरानी कला की भी झलक दिखती है। गाइड ने बताया कि यहां पहले अमरूद के बाग हुआ करते थे, जिसे ब्रिटिश काल में कटवा दिया गया था। बाकी के समय ताजमहल परिसर में घूमते हुए इसके ऐतिहासिक महत्व को समझा। दंपती को भ्रमण कराने वाले गाइड नितिन ने बताया कि वेंस दंपती ने सबसे ज्यादा मकबरे में समय बिताया और ताजमहल बनाने की वजह और शाहजहां-मुमताज की प्रेम कहानी जानने में दिलचस्पी दिखाई। रॉयल गेट पर पच्चीकारी, कारीगर, पत्थर समेत अन्य के बारे में भी पूछा। रॉयल गेट पर उपराष्ट्रपति ने पूछा कि ताजमहल के निर्माण के लिए इतने भारी पत्थर कैसे आए। इस पर गाइड ने बताया कि यमुना नदी के जरिए किनारे पर ये पत्थर लाए गए। वहां से लाने के लिए हाथियों का उपयोग हुआ। इस पर पास में खड़े विवेक और इवान उछल पड़े और बोले जो हमने किले में देखे थे। इस पर सभी मुस्कराने लगे।

सेकेंड लेडी की ओर से मिला उपहार: उपराष्ट्रपति और उनके परिवार को ताजमहल भ्रमण कराने और इसके बारे में बताने पर वेंस दंपती ने गाइड नितिन का आभार जताया। उनको लौटते उन्होंने गाइड नितिन को स्मृति चिह्न के रूप में दो सिक्के दिए।

बॉलीवुड फिल्मों के फ्लॉप होने पर विक्रम भट्ट ने दिए सुझाव

पिछले कुछ वक्त से बॉलीवुड में कई बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धराशायी हो रही हैं। जिससे इंडस्ट्री में कहीं न कहीं परेशानी बनी हुई है। हर कोई इसका उपाय निकालने का प्रयास कर रहा है। अब निर्माता-निर्देशक विक्रम भट्ट ने इसको लेकर कुछ सुझाव दिए हैं और इसको कैसे सुधारा जा सकता है, इस पर अपने विचार रखे हैं। निर्देशक का कहना है कि हमें आम जनता की जरूरतों को पूरा करने की जरूरत है। हमें उस पर जोर देना चाहिए।

विक्रम भट्ट ने की साउथ की तारीफ

हाल ही में एएनआई के साथ बातचीत में विक्रम भट्ट में इंडस्ट्री की हालत में सुधार लाने के लिए कुछ सुझाव देते हुए कहा, हर कोई आम जनता को भूल गया और खास फिल्मों की ओर चला गया। वहीं कोविड के दौरान से सिनेमाघरों में फिल्में देखने की दर्शकों की आदत गायब हो गई है। हमने बड़े पैमाने पर फिल्में बनाना बंद कर दिया। अगर आप साउथ की इंडस्ट्री को देखें, तो यह फल-फूल रहा है क्योंकि यह हमेशा बड़े पैमाने पर दर्शकों को अहमियत देता है। वे अभी भी सुपरहीरो देखना चाहते हैं, पुष्पा देखना चाहते हैं, कंतारा देखना चाहते हैं। वे अभी भी खलनायक को खलनायक मानते हैं, अभी भी सीटी बजाते हैं और ताली बजाते हैं। हम तो वैसी फिल्में बनाना भूल गए जिसे देखकर दर्शक सीटी और ताली बजाएं।

ऐसी फिल्में बनानी चाहिए, जो जरूरी हों
विक्रम भट्ट ने आगे फिल्म बनाते समय फिल्ममेकर्स को कुछ जरूरी बातों पर ध्यान देने के लिए सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा, हमें ऐसी फिल्में बनानी चाहिए जिनकी बहुत जरूरत हो। मैंने इसे हाल ही में सीखा है जब मेरी फिल्म 'तुमको मेरी कसम' नहीं चली। इसे बहुत अच्छी समीक्षाएं मिलीं। लेकिन यह इसलिए नहीं चली क्योंकि यह जरूरत वाली फिल्म नहीं थी। भले ही मेरी फिल्म नहीं चली। इसलिए, हमें ऐसी फिल्में बनानी होंगी जो जरूरी हों, फिल्म के नाम पर कुछ भी नहीं बनाना चाहिए। फिल्में इस तरह से बनाई जानी चाहिए कि लोग पहले दिन के पहले शो का बेसब्री से इंतजार करें।

कंटेंट पर जोर देना चाहिए

निर्देशक ने आगे स्टारकास्ट की बजाय कंटेंट पर जोर देने का सुझाव देते हुए कहा, यह पूरी समस्या एक मिनट में हल हो सकती है अगर म्यूजिक कंपनियां, डिजिटल और सैटेलाइट कंपनियां यह संदेश देना शुरू कर दें कि हमें अच्छे गाने चाहिए, हमें अच्छी तस्वीरें चाहिए। अगर आप स्टारकास्ट को नहीं बल्कि अच्छी फिल्म को सपोर्ट करते हैं, तो निर्माता पर बोझ नहीं पड़ेगा। हमें कंटेंट पर जोर देना चाहिए, स्टारकास्ट पर नहीं।

'सुस्वागतम खुशामदीद' से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं इसाबेल कैफ

पुलकित सम्राट के साथ आएंगी नजर

बॉलीवुड में फिल्मी घराने से एक और एक्ट्रेस पदार्पण करने जा रही है। अभिनेत्री कटरीना कैफ की बहन इसाबेल कैफ की फाइनली बॉलीवुड में एंट्री हो गई है। इसाबेल और अभिनेता पुलकित सम्राट की फिल्म 'सुस्वागतम खुशामदीद' का टीजर जारी हो गया है। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। जो मई में रिलीज होने वाली है।

प्रेम कहानी में है ये बड़ा पेंच

टीजर से पता चलता है कि पुलकित सम्राट और इसाबेल कैफ की इस फिल्म की कहानी दो अलग-अलग धर्मों और अलग-अलग देशों से आने वाले किरदारों की कहानी है। जिसमें पुलकित सम्राट के किरदार का नाम अमन है जो भारत का है और इसाबेल के किरदार का नाम नूर है, जो संभवतः पाकिस्तान से आती है। टीजर से साफ है कि फिल्म की कहानी इसी मुद्दे पर आगे बढ़ेगी कि दो अलग-अलग धर्मों से आने के बावजूद इनकी प्रेम कहानी कैसे मुकम्मल होगी। जारी हुए टीजर में कोई डायलॉग नहीं है। सिर्फ बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ दोनों कलाकारों का रोमांस नजर आ रहा है। फिल्म 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

फिल्म के टीजर को पुलकित सम्राट ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी साझा किया है। इस टीजर को साझा करते हुए पुलकित ने कैप्शन में लिखा है, दो आत्माएं, दो देश, एक प्रेम कहानी। सुस्वागतम खुशामदीद का टीजर हुआ जारी। इस फिल्म का निर्देशन धीरज कुमार ने किया है। 'सुस्वागतम खुशामदीद' से कटरीना कैफ की बहन इसाबेल कैफ बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। हालांकि, उनके डेब्यू की चर्चाएं काफी लंबे वक्त से चल रही थीं। अब फाइनली उनकी पहली फिल्म रिलीज हो रही है। बता दें कि 'सुस्वागतम खुशामदीद' का इससे पहले पिछले साल अक्टूबर में भी एक टीजर जारी हुआ था। लेकिन उसके बाद ऐसा लगा था कि जैसे फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई है। हालांकि, अब फिल्म का फिर से नया टीजर जारी हुआ है। जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह बढ़ गया है।

फिर मर्दानी बनकर लौटेंगी रानी मुखर्जी, अगले साल फरवरी में रिलीज होगी मर्दानी 3

अभिनेत्री रानी मुखर्जी के फैंस के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। लंबे वक्त से चर्चाओं में बनी रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' को लेकर अब तक की सबसे बड़ी जानकारी सामने आई है। मेकर्स ने 'मर्दानी 3' से रानी मुखर्जी का पहला लुक और फिल्म की रिलीज डेट दोनों को जारी कर दिया है। जिसके बाद अब फैंस एक बार फिर रानी मुखर्जी को शिवानी शिवाजी रॉय की दमदार भूमिका में देखने के लिए उत्साहित हैं।

रानी मुखर्जी एक बार फिर धाकड़ और साहसी पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाने को तैयार हैं। फिल्म के मेकर्स ने आज रानी मुखर्जी की 'मर्दानी 3' का पहला लुक और रिलीज डेट दोनों की घोषणा करते हुए इंस्टाग्राम पर इसको लेकर जानकारी दी है। फिल्म के मेकर्स यशराज फिल्म्स की ओर से साझा किए गए फर्स्ट लुक में रानी मुखर्जी काले रंग की शर्ट और नीली जींस पहने हाथों में बंदूक लिए काफी इंटेंस लुक में नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए वाईआरएफ की ओर से कैप्शन में लिखा गया, मर्दानी 3 के लिए उल्टी गिनती शुरू। होली पर अच्छाई बुराई से लड़ेगी, क्योंकि शिवानी शिवाजी रॉय 27 फरवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। बता दें कि साल 2026 में 4 मार्च को होली का त्यौहार होने वाला है। इससे पहले शुक्रवार यानी कि 27 फरवरी को रानी मुखर्जी एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में सिनेमाघरों में एंट्री करेंगी।

सात साल बाद लौटेगी 'मर्दानी'

'मर्दानी 3' रानी मुखर्जी की साल 2014 में आई 'मर्दानी' की तीसरी कड़ी है। इससे पहले 2019 में 'मर्दानी 2' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। पिछली दोनों ही फिल्मों को दर्शकों और क्रिटिक्स की सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली थीं और बॉक्स ऑफिस पर भी इन फिल्मों को पॉजिटिव रिस्पॉन्स ही मिला था। अब 'मर्दानी 3' से मेकर्स एक बार फिर उसी तरह की उम्मीद कर रहे हैं।

शिवानी शिवाजी रॉय का सफर साल 2014 में शुरू हुआ था। जब फिल्म 'मर्दानी' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। रानी मुखर्जी पहली बार इस तरह के किरदार में नजर आई थीं। फिल्म को लोगों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। 'मर्दानी' ने भारत में कुल 48.11 करोड़ का कारोबार किया था। जो अपने बजट से काफी ज्यादा था।

अच्छा था 'मर्दानी 2' का कलेक्शन

'मर्दानी' के लगभग पांच साल बाद फिल्म का अगला पार्ट 'मर्दानी 2' के नाम से रिलीज हुआ। इसमें एक बार फिर रानी मुखर्जी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आईं। 'मर्दानी' की ही तरह 'मर्दानी 2' ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। 'मर्दानी 2' ने इंडियन बॉक्स पर कुल 57 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों की सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली थीं।

रजनीकांत स्टारर कुली के लिए श्रुति हासन ने शुरू की डबिंग

रजनीकांत स्टारर अपकमिंग फिल्म कुली की शूटिंग पूरी करने के बाद अभिनेत्री श्रुति हासन फिल्म की डबिंग के लिए जुट चुकी हैं। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी इस ड्रामा के लिए पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर है। हाल ही में, कन्नड़ अभिनेता उपेंद्र ने पहली बार पुष्टि की कि कुली में उनके और रजनीकांत के साथ कॉम्बिनेशन सीन हैं। निर्देशक लोकेश कनकराज की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'कुली' की रिलीज डेट का निर्माताओं ने हाल ही में ऐलान किया। निर्माताओं ने बताया कि फिल्म इस साल 14 अगस्त को दुनियाभर में रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने एक्स के जरिए यह घोषणा की। इसमें लिखा, कुली 14 अगस्त से दुनियाभर में रिलीज होगी। कुली एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसमें रजनीकांत, श्रुति हासन के साथ तेलुगू स्टार नागार्जुन, कन्नड़ स्टार उपेंद्र, सोबिन शाहिर और सत्यराज जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। बॉलीवुड स्टार आमिर खान भी इस फिल्म में कैमियो करते नजर आएंगे। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक इस अटकल की पुष्टि नहीं की है। फिल्म में रेबा मोनिका जॉन और जूनियर एमजीआर भी प्रमुख भूमिका में हैं। इसके साथ ही हाल ही में अभिनेत्री पूजा हेगड़े की भी एंट्री हुई है। सन पिक्चर्स ने फिल्म का निर्माण किया है। कुली का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है।

इस फिल्म ने कई कारणों से लोगों की दिलचस्पी जगाई है। उनमें से एक यह है कि इस फिल्म में अभिनेता सत्यराज और रजनीकांत लगभग 38 साल बाद एक साथ काम करते हुए नजर आएंगे।

इन फिल्मों का सीक्वल लाने की तैयारी में रोहित शेट्टी

रोहित शेट्टी एक हिट फिल्ममेकर हैं। उन्होंने 2011 में सिंघम से कॉप यूनिवर्स की शुरुआत की। इसके बाद सिंघम रिटर्न्स, सिम्बा, सूर्यवंशी और सिंघम अगेन आई। सिंघम अगेन के बाद उन्होंने हाल ही में नए सीक्वल्स की बात की। रोहित ने गेम चेंजर्स शो में बताया कि सिम्बा 2 और सूर्यवंशी की अगली फिल्म भी बनेगी।उनकी प्लानिंग पहले से तैयार है। रोहित ने कहा कि जब सिंघम बनी थी, तब यूनिवर्स का आइडिया नहीं था, लेकिन सिम्बा लिखते समय यह सोचा गया कि इसे यूनिवर्स बनाया जाए। इसी के साथ सूर्यवंशी की भी प्लानिंग शुरू हुई। उन्होंने बताया कि ये सब पहले से सोच-समझकर किया गया था। सूर्यवंशी की शूटिंग के दौरान ही सिंघम अगेन का आइडिया आया। किरदारों को कैसे जोड़ा जाएगा, ये पहले से प्लान था। सिंघम अगेन में कई सितारे शामिल हुए थे। फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह जैसे स्टार्स के साथ दीपिका और टाइगर भी थे। रोहित शेट्टी अब अपने कॉप यूनिवर्स को और बड़ा बनाना चाहते हैं। वह दर्शकों के लिए नई फिल्में, नए किरदार और और भी धमाकेदार कहानियां लाने वाले हैं।

पहली बार सीन करते हुए टांगें कांप रही थीं

पाताल लोक के बेबस पुलिस वाले तो राजी के सख्त ट्रेनर, जाने जां के जीनियस सीक्रेट प्रेमी तो महाराज के ढकोसले बाज बाबा... एक्टर जयदीप अहलावत हर भूमिका के साथ बॉलीवुड में अपनी धाक मजबूत करते जा रहे हैं। इन दिनों वह अपनी फिल्म ज्वेल थीफ- द हीस्ट बिगिंस को लेकर चर्चा में हैं, जिनमें उनके डांस ने धूम मचाई हुई है।

हमेशा अपनी अदाकारी के लिए वाहवाही बटोरने वाले एक्टर जयदीप अहलावत इन दिनों अपने एक और हुनर से दर्शकों का दिल लूट रहे हैं और वह टैलेंट है डांस। अपकमिंग फिल्म ज्वेल थीफ के गाने जादू में जयदीप के डांस का जादू लोगों के सिर चढ़कर ऐसा बोल रहा है कि वह खुद हैरत में हैं। उनका कहना है कि दर्शकों के लिए उनका डांस करना भले ही अचरज की बात हो, मगर डांस से उनका रिश्ता पुराना है।

बड़े डांस मुकाबले जीते हैं

बकौल जयदीप, मैंने सच में सोचा नहीं था कि यह डांस (फिल्म ज्वेल थीफ के गाने जादू पर डांस) इतना चर्चित हो जाएगा। लोगों का ऐसा रिएक्शन शायद इसलिए आया है, क्योंकि मैंने पर्दे पर डांस नहीं किया था और अचानक मुझे यह अहसास हुआ कि बतौर एक्टर मेरी बहुत ज्यादा सीरियस इमेज है। वरना, मुझे जानने वालों को पता है कि मैं डांस करता रहा हूं। मैं बहुत डांस कॉम्पिटिशन में भी नाचा हूं। हमारे रोहतक, हरियाणा में जो डांस कॉम्पिटिशन होते हैं, उनमें तीन साल तक लगातार हिस्सा लिया और फर्स्ट प्राइज, सेकेंड प्राइज सब जीता है।

डरावना था पहली बार कैमरे का सामना

जयदीप ने हमसे एक्टिंग की ओर रुझान, पहले सीन का अनुभव और मौजूदा स्टारडम पर भी बात की। पहली बार कैमरे के आगे सीन करते की यादों पर वह बताते हैं, वैसे तो स्नअद्धद्ध में मैंने कई बार कैमरे का सामना किया था, पर कमर्शियली पहली बार कैमरे के सामने आया फिल्म आक्रोश में। प्रियदर्शन सर डायरेक्टर थे और वह बहुत डरावना था। आपको लगता है कि आप पूरी तरह तैयार हैं, मगर जिस दिन आप सच में काम शुरू करते हैं, असलियत तब पता चलती है। वह तो भगवान का शुक्र है कि हमने बहुत खुले-खुले से पजामे पहने हुए थे, नहीं तो टांगे कांपती दिखाई देतीं। मैं कसम से बता रहा हूं, पूरा शरीर कांप रहा था।

गरीबी में बनी थी गैंग्स ऑफ वासेपुर

अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में शाहिद की भूमिका से चर्चा में आए जयदीप उन दिनों की यादें भी ताजा करते हैं। वह बताते हैं, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि वह फिल्म ऐसा कमाल करेगी। बस ये था कि अच्छी कहानी है, तो इसका हिस्सा बनते हैं। बहुत ही उत्साह और बहुत ही गरीबी में वो फिल्म बनाई गई थी। किसी ने उस फिल्म को बजट नहीं दिया और किसी को अंदाजा नहीं था कि वह फिल्म ऐसी बनेगी। मगर जब वो रिलीज हुई तो एक ही हफ्ते में सबको समझ में आया कि ओह, ये थोड़ी ज्यादा फट गई है, मगर बहुत अच्छा अनुभव था। हम सब नए थे। पहला काम था तो कोई प्रेशर नहीं है। जो समझ में आया, वो कर दिया।

बॉन्डिंग का श्रेय सैफ को

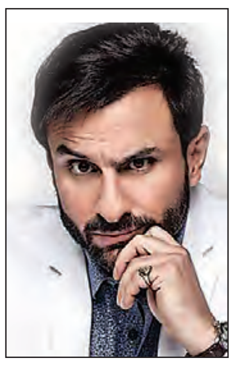

फिल्म ज्वेल थीफ के इवेंट्स पर को-स्टार सैफ अली खान के साथ जयदीप की अच्छी बॉन्डिंग दिखी। वहीं, इससे पहले करीना कपूर भी कह चुकी हैं कि स्नअद्धद्ध से पढ़े होने के चलते सैफ उनकी एक्टिंग की बहुत कद्र करते हैं। इस बारे में जयदीप ने कहा, मुझे लगता है कि सैफ सभी की इज्जत करते हैं, वो चाहे एक्टर हों या तकनीशियंस। वह कमाल के इंसान है। हमारी बॉन्डिंग का बड़ा श्रेय उनको जाता है, क्योंकि वह इस तरह के इंसान हैं जो बहुत जल्द आपको एक कंफर्ट जोन में लेकर आते थे । फिर जब ऐसा लगता है कि हां, उनके साथ वो स्पेस है कि आप भी खुल पाते हैं, पर यह श्रेय उनको जाता है।

आईपीएल 2025

चेन्नई और हैदराबाद के बीच होगी प्लेऑफ की उम्मीदें जीवंत रखने की जंग

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच शुक्रवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपनी उम्मीद जीवंत रखने की रोचक जंग देखने को मिलेगी। इन दोनों टीमों का वर्तमान सत्र में अभी तक प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। इन दोनों टीमों के आठ मैच में चार अंक हैं और अगर उन्हें प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीद को बनाए रखना है तो उन्हें अपने सभी मैच जीतने होंगे।

चेन्नई की टीम को घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए जाना जाता है लेकिन इस बार उसे यहां मुंह की खानी पड़ रही है। उसकी टीम अभी तक यहां के विकेट का सही अनुमान लगाने में नाकाम रही है। चेन्नई ने स्पिनर नूर अहमद की शानदार गेंदबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस को हराकर अपने अभियान की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसकी लय गड़बड़ा गई और उसे अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा। यही नहीं उसकी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ नौ विकेट पर 103 रन ही बना पाई जो उसका अपने घरेलू मैदान पर न्यूनतम स्कोर भी है। चेन्नई के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग यहां

की पिच को लेकर खुलेआम अपनी नाराजगी व्यक्त कर चुके हैं। यहां का विकेट स्पिनरों के लिए मददगार माना जाता है लेकिन इस बार यहां तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही है। चेन्नई का अपने मैदान से इतर और अन्य स्थानों पर भी अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है तथा उसने दूसरे मैदानों पर खेले गए चार मैच में से केवल एक मैच जीता है।

इस बार उसके बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं तथा नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से उसकी समस्याएं बढ़ी हैं।

महेंद्र सिंह धोनी की पूर्णकालिक कप्तान के रूप में वापसी हुई है और घुटने की परेशानी के बावजूद कप्तान के रूप में उनके फैसले काफी मायने रखते हैं। डेथ ओवरों की उनकी बल्लेबाजी तथा मैच के महत्वपूर्ण मोड़ पर लिए जाने वाले फैसले टीम को वापसी दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। चेन्नई के लिए 17 वर्षीय आयुष म्हात्रे का टीम से जुड़ना अच्छा संकेत है। इस युवा बल्लेबाज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया था। चेन्नई ने अपने बल्लेबाजी विभाग को मजबूत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को भी अपनी टीम से जोड़ा है।

सनराइजर्स की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। उसकी टीम ने भी शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उसे अपनी अति आक्रामकता भारी पड़ने लगी। पिछले सत्र में उसकी सफलता में अहम भूमिका निभाने वाले ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की विस्फोटक सलामी जोड़ी इस बार नहीं चल पा रही है जिससे टीम के मध्य क्रम की कलई भी खुल गई है।

उसे पिछले मैच में मुंबई इंडियंस से सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने भी स्वीकार किया है कि उनके बल्लेबाज साझेदारी निभाने में नाकाम रहे हैं। विटोरी ने कहा, 'जब हेड और अभिषेक सफल नहीं होते हैं, तो यह अन्य बल्लेबाजों की जिम्मेदारी है। इस सत्र में हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। हमें अच्छी साझेदारियां निभाने की जरूरत है।

टीमें:

- **सनराइजर्स हैदराबाद :** पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, स्मरण रविचंद्रन, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा।
- **चेन्नई सुपर किंग्स :** एमएस धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, डेवोन कॉनवे, राहुल त्रिपाठी, शेख रशीद, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ, आयुष म्हात्रे, रचिन रवींद्र, रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर, सैम कुरेन, अंशुल कंबोज, दीपक हुडा, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, खलील अहमद, नूर अहमद, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस। श्रेयस गोपाल, मथीशा पथिराना।

समय : शाम 7 :30 बजे।

जसप्रीत बुमराह ने लगाया 'तिहरा शतक'

नई दिल्ली, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह ने भी नया रिकॉर्ड बनाते हुए टी20 में तिहरा शतक पूरा कर लिया। सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच हुए मैच में जसप्रीत बुमराह ने एक विकेट झटके, जिसके बदौलत वह टी20 में 300 विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। वहीं, अगर बात करें मुंबई की ओर से आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वालों की, तो 170 विकेट लेकर जसप्रीत बुमराह नंबर वन पायदान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने लसिथ मलिंगा की बराबरी की है। पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर और मुंबई इंडियंस के पूर्व गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने भी 170 विकेट लिए हैं।

जसप्रीत बुमराह से आगे सिर्फ चार खिलाड़ी: टी20 में रिकॉर्ड की बात की जाए तो जसप्रीत बुमराह से आगे सिर्फ चार भारतीय खिलाड़ी हैं। इससे सबसे पहले पायदान पर युजवेंद्र चहल हैं, जो अब तक कुल 373 विकेट लिए हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर 319 विकेट के साथ पीयूष चावला हैं। तीसरे और चौथे पायदान पर भुवनेश्वर कुमार और रविचंद्रन अश्विन हैं।

वैभव सूर्यवंशी इंडिया के लिए कब खेलेंगे आईपीएल 2025 के बीच कोच ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी रणजी के रण में उतर चुके हैं. अंडर 19 क्रिकेट के मैदान में भी वो लोहा मनवा चुके हैं और अब आईपीएल में भी उनका डेब्यू हो चुका है. मतलब अब कुछ अगर बचा है तो वो हैं टीम इंडिया की जर्सी पहनना. सीनियर खिलाड़ियों के कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ रन बनाना और भारत को जिताना. सवाल है कब होगा ऐसा कब आएगा वो दिन आईपीएल 2025 के बीच इस बड़े सवाल का जवाब खुद वैभव सूर्यवंशी के कोच नेबातचीत में दिया है. वैभव सूर्यवंशी के कोच मनीष ओझा ने बात करते हुए बताया कि वैभव सूर्यवंशी का आगमन टीम इंडिया में कब तक हो सकता है उनके मुताबिक वो लम्हा अगले एक साल में आ सकता है. कोच का ये बयान पल भर के लिए चौंकाता जरूर है, लेकिन उसमें वो विश्वास दिखा जो एक गुरु को अपने चेले पर होता है. वैभव सूर्यवंशी पर कोच मनीष ओझा का विश्वास वैसा ही है. कोच मनीष ओझा ने कहा कि वैभव जिस मिजाज के साथ खेल रहा है. जिस तरह से उसने आईपीएल में अपना धमाकेदार आगाज किया है. अगर ऐसे ही खेलता रहा तो अगले एक साल के अंदर वो टीम इंडिया की टी20 टीम का हिस्सा हो सकता है.

आईपीएल में खेलने की बात हुई सच, अब टीम इंडिया की बारी!

वैभव सूर्यवंशी को लेकर कोच मनीष ओझा की बातें किस हद तक सच होती हैं, उस बारे में तो फिलहाल नहीं कहा जा सकता है. लेकिन, इसी आईपीएल से पहले जब हमने उनसे पूछा था कि क्या उन्हें राजस्थान में मौजूद बड़े-बड़े नामों के बीच मौका मिलेगा क्या वो एक भी मैच खेल सकेंगे इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था कि बिल्कुल. उनके हिसाब से वैभव को 2-3 मैच राजस्थान रॉयल्स वाले खिलाएंगे. और देखिए कि ऐसा ही हुआ भी है. वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में मैचों का अपना खाता खोल लिया है. और, जिस तरह की 20 गेंदों में 34 रनों की उन्होंने उसमें पारी खेली है, उसे देखने के बाद हैरानी नहीं होगी अगर वो आगे भी कुछ मुकाबले खेलते दिखें.

अंपायर पैसे ले रहा है...

आईपीएल में ईशान किशन के आउट होने पर बवाल, वीरेंद्र सहवाग ने कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने जमाने के वस्फिोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2025 मैच के दौरान ईशान किशन के आउट होने पर उनकी आलोचना की. वीरू ने इस दौरान अंपायर के कॉल का इंतजार किए बिना मैदान से बाहर जाने के ईशान किशन के फैसले पर सवाल उठाया और इसे ब्रेनफेड बताया.

वीरेंद्र सहवाग ने इस दौरान कहा- 23 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2025 मैच के दौरान ईशान किशन की ईमानदारी समझ नहीं आई. ध्यान रहे ईशान किशन जो एसआरएस के साथ हैं, उन्होंने अपने आईपीएल करयिर की शुरुआत 2018 में एमआई के साथ की थी. वह मुंबई के लिए 2018 से 2024 के बीच सात सीजन खेले थे.

सहवाग ने ईशान किशन के मामले में कहा-कई बार ऐसे मौकों पर आपका दिमाग काम नहीं करता है. कम से कम उसको (ईशान) को रुक तो जाना चाहिए था. अंपायर को आउट तो देना चाहिए था. वो (अंपायर) भी उतरे पैसे ले रहा है, फ्री में खड़ा होता तो समझ आता... उसको (अंपायर) भी अच्छी खासी मैच फीस मिल रही है. उसका काम करने दे तू अपना काम कर...

सहवाग ने कहा उनको कुल मिलाकर ईशान किशन की यह ईमानदारी समझ नहीं आई. अगर लगा (बैट से बॉल) हो तो आप जाओ और यह दिखाओ कि आप खेल भावना का परचिय दे रहे हो. लेकिन यह बात समझ से परे रही. इस दौरान वीरेंद्र सहवाग ने यह भी कहा कि इस मामले में उनको रिकी पोंटिंग अच्छे लगते थे. क्योंकि जब तक उनको अंपायर आउट नहीं देते थे, तब तक वो मैदान नहीं छोड़ते थे.

ईशान किशन के आउट होने पर क्यों उठे सवाल

ईशान किशन को आउट होना स्कोरकार्ड पर कैच आउट करार दिया गया. जबकि उनके बैट और गेंद का कोई संपर्क नहीं हुआ. ईशान जब आउट हुए तो यह सनराइजर्स हैदराबाद की पारी का तीसरा ओवर था औ पहली गेंद थी, जिसे दीपक चाहर कर रहे थे. ईशान किशन ने मुकाबले में 4 गेंदों का सामना किया और महज 1 रन बनाया. दीपक चाहर की यह गेंद लेग साइड की तरफ जा रही थी, जो लेंथ बॉल थी और अंदर की ओर स्विंग हो रही थी. अंपायर ने पहले तो इसे वाइड देने का इशारा किया.

इस पर ना तो चाहर ने अपील की, ना ही विकेटकीपर रयान रिकेल्टन ने कुछ कहा. लेकिन तभी ईशान खुद ही पवेलियन की ओर चल पड़े, जैसे उन्हें लगा कि वो आउट हैं, ये देखकर अंपायर विनोद सेशन ने भी अपनी उंगली उठा दी और आउट दे दिया. इस पर हार्दिक पंड्या ने उनके सिर पर हाथ रखकर ईशान की ईमानदारी की तारीफ भी कर दी.

गौतम गंभीर को मिली जान से मारने की धमकी, भारतीय टीम के हेड कोच ने की सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच और पूर्व बीजेपी सांसद गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी मिली है। ढ्ढस्ढ्ढ कश्मीर की तरफ से गंभीर को ये धमकी दी गई है। इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच ने इस तरह की धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। गंभीर को ये धमकी ईमेल के जरिए दी गई।

गौतम गंभीर को आतंकी संगठन आईएसआईएस कश्मीर से जान से मारने की मिली धमकी के बाद उन्होंने बुधवार को दिल्ली पुलिस से संपर्क करते हुए एफआईआर दर्ज कराई और अपने साथ ही अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की। आपको बता दें कि पूर्व भारतीय ओपनर बल्लेबाज गौतम गंभीर इस वक्त टीम इंडिया के हेड कोच हैं। वो टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद भारतीय टीम के हेड कोच नियुक्त किए गए थे। इससे पहले वो आईपीएल फ्रेंचाइजी केकेआर के साथ जुड़े हुए थे। गंभीर के कोच बनने के बाद भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घर में टेस्ट सीरीज गंवाना पड़ा था तो वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में हार मिली थी, लेकिन इसके बाद भारत ने अच्छी वापसी करते हुए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम किया था। गंभीर अपनी बेबाक राय के लिए जाने जाते हैं और बतौर भारतीय ओपनर उन्होंने देश के लिए कई यादगार पारियां भी अपने क्रिकेट करियर के दौरान खेली थी।

गौतम गंभीर ईस्ट दिल्ली से 5 साल तक बीजेपी सांसद भी रहे, लेकिन साल 2024 के चुनाव में उनका टिकट काट दिया गया था। गंभीर इस वक्त भारतीय टीम के हेड कोच हैं, लेकिन इससे पहले वो बतौर कमेंटेटर भी क्रिकेट से जुड़े हुए थे। गंभीर ने अपनी कप्तानी में केकेआर को दो बार चैंपियन बनाया था तो वहीं बतौर मेंटर उन्होंने साल 2024 में फिर से इस टीम को चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

भारत नहीं आएंगे अरशद नदीम, नीरज चोपड़ा का न्योता ठुकराया... पहलगाम हमले के बाद बताई ये बड़ी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के ओलंपिक चैम्पियन अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा का न्योता ठुकरा दिया है. नीरज ने बेंगलुरू में 24 मई को एनसी क्लासिक भालाफेंक टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए उन्हें न्योता भेजा था. अरशद नदीम ने कहा कि वह इस दौरान एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की तैयारियों में व्यस्त होंगे. अरशद का यह बयान पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद आया है. अरशद नदीम ने कहा, 'एनसी क्लासिक इवेंट 24 मई को है, जबकि मैं 22 मई को एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए कोरिया रवाना हो जाऊंगा.' उन्होंने कहा कि वह 27 से 31 मई तक कोरिया में होने वाली एशियाई

चैम्पियनशिप के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं. नीरज चोपड़ा ने सोमवार को मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा था, 'मैंने अरशद को न्योता भेजा है और उसने कहा कि अपने कोच से बात करके वह जवाब देगा. अभी तक उसने भागीदारी की पुष्टि नहीं की है.' नदीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 92.97 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता था, जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता.

पहली नीरज चोपड़ा भाला फेंक प्रतियोगिता में ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और जर्मनी के थॉमस रोलेर जैसे सितारे भाग ले रहे हैं. नीरज चोपड़ा क्लासिक जैवेलिन थ्रो इवेंट का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को पंचकुला की बजाय बेंगलुरू में कराया जाएगा. इस कार्यक्रम का आयोजन चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और विश्व एथलेटिक्स के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जाएगा.

रोहित की तारीफ करने के पीछे एक वजह है कि वे लीजेंड हैं: कृष्णमाचारी श्रीकांत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत का मानना है कि भारत के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने हैदराबाद में सनराइजर्स के खिलाफ बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया जिससे सभी को याद आ गया कि उन्हें लीजेंड क्यों माना जाता है।

पहली पारी में ट्रेंट बोल्ट की धमाकेदार गेंदबाजी के सामने संकट में फंसी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम लड़खड़ा गई। दूसरी पारी में रोहित ने कहर बरपाया और हैदराबाद की जीत की उम्मीदों को खत्म करते हुए ताबूत में आखिरी कील ठोक दी। रोहित की यह छोटी और प्रभावी शुरुआत नहीं थी, जिसके लिए वे जाने जाते हैं। लगातार दूसरे मैच में उन्होंने क्रीज पर समय बिताया और प्रदर्शन किया, जबकि 70 (46) रन की पारी के दौरान उन्होंने आसानी से बाउंड्री लगाई। रोहित की 70 रनों की तूफानी पारी पर भरोसा करते हुए मुंबई ने 144 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया और कुछ ओवर शेष रहते 7 विकेट से जीत हासिल की।

श्रीकांत रोहित की क्लास से प्रभावित थे और उन्होंने सनराइजर्स को अगले साल के लिए शुभकामनाएं देते हुए संकेत दिया कि प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाएं खत्म हो गई हैं। श्रीकांत

ने एक्स पर लिखा, क्या शानदार पारी और फॉर्म में आने का क्या समय! अगर यह खिलाड़ी 6 ओवर से अधिक समय तक विकेट पर रहता है तो भगवान विपक्ष की मदद करें! उसके लीजेंड होने का एक कारण है और उसने हम सभी को यह दिखाया है कि क्यों अगले साल SRH को शुभकामनाएं!

रोहित ने सनराइजर्स के डिफेंस की रीढ़ तोड़ते हुए टी20 क्रिकेट में 12,000 रन पूरे किए और इस उपलब्धि को हासिल करने वाले दूसरे भारतीय और कुल मिलाकर आठवें खिलाड़ी बन गए। रोहित ने 456 मैचों और 443 पारियों में 30.91 की औसत से 12,058 रन बनाए हैं, जिसमें 8 शतक और 80 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121* है। वह टी20 में आठवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

टी20 में भारतीयों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी विराट कोहली हैं, जिन्होंने 407 मैचों और 390 पारियों में 41.79 की औसत और 134.33 की स्ट्राइक रेट से 13,208 रन बनाए हैं, जिसमें 9 शतक और 101 अर्द्धशतक और 122* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। वह इस प्रारूप में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

न्यूज बाइट्स

क ट्रक लूटेरा भी चढ़ा पुलिस के हत्थें

हसुपरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। पुलिस ने 2016 में हसपुरा थाना क्षेत्र में हुई हल्दी लदे ट्रक की लूटकांड में शामिल एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान रोहित तिवारी उर्फ रोहित पांडेय के रूप में हुई है, जो रोहतास जिले का रहने वाला है। पुलिस अधीक्षक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, रोहित तिवारी औरंगाबाद जिले के टॉप-10 अपराधियों में शामिल था। लंबे समय से फरार चल रहे इस अपराधी की तलाश में पुलिस जुटी थी। आखिरकार पुलिस की सतत निगरानी और सक्रियता के कारण यह गिरफ्त में आ गया। गौरतलब है कि वर्ष 2016 में हसपुरा थाना क्षेत्र में हल्दी से भरे एक बड़े ट्रक की लूट हुई थी। इस घटना ने उस समय जिले में काफी सनसनी फैला दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इसकी छानबीन तेज कर दी थी।

सर्किट हाउस में न्यायिक पदाधिकारी के भोजन में मिला कीड़ा, मचा हड़कंप

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। जिले के दानी बिगहा स्थित सर्किट हाउस से एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है, जहां ठहरे एक न्यायिक पदाधिकारी के भोजन में कीड़ा मिलने से प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया। घटना के सामने आते ही नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और उस भोजन को जब्त कर थाना ले गए। बताया जा रहा है कि वर्तमान में सर्किट हाउस में करीब सात न्यायिक पदाधिकारी ठहरे हुए हैं, जो हाल ही में हुए स्थानांतरण के बाद यहां आए हैं। कीड़ा मिलने की घटना ने न केवल वहां रह रहे पदाधिकारियों को विचलित किया, बल्कि पूरे सर्किट हाउस स्टाफ में भी हड़कंप मचा दिया। न्यायिक पदाधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद उन्होंने नगर थाने में लिखित शिकायत भी दर्ज करवाई है। हालांकि, अब तक उनकी ओर से कोई सार्वजनिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन पुलिस और प्रशासन इस मामले को अत्यंत गंभीरता से ले रहे हैं।

घटना को लेकर परिजनों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने उपहारा-गोह मुख्य पथ को कर दिया जाम

डॉक्टर की लापरवाही से महिला की मौत, क्लिनिक बंद कर डॉक्टर फरार

- डॉक्टर ने नॉर्मल डिलीवरी की बजाय जबरन ऑपरेशन किया।
- ऑपरेशन के दौरान पेशाब की नस काट दी गई, जिससे महिला के शरीर में सूजन आ गई।
- मौत की खबर मिलते ही डॉक्टर क्लिनिक का बोर्ड हटाकर वहां ताला लगाकर फरार हो गया।

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

जिले के गोह प्रखंड अंतर्गत तुलसी बिगहा स्थित एक प्राइवेट क्लिनिक में ऑपरेशन के दौरान हुई लापरवाही से एक महिला मरीज की मौत हो गई। मृतका की पहचान दरधा गांव निवासी शंकर गुप्ता की 34 वर्षीय पत्नी रोमी देवी के रूप में की गई है। इस घटना को लेकर परिजनों में गहरा आक्रोश फैल गया और उन्होंने शव को क्लिनिक के पास रखकर उपहारा-गोह मुख्य पथ को करीब एक घंटे तक जाम कर दिया। मृतका के पिता ने बताया कि रोमी देवी को शुक्रवार को डिलीवरी के लिए तुलसी बिगहा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों की इच्छा नॉर्मल डिलीवरी की थी, लेकिन डॉक्टर ने जबरदस्ती ऑपरेशन की बात कहकर दबाव बनाते हुए सर्जरी शुरू कर दी। आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टर ने लापरवाही करते हुए महिला की पेशाब की नस काट दी, जिससे उसके पूरे शरीर में सूजन आ गई और हालत बिगड़ने लगी।

स्थिति गंभीर होती देख मरीज को पहले गया और फिर पटना रेफर किया गया, लेकिन पटना के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार को महिला की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही क्लिनिक का डॉक्टर बोर्ड हटाकर क्लिनिक में ताला लगाकर फरार हो गया। गुस्साए परिजन शव को लेकर गोह पहुंचे और क्लिनिक के सामने रखकर रोड जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष मोहम्मद इरशाद ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया। थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजन पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर रहे हैं। आवेदन मिलने पर पुलिस कानूनी कार्रवाई शुरू करेगी।

गौरतलब है कि कुछ महीने पहले मदनपुर में भी इसी तरह का मामला सामने आया था, जहां झोलाछाप डॉक्टर द्वारा ऑपरेशन के दौरान नस काट दिए जाने से महिला की मौत हो गई थी। तब भी डॉक्टर बिना बताए मरीज को दूसरे अस्पताल में भर्ती कर फरार हो गया था। औरंगाबाद में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाह निगरानी और झोलाछाप डॉक्टरों की मनमानी से आम जनता की जान पर बन आई है। ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति से ग्रामीण क्षेत्र के लोग भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस बार दोषी डॉक्टर के खिलाफ क्या कार्रवाई करता है और कब तक झोलाछाप डॉक्टरों पर लगाम लगाई जाएगी।

30 साल से फरार नक्सली गया से गिरफ्तार

- पुलिस द्वारा पूछताछ पूरी करने के बाद सुरेंद्र रविदास को कोर्ट में रिमांड के लिए पेश कर दिया गया है।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के बंदेया थाना की पुलिस में 30 साल से फरार चल रहे हार्डकोर नक्सली को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी गुरुवार को पुलिस कार्यालय स्थित सभा कक्ष में प्रेसवार्ता आयोजित कर एसपी अंबरीश राहुल ने दी है। पकड़ा गया नक्सली सुरेंद्र रविदास उर्फ ब्रजेश जी बंदेया थाना क्षेत्र के बी गंगटी गांव का रहने वाला है। सुरेंद्र रविदास साल 1998 से ही फरार चल रहा था। अंबरीश राहुल बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सुरेंद्र रविदास गया जिले के जंगलडीहा एफसीआई गोदाम के पास पहुंचा है। सूचना के बाद विशेष टीम गठित कर स्थानीय पुलिस के सहयोग से छापेमारी की गई। इस दौरान नक्सली को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए नक्सली ने पूछताछ के दौरान कई कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। एसपी ने बताया कि पूछताछ और आवश्यक कार्रवाई के बाद सुरेंद्र रविदास को रिमांड के लिए कोर्ट भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए नक्सली के खिलाफ बंदेया थाना के अलावा गया जिले के कोंच, परैया, गुरारू तथा आमस थाना में 17 सीएल एक्ट तथा अन्य धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज है।

पकड़े गए नक्सली ने पूछताछ के दौरान बताया कि साल 2003 में उसने गया के गुरपा में एक साल की नक्सली ट्रेनिंग ली थी। औरंगाबाद और गया के सीमावर्ती इलाके में सुरेंद्र रविदास संगठन के लिए ठेकेदार, ईंट भट्ठा संचालक समेत अन्य लोगों से लेवी वसूलने का काम करता था। इसके अलावा वो पुलिस पर हमले तथा अन्य नक्सली गतिविधियों को अंजाम देता था। नए लोगों को संगठन में भर्ती करने का काम भी सुरेंद्र रविदास की ओर से किया जाता था।

प्रेस वार्ता के दौरान एसपी ने बताया कि पुलिस दबिश के कारण एक दिन पहले ही बुधवार को 11 साल से फरार चल रहे नक्सली मदनपुर थाना क्षेत्र के जुड़ाही गांव के रहने वाले मुजाहिद हुसैन ने कोर्ट में सरेंडर किया है। उन्होंने बताया कि वक्त नक्सली का नक्सली कांडों में शामिल रहा है।

उसके विरुद्ध मदनपुर थाना में सात अलग-अलग नक्सली कांड से जुड़े मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी को लेकर पुलिस द्वारा लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था। पुलिस दबिश से तंग आकर उसने कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

एसपी ने बताया कि नक्सलियों के विरुद्ध लगातार चलाए जा रहे अभियान के दौरान पिछले कुछ माह में पुलिस को कई सफलता मिली है। पिछले महीने ही चार राइफल के साथ पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस की लगातार कार्रवाई के कारण नक्सली गतिविधियों में कमी आई है।

डीएम ने किया अस्पताल, स्कूल व आंगनबाड़ी का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं को लेकर जताई नाराजगी

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

गुरूवार को जिला पदाधिकारी श्रीकान्त शास्त्रीद द्वारा रेफरल अस्पताल कुटुंबा एवं प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय बारुण एवं देव प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय भरकुर ,आंगनबाड़ी केंद्र भरकुर का औचक निरीक्षण किया। रेफरल अस्पताल कुटुंबा के निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति, चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता एवं मरीजों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया गया। साथ ही अस्पताल के महिला वार्ड, पुरुष वार्ड, ओपीडी, दवा भंडारण कक्ष, एक्सरे रूम, टीकाकरण कक्ष सहित विभिन्न प्रकार का पंजीयों के साथ विभिन्न बिंदुओं को बारीकी से निरीक्षण किया गया।

जिला पदाधिकारी द्वारा अस्पताल में डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति, दवा एवं टीके की उपलब्धता, उपकरणों, बेड, भवन की स्थिति आदि की भी जांच कीया गया। उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई एवं रख-रखाव की स्थिति को देखा और इसे और अधिक बेहतर बनाए जाने के निर्देश दिए। दवा भंडारण कक्ष निरीक्षण के दौरान दवा का कार्टून अव्यवस्थित एवं दवा फर्श पर बिखरा हुआ पाया गया। दवा भंडार में फ्रीज कार्यशील नहीं पाया गया, जिस पर जिला पदाधिकारी द्वारा गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए तुरंत सुधार लाने का निर्देश दिया गया।

जिला पदाधिकारी द्वारा हीट वेव कक्ष में मरीजों को बेहतर सुविधा प्रदान करने पर जोर दिया और निर्देश दिया गया कि लू से पीड़ित मरीजों को इलाज के लिए पहले से पूर्ण रूप से तैयारी कर ले ताकि लू से पीड़ित मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान हीट वेव कक्ष में एक भी कुलर और एसी नहीं पाए जाने पर नाराजगी जाहिर किया गया एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को अविलंब ओपीडी एवं हीट वेव कक्ष में लू के मदद्देनजर एयरकूलर की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को अस्पताल में स्वच्छता का बेहतर इंतजाम सुनिश्चित करने तथा रोगियों को उपलब्ध तमाम तरह की सुविधाओं का समुचित लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश दिए।

जिला पदाधिकारी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र भरकुर निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक गुणवत्ता, पोषण योजना की स्थिति तथा बुनियादी सुविधाओं जायजा लिया गया ।

जिले के विभिन्न प्रखंडों में सफलतापूर्वक हुआ महिला संवाद, सात हजार से अधिक महिलाओं ने लिया भाग

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

गुरूवार को द जिले के विभिन्न प्रखंडों में महिला सशक्तिकरण को लेकर आयोजित 'महिला संवाद' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह संवाद कर्मा भगवान (औरंगाबाद प्रखंड), बनुआ (देव), पुरहारा (हसपुरा), पिपरा बगाही (कुटुंबा) एवं दधपी (मदनपुर) जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। इस व्यापक आयोजन में जिले भर से सात हजार से अधिक महिलाओं ने भाग लिया और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। महिला संवाद का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक बनाना, सरकारी योजनाओं की सही जानकारी देना और उनसे सुझाव प्राप्त करना है ताकि महिला सशक्तिकरण की दिशा में बेहतर रणनीति तैयार की जा सके। कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला केंद्रित योजनाओं की जानकारी ऑडियो-विजुअल माध्यम से दी गई, साथ ही लीफलेट वितरित कर महिलाओं को विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का संदेश भी महिलाओं तक पहुंचाया गया जिसमें महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। महिलाओं ने इस मौके पर खुलकर अपनी राय और सुझाव रखे। सरकार से क्या अपेक्षाएं हैं – इस विषय पर चर्चा कर व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक हितों की बातों को लिखा गया और उसका दस्तावेज तैयार किया जा रहा है जिसे आगे जिला प्रशासन और राज्य सरकार को भेजा जाएगा ताकि उचित निर्णय लिया जा सके। कार्यक्रम के दौरान कई लाभान्वित महिलाओं ने मंच साझा कर अपने अनुभव बताए। संजू देवी, कलावती देवी, सकुंती देवी, लालमुन्नी देवी, खुशबू कुमारी आदि महिलाओं ने बताया कि कैसे सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर उन्होंने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर किया और अब वे गांव की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित कर रही हैं। गौतम ग्राम संगठन, पिपरा बगाही, कुटुंबा में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका सहित सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया। जिला पदाधिकारी ने कहा कि बिहार सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत, परिजनों में कोहराम

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि.सं.) रफीगंज प्रखंड अंतर्गत सिहुली खैरा गांव में बुधवार की रात एक दर्दनाक हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान चंदौल गांव निवासी स्व. गोवर्धन यादव के 42 वर्षीय पुत्र मिथलेश यादव के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, बुधवार की रात मिथलेश यादव किसी कार्य से ट्रैक्टर लेकर जा रहे थे, तभी सिहुली खैरा गांव के समीप अचानक ट्रैक्टर असंतुलित होकर पलट गया। इस घटना में मिथलेश ट्रैक्टर के नीचे दब गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही रफीगंज थाना अध्यक्ष शंभू कुमार, एसआई कुशो कुमार, सोनाली एवं एएसआई गोविंद मिश्रा मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही टीम को मौके पर रवाना किया गया और सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर परिजनों को शव सौंपा गया। हालांकि, इस संबंध में परिजनों की ओर से अब तक कोई लिखित आवेदन नहीं दिया गया है।

19 गरीब जोड़ों का एक साथ हुआ निशुल्क विवाह

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के गांधी मैदान में एक साथ 19 गरीब जोड़ों का निशुल्क विवाह संपन्न हुआ। आर्यन महाजन नाट्य परिषद का आयोजित यह 9वां सामूहिक विवाह समारोह था। विवाह समारोह में हिंदू रीति-रिवाज के साथ पंडितों ने मंत्रोच्चारण के बीच फेरे संपन्न कराए। वर-वधु पक्ष के सैकड़ों रिश्तेदारों के साथ हजारों लोग बाराती और सराती बनकर इस मांगलिक अवसर के साक्षी बने। संस्था के अध्यक्ष राहुल राज ने बताया कि 21 वर्ष पहले महाजन नाट्य परिषद का नाम बदलकर आर्यन महाजन नाट्य परिषद रखा गया। संस्था गरीबों की मदद के लिए कई तरह के कार्य करती है। इनमें रक्तदान, सर्दियों में कंबल वितरण, दुर्गा पूजा में सजावट और छठ पर्व पर फल वितरण शामिल हैं।

इस बार कुल 21 जोड़ों का पंजीकरण हुआ था, जिनमें से 19 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। विवाह में रफीगंज, पौथू बेरी, सुंदरगंज अमौना, गांधी मैदान, महदीपुर, ढोंगरा चंदौत समेत कई क्षेत्रों की कन्याएं शामिल थीं। सभी नवविवाहित जोड़ों ने सात जन्मों तक साथ निभाने की प्रतिज्ञा ली।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एससीए, एडीपी एवं डीओसी की समीक्षात्मक बैठक, योजनाओं के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

गुरूवार को जिला समाहरणालय में जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में विशेष केंद्रीय सहायता, आकांक्षी जिला कार्यक्रम) एवं जिला कार्यान्वयन समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि सभी कार्य तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। बैठक के दौरान जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस) को निर्देशित किया गया कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत 11 आंगनबाड़ी केंद्रों के जीर्णोद्धार हेतु कार्य योजना तैयार कर प्रशासनिक स्वीकृति के लिए सूची शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। जिला पदाधिकारी ने स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन (एल.ए.ई.ओ.) के कार्यपालक अभियंता को विशेष केंद्रीय सहायता योजनान्तर्गत कराए जा रहे कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में कार्य में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

इसी क्रम में भवन प्रमंडल औरंगाबाद के कार्यपालक अभियंता को विशेष रूप से निर्देश दिया गया कि मई 2025 तक सभी योजनाओं को हर हाल में समाप्त करें, जिससे जिले के विकास में कोई अवरोध न हो। सर्व शिक्षा अभियान के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए अप्रैल 2025 तक सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने का निर्देश भी बैठक में दिया गया। आकांक्षी जिला कार्यक्रम योजना के अंतर्गत 9 विद्यालयों में दो अतिरिक्त कक्ष एवं पुस्तकालय निर्माण कार्य भी तेजी से पूर्ण कराने की बात कही गई। कार्यपालक अभियंता, एलएईओ को निर्देशित किया गया कि निर्माण कार्य नियमों के अनुरूप शीघ्र पूरा करें। जिला पदाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी कार्यकारी एजेंसियों को तय समय सीमा के भीतर कार्य को पूर्ण करना अनिवार्य है। साथ ही सभी पूर्ण योजनाओं का उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) यथाशीघ्र उपलब्ध कराया जाए ताकि योजनाओं की प्रगति राज्य स्तर तक सही समय पर भेजी जा सके। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी (आईसीडीएस), जिला पशुपालन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता (एलएईओ), कार्यपालक अभियंता (भवन प्रमंडल), सहायक अभियंता (सर्व शिक्षा अभियान) सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गति लाना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने जनता दरबार में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, सात मामलों का हुआ त्वरित संज्ञान

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में गुरुवार को समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। डीएम ने सभी फरियादियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दरबार में भूमि विवाद, पेंशन से जुड़ी समस्याएं, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतें अधिक संख्या में सामने आईं। डीएम ने सभी विभागों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाए और प्रत्येक फरियादी को संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए।

डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर कुछ मामलों में उन्होंने स्वयं संबंधित अधिकारियों से बात कर त्वरित निष्पादन की प्रक्रिया शुरू कराई। जनता दरबार में पहुंचे एक वृद्ध किसान ने अपनी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत की, जिस पर डीएम ने राजस्व विभाग को जांच कर त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। वहीं, एक महिला ने विधवा पेंशन न मिलने की शिकायत की, जिस पर समाज कल्याण पदाधिकारी को दो दिन के भीतर जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया। डीएम ने जनता दरबार के अंत में कहा कि जिले के सभी प्रखंडों में नियमित रूप से इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि जनता को अपनी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें।

इस मौके पर उपविकास आयुक्त, जिला कल्याण पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, समाज कल्याण पदाधिकारी समेत कई विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। जनता दरबार में कुल 138 आवेदन आए, जिनमें से अधिकांश पर मौके पर ही कार्रवाई शुरू कर दी गई।

लू एवं गर्मी से निपटने को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में भीषण गर्मी और लू की आशंका को देखते हुए आज दिनांक 24 अप्रैल 2025 को समाहरणालय सभागार में जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में गर्मी से उत्पन्न होने वाले आपदाओं जैसे हीट वेव (लू), पेयजल संकट, सूखा और आगजनी की घटनाओं से निपटने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी ने सभी विभागों से विभागवार तैयारियों की जानकारी ली और स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में लू से बचाव और इलाज की व्यवस्था मजबूत और प्रभावी होनी चाहिए। जिला पदाधिकारी ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में ओआरएस घोल, जरूरी दवाइयां, मरीजों के लिए बेड, डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति तथा एयर कूलर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि लू से ग्रसित मरीजों के इलाज में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। कार्यपालक अभियंता (पीएचईडी) से जिले में चापाकल की मरम्मती स्थिति, नल जल योजना की स्थिति, नए चापाकल के अधिष्ठापन और फेल चापाकल की रिपोर्ट मांगी गई। उन्होंने निर्देश दिया कि पेयजल आपूर्ति किसी भी सूरत में बाधित न हो।

आगजनी की घटनाएं बनी चिंता का विषयजिला पदाधिकारी ने कहा कि जिले में लगातार आग लगने की घटनाएं चिंता का विषय हैं। इसके पीछे का मुख्य कारण फसल कटाई के बाद खेतों में आग लगाना बताया गया। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे किसानों की पहचान कर उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाए। बैठक में आगामी बाढ़ और सूखे की संभावना को लेकर भी समीक्षा की गई। जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए ताकि समय पर बचाव और राहत कार्य आरंभ किए जा सकें। बैठक में उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, अपर समाहर्ता ललित रंजन भूषण, आपदा शाखा के अधिकारी उपेंद्र पंडित, वरिष्ठ उप समाहर्ता मेराज जमील और रितेश कुमार यादव, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी एवं विद्युत विभाग, सिविल सर्जन समेत अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

पेयजल व्यवस्था की समीक्षा

नगर परिषद और नगर पंचायतों के कार्यपालक पदाधिकारियों से वार्डवार पेयजल आपूर्ति की योजना की जानकारी ली गई। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि टैंकर, वॉटर एटीएम एवं पे-आउट के माध्यम से नियमित जलापूर्ति की व्यवस्था की जाए।

उत्तर कोयल नहर में पानी की मांग को लेकर किसानों के धरना के 100 दिन पूरे

- जब तक नहर का पानी खेतों तक नहीं पहुंचेगा, आंदोलन जारी रहेगा

निज संवाददाता | रफीगंज(औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले के रफीगंज प्रखंड परिसर में उत्तर कोयल नहर में पानी नहीं आने को लेकर किसान मजदूर मोर्चा द्वारा चलाया जा रहा धरना गुरुवार को 100वें दिन में प्रवेश कर गया। यह धरना अब प्रतीक नहीं, बल्कि किसानों के आत्मसम्मान और जीविका की लड़ाई बन चुका है। धरना के 100वें दिन को किसानों ने 'गोल्डन जुबली' के रूप में मनाया, परंतु इस दिन तक सरकार का कोई भी प्रतिनिधि धरना स्थल पर नहीं पहुँचा, जिससे किसानों में रोष गहराता जा रहा है। नहर में कुटकु डैम पर फाटक लगाने की प्रक्रिया अभी तक शुरू नहीं होने से किसानों का आक्रोश और बढ़ गया है। धरना स्थल पर गुरारू, गया, गोह, कोंच समेत कई जिलों से किसान पहुंचे और समर्थन जताया। मौके पर धरना की अध्यक्षता अहमद रजा खां उर्फ लड्डू खां व सिद्धी यादव ने की, जबकि संचालन डॉ. तुलसी यादव एवं पूर्व पैक्स अध्यक्ष सत्येंद्र यादव ने किया। लड्डू खां ने कहा कि यदि उत्तर कोयल नहर में फाटक लगाकर पानी किसानों के खेतों तक नहीं पहुँचा, तो 'डायमंड जुबली धरना' भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज़ाद भारत के लोकतंत्र में किसानों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉ. तुलसी यादव और शिवनंदन यादव ने कहा कि किसानों की इस मांग को सरकार अगर नजरअंदाज करती रही तो आंदोलन और उग्र होगा। संतोष गिरी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने जल्द सुनवाई नहीं की, तो अनिश्चितकालीन रेल चक्का जाम भी किया जाएगा। चंद्रशेखर प्रसाद यादव ने कहा कि जलस्तर लगातार गिर रहा है और किसानों के सामने खेती का संकट गहराता जा रहा है, लेकिन केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से अब तक सिर्फ आश्वासन मिला है, कार्रवाई नहीं। धरना में भाग लेने वालों में प्रमुख रूप से कामेश्वर यादव, विष्णु देव यादव, उमेश सिंह मेहता उर्फ फौजी, नागदेव यादव, भोलानाथ वर्मा, सुभाष पासवान, सुखेंद्र यादव, जयप्रकाश प्रजापति, विनोद यादव, वीरेंद्र यादव, लालधारी चौधरी, छोटू कुमार, प्रमोद साह, मोहम्मद फारूक, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष रामचंद्र आज़ाद, महेश प्रसाद यादव, बालकुमार सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। किसानों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक खेतों तक उत्तर कोयल नहर का पानी नहीं पहुँचेगा, तब तक धरना जारी रहेगा और आवश्यकता पड़ी तो आंदोलन को राज्यव्यापी रूप दिया जाएगा।

पहलगाम हमले के विरोध में एलआईसी अभिकर्ताओं ने निकाला कैंडल मार्च

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हमले में 28 निर्दोष हिंदू सैलानियों की क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई, जिससे हर दिल आहत और हर मन व्यथित है। इसी दुखद घटना के विरोध में औरंगाबाद के रमेश चौक पर एलआईसी अभिकर्ताओं द्वारा एक शांतिपूर्ण कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। यह कैंडल मार्च वीरवार की शाम आयोजित हुआ, जिसमें एलआईसी के सैकड़ों अभिकर्ताओं ने हिस्सा लिया। सभी ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर शहीदों के चित्रों के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित की और हमले की तीव्र निंदा करते हुए सरकार से दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की मांग की। मार्च में शामिल अभिकर्ताओं ने कहा कि यह हमला न सिर्फ इंसानियत के खिलाफ है, बल्कि देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि देश आतंकवाद के खिलाफ कठोर नीति अपनाए और ऐसे हमलों के पीछे छिपे दुश्मनों को नेस्तनाबूद किया जाए। अभिकर्ताओं ने इस दौरान शहीद सैलानियों की आत्मा की शांति के लिए सामूहिक मौन रखा और दोन मिनट तक मौन श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही, उन्होंने यह भी अपील की कि देश के सभी नागरिक एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ खड़े हों, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हो।